जबलपुर शुक्रवार 24 जुलाई 2026 > शक संवत 1948, अषाढ़ शुक्ल पक्ष दशमीं | वर्ष 32 अंक 29 मूल्य ₹ 3.00 > पेज 12 > आर.एन.आई. पंजीयन नम्बर 64561/96

अब हर रोज दर्पण ⏩ 3

स्वतंत्र मत

www.swatantramat.com

मौसम
अधिकतम तापमान 28.2°C
न्यूनतम तापमान 23.6°C
सूर्योदय - 5.38 | सूर्यास्त - 6.56

स्वतंत्र मत में विज्ञापन देने के लिए 9589920250 पर कॉल करें * स्वतंत्र मत का अंक प्राप्त करने के लिए 9301359695 पर कॉल करें।

मीडिया मीट में बोले कलेक्टर-प्रशासन की ... ⏩ 4

किसी को खोने का डर उसकी अहमियत का... ⏩ 7

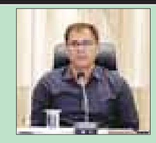

हर बच्चे का नामांकन और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा हो ... ⏩ 9

विपक्ष में क्रोध...सदन में गतिरोध

प्रधानमंत्री के बयान के बाद भी सीजेपी और विपक्ष अपने स्टैंड और अपनी मांग पर कायम

नई दिल्ली

पेपर लीक, शिक्षा व्यवस्था में भ्रष्टाचार और रोजगार के मुद्दे पर सड़क से संसद तक संग्राम छिड़ा हुआ है। ऐसे में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को पेपर लीक करने वालों को कड़ी सजा देने का वादा किया। पेपर लीक मामले की जल्द सुनवाई के लिए फास्ट ट्रैक कोर्ट बनाए जाने की बात कही। प्रधानमंत्री के सख्त कार्रवाई वाले बयान के बाद भी सीजेपी और विपक्ष अपने स्टैंड और अपनी मांग पर कायम हैं। पेपर लीक मामले पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बयान के बाद छात्र आंदोलन की अगुवाई कर रही कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) अभी भी अपने स्टैंड पर कायम है। सीजेपी ने शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफा की अपनी मांग दोहराई, सीजेपी के संस्थापक अभिजीत दीपके ने प्रधानमंत्री के सोशल मीडिया पोस्ट पर प्रधान पर कटाक्ष किया। उन्होंने कहा कि जंतर-मंतर के रास्ते खुले हुए हैं।, केंद्र सरकार के इस प्रस्ताव पर अब जंतर-मंतर आने का हवाला दिया है। वहीं, कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री मोदी पर निशाना साधते हुए कहा कि हमारे युवाओं के भविष्य को सबसे ज्यादा नुकसान पहुंचाया है। आपने न सिर्फ हमारी

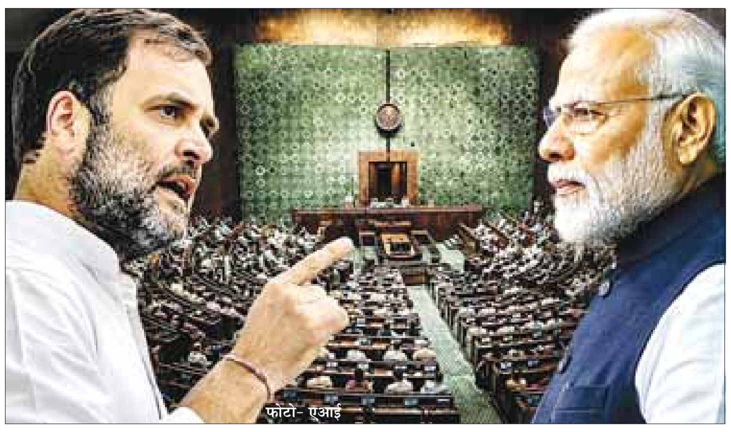

फोटो- एआई

शिक्षा व्यवस्था पर पूरा कब्जा होने और उसे बर्बाद होने दिया, बल्कि उसे बढ़ावा भी दिया। इसके जिम्मेदार हर व्यक्ति को संरक्षण दिया। राहुल गांधी ने कहा कि छात्रों की मांगें बिल्कुल साफ हैं, उन्होंने तीन मांगें फिर दोहराईं, जिसमें केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को पद से हटाने, छात्रों से माफी मांगन और छात्रों के साथ हिंसा करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की बात कही। कांग्रेस के संचार प्रभारी महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि प्रधानमंत्री में संसद में खड़े होकर बोलने और गंभीर बहस में शामिल होने का साहस नहीं है, जैसा कि उनके सभी पूर्ववर्तियों ने जरूरत पड़ने पर किया था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नीट पेपर विवाद पर आए बयान के बाद सपा के सांसद राम गोपाल यादव ने कहा कि इनके(भाजपा) कार्यकाल में कितने पेपर लीक हुए हैं और कितनों के खिलाफ कार्रवाई हुई है? अभी तक किसी को कोई सजा हुई है? आप सत्ता में बैठे हैं और जनता आपसे जवाब चाहती है। ये प्रदर्शन कर रहे बच्चे कोई किराए पर लाए नहीं गए हैं... यह तरीका ठीक नहीं है। जो लोग सिविल कपड़ों में बच्चों पर लाठियां बरसा रहे थे, वे लोग कौन थे?

सरकार से छात्रों का भरोसा टूट गया: प्रियंका

कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने कहा कि बच्चों और छात्रों का सिस्टम से भरोसा टूट गया है, जब भरोसा ही नहीं रहा, तो उसी सिस्टम का दिया हुआ समाधान बच्चे कैसे स्वीकार करेंगे? यह बात हर मां-बाप समझते हैं और हमारे प्रधानमंत्री और सरकार को भी समझनी चाहिए, अगर सरकार समाधान चाहती है, तो पहले बच्चों की बात सुने और उनकी मांगें पूरी करे। उन्होंने कहा कि आज देश के हजारों छात्र सड़कों पर हैं, इंडिया गेट पर हैं, जंतर-मंतर पर हैं और पूरे देश में प्रदर्शन कर रहे हैं, ऐसे समय में नेताओं को अपना डर छोड़कर जनता की बात सुननी पड़ेगी। प्रियंका ने कहा कि छात्रों पर लाठीचार्ज हुआ, कई घायल हुए। कल रात उन्हें पीटा गया और सुबह ट्वीट करके कहा गया कि बच्चों की चिंता है। अगर सच में चिंता है, तो लाठी क्यों चली?

सीजेपी का देशव्यापी प्रदर्शन आज

कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) ने परीक्षा संबंधी मुद्दों के खिलाफ जारी आंदोलन के दौरान हुई पुलिस कार्रवाई के विरोध में शुक्रवार को देशव्यापी प्रदर्शन दिवस मनाने की घोषणा की है। संगठन ने छात्रों, समर्थकों और नागरिक समाज समूहों से देश के सभी जिलों में शांतिपूर्ण प्रदर्शन करने का आग्रह किया है। सोशल मीडिया पर 'हर जिला, एक दिन, एक मांग' नारे के साथ एक अपील जारी करते हुए संगठन ने प्रतिभागियों से निर्धारित स्थानों पर एकत्र होने, छात्रों की मांगों को सार्वजनिक रूप से पढ़ने और संबंधित जिला प्रशासनों को ज्ञापन सौंपने को कहा है। इस अभियान को सुचारू बनाने के लिए सीजेपी ने एक मानक संचालन प्रक्रिया, प्रचार सामग्री और एक मॉडल ज्ञापन जारी किया है। इसने स्थानीय समन्वयकों को आवश्यक अनुमतियां लेने, छात्र संघों और समान विचारधारा रखने वाले संगठनों के साथ तालमेल करने और यह सुनिश्चित करने की सलाह दी है कि प्रदर्शन पूरी तरह से अनुशासित और अहिंसक रहें।

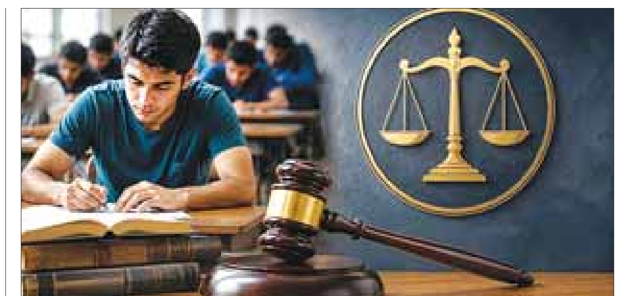

नीट पेपर लीक पर 'मिशन मोड' में सरकार

4 राज्यों में बनेंगे फास्ट ट्रैक कोर्ट

नई दिल्ली। नीट पेपर लीक मामले में केंद्र सरकार का एक्शन शुरू हो गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के परीक्षाओं में गड़बड़ियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई के ऐलान के बाद सरकार मिशन मोड में काम कर रही है। सूत्रों के मुताबिक, अब नीट पेपर लीक मामले के आरोपियों पर सार्वजनिक परीक्षा (अनुचित साधनों की रोकथाम) अधिनियम, 2024 के तहत मुकदमा चलाया जाएगा। इसी के साथ इन मामलों की सुनवाई के लिए चार राज्यों में स्पेशल फास्ट ट्रैक कोर्ट स्थापित करने की तैयारी शुरू हो गई है। सूत्रों के मुताबिक, नीट पेपर लीक मामले में इस कानून के तहत अब तक चार एफआईआर दर्ज की जा चुकी हैं। इन मामलों की सुनवाई के लिए बॉम्बे, कलकत्ता, दिल्ली और मध्यप्रदेश हाईकोर्ट के अधिकार क्षेत्र में फास्ट ट्रैक कोर्ट स्थापित करने का प्रस्ताव तैयार किया जा रहा है। केंद्र सरकार संबंधित राज्य सरकारों और हाई कोर्ट से विशेष फास्ट ट्रैक अदालतें गठित करने का अनुरोध करेगी। इन अदालतों में नीट पेपर लीक से जुड़े मामलों की रोजाना सुनवाई होगी, ताकि जांच और ट्रायल में देरी न हो और जल्द फैसला आ सके। यह कानून 21 जून 2024 से पूरे देश में लागू है। इसका मकसद सार्वजनिक परीक्षाओं में पेपर लीक, नकल, सॉल्वर गैंग, इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के दुरुपयोग और अन्य अनुचित तरीकों पर सख्त कार्रवाई सुनिश्चित करना है। कानून के तहत दोषी पाए जाने पर कड़ी सजा और भारी जुर्माने का प्रावधान भी किया गया है।

युवतियों पर बल प्रयोग पीड़ादायक

सीजेपी के प्रदर्शन पर बोले मुरली मनोहर जोशी

नई दिल्ली

पूर्व मानव संसाधन मंत्री और भाजपा के मार्गदर्शक मंडल के सदस्य मुरली मनोहर जोशी ने जंतर मंतर पर प्रदर्शन कर रहे छात्र-छात्राओं पर किए गए बल प्रयोग की निंदा की है। उन्होंने एक्स पर एक पोस्ट में कहा है कि उन्हें यह देखकर अत्यन्त पीड़ा हुई है कि महिलाओं और युवतियों पर निर्मम बल प्रयोग किया गया। मुरली मनोहर जोशी नेने कहा है कि यह देखना अत्यन्त पीड़ादायक है कि देश के विभिन्न भागों से आए युवा छात्र कई दिनों से नई दिल्ली की सड़कों पर एकत्रित हैं। उनकी चिंताएं और सरोकार वास्तविक हैं। इन्हें सहानुभूति तथा दूरगामी समाधान की दृष्टि से हल किया जाना चाहिए। मुझे पूरी आशा है कि इसे केवल कानूनी और व्यवस्था की समस्या

के रूप में नहीं देखा जाएगा जिससे बलपूर्वक निपटा जाये। भाजपा नेता ने कहा, मुझे यह देखकर अत्यन्त पीड़ा हुई है कि महिलाओं और युवतियों पर निर्मम बल प्रयोग किया गया। ऐसे बल के उपयोग से भारतीय समाज का बड़ा हिस्सा विकसित भारत के लक्ष्य से बहुत दूर चला जाएगा।

आज की पीढ़ी ज्यादा जानकार लेकिन ज्ञान में कमजोर

सोनम केस में टिप्पणी कर सुप्रीम कोर्ट ने रद्द की जमानत

नई दिल्ली। इंदौर के ट्रांसपोर्ट कारोबारी राजा रघुवंशी हत्याकांड में आरोपी पत्नी सोनम रघुवंशी की जमानत सुप्रीम कोर्ट ने रद्द कर दी है। कोर्ट ने इस दौरान बड़ी टिप्पणी करते हुए कहा कि, आज की पीढ़ी भले ही ज्यादा जानकार हो सकती है लेकिन उसे प्रेशर हैंडल करना नहीं आ रहा है। कोर्ट ने कहा- यह पीढ़ी बेचैन है और ज्ञान में कमजोर है। यह कहते हुए सुप्रीम कोर्ट ने सोनम रघुवंशी को तीन सप्ताह के भीतर सरेंडर करने का आदेश दिया है। इस फैसले के साथ ही बहुचर्चित हनीमून मर्डर केस एक बार फिर सुर्खियों में आ गया है। बता दें कि, सोनम की जमानत रद्द करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि बदलते समाज में ये चीजें होना लाजमी है। आज की पीढ़ी हमसे ज़्यादा जानकार हो सकती है लेकिन प्रेशर से निपटने के मामले में वे ज़्यादा कमजोर हैं। इस पर एसजी मेहता ने कहा कि उनके पास जानकारी ज़्यादा है, ज्ञान नहीं। वहीं इस पर जस्टिस वराले ने कहा कि व्हाट्सएप पर जो कुछ भी शेयर किया जा रहा है, उसे ज्ञान माना जा रहा है। इस मामले में सुनवाई के दौरान कोर्ट ने कहा कि आज की पीढ़ी बेचैन है। वे समस्याओं का जल्दी समाधान चाहते हैं। अगर आप जॉइंट फैमिली के सदस्य हैं, तो आप निराशा, एडजस्टमेंट करना सीखेंगे। न्यूक्लियर फैमिली में, आप छोटी-छोटी बातों पर रोते हैं।

समान नागरिक संहिता को व्यापक जनसमर्थन

भोपाल (स्वतंत्र मत)

समान नागरिक संहिता (यूसीसी) को लेकर समाज के विभिन्न धर्म और वर्गों में व्यापक समर्थन देखने को मिल रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के इंदौर आगमन पर विभिन्न धर्मों के प्रतिनिधियों तथा अनेक सामाजिक संगठनों के पदाधिकारी और सदस्य एयरपोर्ट पहुंचे। उन्होंने समान नागरिक संहिता का समर्थन करते हुए मुख्यमंत्री डॉ. यादव का स्वागत किया तथा इस महत्वपूर्ण निर्णय के लिए उनका आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि समान नागरिक संहिता का उद्देश्य सभी नागरिकों को समान अधिकार और समान न्याय उपलब्ध कराना है। यह व्यवस्था संविधान की मूल भावना के अनुरूप सामाजिक समरसता, समानता और न्याय को सुदृढ़ करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार समाज के सभी वर्गों के हितों की रक्षा और समान अवसर सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने समर्थन के

लिए उपस्थित सभी धर्मों और सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि समाज का यह विश्वास और सहयोग प्रदेश के समावेशी विकास तथा सामाजिक सौहार्द को और अधिक मजबूती प्रदान करेगा। इस मौके पर महापौर पुष्यमित्र भार्गव, विधायक रमेश मेंदोला तथा गोलू शुक्ला, सुमित मिश्रा सहित अन्य जनप्रतिनिधि, संभागायुक्त डॉ. सुदाम खाड़े, पुलिस महानिरीक्षक अनुराग, पुलिस कमिश्नर संतोष कुमार सिंह, कलेक्टर शिवम वर्मा आदि मौजूद थे।

जबलपुर समेत कई जिलों में बारिश और वज्रपात की चेतावनी

एक बार फिर मानसून पकड़ेगा जोर, 17 जिलों में भारी बारिश का अलर्ट

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

मध्यप्रदेश में मानसून की गतिविधियां एक बार फिर तेज होने के संकेत हैं। मौसम विभाग के अनुसार पश्चिमी मध्यप्रदेश के कुछ जिलों में भारी बारिश की आशंका है, जबकि जबलपुर, भोपाल सहित अनेक जिलों में गरज-चमक के साथ हल्की से मध्यम वर्षा हो सकती है। मौसम प्रणाली सक्रिय रहने के कारण प्रदेश में 26 और 27 जुलाई तक बारिश की गतिविधियां जारी रहने की संभावना है। कुछ स्थानों पर बिजली चमकने और वज्रपात के साथ 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं भी चल सकती हैं। वहीं बात करें जबलपुर की तो गुरुवार

को शहर में झमाझम बारिश का दौर थमता नज़र आया और वर्षा की रफ्तार अपेक्षाकृत काफी कम रही। आसमान में छाए बादलों के बीच दिनभर धूप-छांव का खेल चलता रहा। मौसम विभाग के अनुसार गुरुवार को जबलपुर का अधिकतम तापमान 28.2 डिग्री सेल्सियस तो वहीं न्यूनतम तापमान 23.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। दिनभर मौसम का रुख अनिश्चित बना रहा, जिससे लोगों को गर्मी का सामना करना पड़ा। पारे में हुई इस बढ़त और नमी के मेल ने दिन के वक्त शहर में पसीने छुड़ाने वाला माहौल बनाए रखा। इस दौरान अभी तक कुल 252.8 मिमी वर्षा दर्ज की गयी है। कम वर्षा के कारण बाजार में भी भीड़ नज़र आयी।

बदलते मौसम से बढ़ा बीमारियों का खतरा

मौसम के इस तरह बार-बार रंग बदलने से शहर में स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं का खतरा भी तेजी से बढ़ गया है। तापमान में आए इस अचानक बदलाव और हवा में बढ़ी उमस के कारण वायरल इंफेक्शन, बुखार और खांसी-जुकाम जैसी बीमारियों के फैलने की आशंका बढ़ गई है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने इस बदलते मौसम में विशेष सावधानी बरतने, खान-पान का ध्यान रखने और खान-पान में सफाई बनाए रखने की सलाह दी है। मौसम विभाग के अनुसार, आने वाले एक-दो दिनों तक शहर में इसी तरह का मिला-जुला माहौल बने रहने की संभावना है। स्थानीय स्तर पर बादलों की मौजूदगी बनी रहेगी, जिससे बीच-बीच में हल्की बौछारें पड़ने के साथ ही धूप-छांव की स्थिति जारी रह सकती है। फिलहाल, बारिश की रफ्तार धीमी होने से जहां एक तरफ तापमान और उमस में बढ़ोतरी दर्ज की गई है, वहीं दूसरी तरफ बीमारियों के बढ़ते खतरे ने लोगों और प्रशासन दोनों की चिंता बढ़ा दी है।

ऑनलाइन ठगी रोकने में बैंक बढ़ाएं सतर्कता

एसपी सम्पत्त उपाध्याय ने ली बैंक अधिकारियों की बैठक, दिए कड़े निर्देश

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। ऑनलाइन बैंकिंग, एटीएम फ्रॉड और बढ़ते साइबर अपराधों पर प्रभावी रोक लगाने तथा जबलपुर निवासियों को आर्थिक ठगी से सुरक्षित रखने के उद्देश्य से आज पुलिस कंट्रोल रूम में एक उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई। पुलिस कप्तान सम्पत उपाध्याय की अध्यक्षता में आयोजित इस बैठक में विभिन्न बैंकों के 130 वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए। इस दौरान एएसपी अपराध जितेन्द्र सिंह, एएसपी (जोन-2) सुश्री पल्लवी शुक्ला, एएसपी (मुख्यालय) सूर्यकांत शर्मा, एएसपी (यातायात) अखिलेश तिवारी सहित नगर पुलिस अधीक्षक एवं साइबर सेल के अधिकारी मौजूद रहे। बैठक में कप्तान ने कहा कि कि यदि किसी बैंक खाते का उपयोग मनी लॉन्ड्रिंग, अवैध धन हस्तांतरण या वित्तीय अपराधों के लिए (म्यूल अकाउंट के रूप में) होने की आशंका हो, तो उसकी सूचना तत्काल संबंधित थाने और साइबर सेल को दी जाए।पुलिस के साथ-साथ बैंकों को भी अपने खाताधारकों को जागरूक करने की जिम्मेदारी उठानी होगी। उन्होंने बताया कि जबलपुर पुलिस द्वारा पहले से ही स्कूलों, कॉलेजों, बाजारों, बस स्टैंडों और बस्तियों में बैनर-

पोस्टर लगाकर नागरिकों को जागरूक किया जा रहा है।

पुलिस की सतर्कता गाइडलाइन

-बैठक के दौरान एसपी जबलपुर ने संस्कारधानी वासियों से अपील करते हुए सुरक्षा संबंधी निम्नलिखित दिशा-निर्देश जारी किए।

- बैंक अधिकारी कभी फोन पर जानकारी नहीं मांगते। कोई भी बैंक या उसका प्रतिनिधि फोन पर खाता नंबर, पासवर्ड, एटीएम पिन या आधार कार्ड जैसी गोपनीय जानकारी नहीं मांगता।
- मोबाइल पर आया ओटीपी, एटीएम पिन या नेट बैंकिंग पासवर्ड कभी किसी से साझा न करें।

लॉगिन पासवर्ड की सुरक्षा को लेकर अधिकारियों को किया जागरूक

जबलपुर(स्वतंत्र मत)। जिला कोषालय द्वारा गुरुवार को जिले के सभी आहरण एवं संवितरण अधिकारियों (डीडीओ) के लिए आईएफ एमएस (इंटीग्रेटेड फाइनेंशियल मैनेजमेंट सिस्टम) से देयकों के आहरण की प्रक्रिया एवं लॉगिन पासवर्ड की सुरक्षा विषय पर प्रशिक्षण आयोजित किया गया। प्रशिक्षण का उद्देश्य वित्तीय कार्यों में पारदर्शिता, शुद्धता और डिजिटल सुरक्षा सुनिश्चित करना था। प्रगत शैक्षिक अध्ययन संस्थान के आदि शंकराचार्य ऑडिटोरियम में आयोजित प्रशिक्षण में वरिष्ठ कोषालय अधिकारी साकेत जैन, अतिरिक्त कोषालय अधिकारी नवीन बारेकर एवं सिस्टम मैनेजर राजेश कुमार गुप्ता ने आईएफएमएस पोर्टल पर सही लेखा शीर्ष का चयन, स्वीकृति आदेश में भुगतान संबंधी आवश्यक विवरण तथा कोषालय संहिता-2020 के नियमों और निर्देशों की विस्तार से जानकारी दी। प्रशिक्षण के दौरान अधिकारियों को आईएफएमएस लॉगिन आईडी एवं पासवर्ड की गोपनीयता बनाए रखने, साइबर सुरक्षा के प्रति सतर्क रहने तथा डिजिटल वित्तीय लेन-देन में सुरक्षा मानकों का पालन करने के लिए भी जागरूक किया गया। कार्यक्रम में जीपीएफ एवं डीपीएफ के ऑनलाइन अंतिम भुगतान की प्रक्रिया, अवकाश नियम-2025, जीआईएस तथा पेंशन पोर्टल पर गणना संबंधी प्रक्रियाओं की जानकारी भी आहरण एवं संवितरण अधिकारियों तथा उनके सहयोगी कर्मचारियों को दी गई।

कृषि अधिकारियों ने कोदो और अरहर फसल प्रदर्शन का लिया जायजा

जबलपुर, (स्वतंत्र मत)

कलेक्टर राघवेंद्र सिंह के निर्देश पर कृषि विभाग के अधिकारियों ने गुरुवार को कुंडम विकासखंड के विभिन्न गांवों का भ्रमण कर फ सल प्रदर्शन प्लॉटों एवं प्राकृतिक खेती की गतिविधियों का निरीक्षण किया। इस दौरान किसानों को उन्नत कृषि तकनीकों के साथ प्राकृतिक एवं जैविक खेती अपनाने के लिए प्रेरित किया गया। अधिकारियों ने ग्राम लखनवारा में कोदो तथा ग्राम टिकरिया में अरहर के प्रदर्शन प्लॉटों का निरीक्षण कर फ सल प्रबंधन, कीट एवं रोग नियंत्रण तथा विभागीय योजनाओं की जानकारी किसानों को दी। दल ने बीआरसी सेंटर कुरगवां और बरखेड़ा का भी निरीक्षण किया, जहां जीवामृत, बीजामृत, दशपर्णी अर्क और

नीमास्त्र जैसे जैविक कृषि आदानों के निर्माण कार्य का अवलोकन किया। अधिकारियों ने बताया कि इनका उपयोग रासायनिक उर्वरकों और कीटनाशकों पर निर्भरता कम कर भूमि की उर्वरता बढ़ाने तथा पर्यावरण संरक्षण में सहायक है। निरीक्षण दल में उप संचालक किसान कल्याण एवं कृषि विकास यू.के. कटहरे, अनुविभागीय कृषि अधिकारी प्रतिभा गौर सहित कृषि विभाग के अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

व्हीकल फैक्ट्री की पहल: 400 टीबी मरीजों को मिला पोषण आहार

जबलपुर, (स्वतंत्र मत)।

राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम के तहत व्हीकल फैक्ट्री जबलपुर के सहयोग से जिले के 400 जरूरतमंद क्षय (टीबी) मरीजों को पोषण आहार (फू ड बास्केट) वितरित किए गए। शासकीय चिकित्सालय रांझी, कैंट चिकित्सालय, जिला चिकित्सालय और मेडिकल कॉलेज में आयोजित कार्यक्रमों के माध्यम से मरीजों को पोषण किट उपलब्ध कराई गई।

कार्यक्रम के तहत जिले की सभी सात अर्बन ट्यूबरकुलोसिस यूनिटकृजिला क्षय केंद्र, मेडिकल कॉलेज, कैंट, रांझी, मनमोहन नगर, मोतीनाला और हाथीताल के उपचाररत जरूरतमंद मरीजों

को फूड बास्केट प्रदान किए गए। व्हीकल फैक्ट्री के सहयोग से पिछले वर्ष से अब तक 1953 फू ड बास्केट वितरित किए जा चुके हैं।

टीबी उन्मूलन में सामाजिक सहभागिता जरूरी-मेडिकल कॉलेज सभागार में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी तथा व्हीकल फैक्ट्री जबलपुर के महाप्रबंधक रामेश्वर मीना ने कहा कि टीबी मुक्त भारत के लक्ष्य को हासिल करने के लिए सामाजिक सहभागिता और संस्थागत सहयोग बेहद आवश्यक है। उन्होंने भविष्य में भी क्षय रोगियों के लिए हरसंभव सहयोग जारी रखने का भरोसा दिया।

कार्यक्रम में जिला क्षय अधिकारी डॉ. संतोष ठाकुर, अमित दुबे, जिला मीडिया अधिकारी अजय कुरील, विभिन्न टीयू के प्रभारी अधिकारी एवं जिला क्षय उन्मूलन इकाई के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे। संचालन जिला समन्वयक सीमान्त ढिमोले एवं अमित सिंह ने किया, जबकि आभार सुनील शर्मा ने व्यक्त किया।

रानी दुर्गावती विवि 13 कर्मचारियों के नियमितीकरण विवाद पर लगी रोक

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय में 13 चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों के नियमितीकरण को लेकर शुरू हुए विवाद की जांच अब उच्चस्तरीय समिति करेगी। विश्वविद्यालय प्रशासन ने पूरे मामले की निष्पक्ष जांच के लिए तीन सदस्यीय समिति का गठन किया है7 इस समिति की अध्यक्षता मध्य प्रदेश भोज मुक्त विश्वविद्यालय, भोपाल के कुलपति प्रो. मिलिंद दांडेकर करेंगे। जांच पूरी होने तक नियमितीकरण संबंधी आदेश के क्रियान्वयन पर अस्थायी रोक लगा दी गई है। विश्वविद्यालय में हाल ही में 13 चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों के नियमितीकरण का आदेश जारी होने के बाद कर्मचारियों के बीच विरोध और असमंजस की स्थिति पैदा हो गई थी। नियमितीकरण प्रक्रिया में कथित प्रशासनिक विसंगतियों की शिकायतें सामने आने पर कुलगुरु प्रो. राजेश वर्मा ने कुलसचिव कार्यालय से जारी आदेश पर तत्काल प्रभाव से रोक लगाने का निर्णय लिया। इसके बाद पूरे मामले की जांच के लिए स्वतंत्र समिति

गठित की गई। गठित समिति में अध्यक्ष के रूप में प्रो. मिलिंद दांडेकर के अलावा मध्य प्रदेश हाईकोर्ट के सेवानिवृत्त न्यायमूर्ति धीरेंद्र सिंह और रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो. रविन्द्र कान्हेरे को सदस्य बनाया गया है। वहीं सहायक कुलसचिव को समिति के समक्ष आवश्यक अभिलेख और जानकारी प्रस्तुत करने की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

असमंजस की स्थिति निर्मित-विश्वविद्यालय प्रशासन के नए आदेश के अनुसार जांच पूरी होने और समिति की रिपोर्ट आने तक नियमितीकरण संबंधी पूर्व आदेश प्रभावी नहीं रहेगा। हालांकि समिति को अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करने के लिए कोई निश्चित समय-सीमा निर्धारित नहीं की गई है। इससे प्रभावित कर्मचारियों के बीच भविष्य को लेकर असमंजस की स्थिति बनी हुई है। कुलगुरु प्रो. राजेश वर्मा का कहना है कि समिति पूरे मामले की गहन और निष्पक्ष जांच करेगी। जांच रिपोर्ट में सामने आने वाले तथ्यों और संभावित विसंगतियों के परीक्षण के बाद ही नियमितीकरण के संबंध में अंतिम निर्णय लिया जाएगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि विश्वविद्यालय प्रशासन पारदर्शिता और नियमों के अनुरूप ही आगे की कार्रवाई करेगा।

कर्मचरी संगठन बनाए हुए है नजर-वहीं घटनाक्रम के बाद विश्वविद्यालय कर्मचारी संघ भी अपनी रणनीति तैयार करने में जुट गया है। सूत्रों के अनुसार कर्मचारी संगठन पूरे मामले पर नजर बनाए हुए हैं और आवश्यकता पड़ने पर आगे की कानूनी एवं संगठनात्मक कार्रवाई पर भी विचार कर रहे हैं।

प्रोफेशनल रिज्यूमे राइटिंग पर कार्यशाला आयोजित

सिहोरा (स्वतंत्र मत। शासकीय श्याम सुंदर अग्रवाल स्नातकोत्तर महाविद्यालय, सिहोरा के वाणिज्य विभाग द्वारा विद्यार्थियों की रोजगारपरक दक्षताओं के विकास के उद्देश्य से प्रोफेशनल रिज्यूमे राइटिंग विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. मनोज कुमार श्रीवास्तव के संरक्षण में आयोजित किया गया। कार्यशाला का समन्वयन वाणिज्य विभाग की सहायक प्राध्यापक सुश्री रिया अग्रवाल ने किया। कार्यशाला के मुख्य वक्ता, गोविंदराम सेकसरिया वाणिज्य एवं अर्थशास्त्र महाविद्यालय (स्वशासी) के सहायक प्राध्यापक डॉ. रामकृष्ण पटेल थे। अपने व्याख्यान में उन्होंने विद्यार्थियों को वर्तमान प्रतिस्पर्धी रोजगार परिदृश्य में एक प्रभावी एवं पेशेवर रिज्यूमे के महत्व से अवगत कराया। उन्होंने बताया कि किसी भी अभ्यर्थी का रिज्यूमे उसकी पहली पेशेवर पहचान होता है, इसलिए उसमें शैक्षणिक उपलब्धियों, कौशलों, अनुभवों, उपलब्धियों तथा व्यक्तिगत दक्षताओं का संतुलित एवं प्रभावी प्रस्तुतीकरण अत्यंत आवश्यक है। डॉ. पटेल ने विद्यार्थियों को रिज्यूमे तैयार करने के आधुनिक मानकों, सामान्य त्रुटियों तथा चयनकर्ताओं पर सकारात्मक प्रभाव डालने वाले महत्वपूर्ण बिंदुओं की विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने यह भी बताया कि बदलते रोजगार बाजार में केवल शैक्षणिक योग्यता ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि प्रभावी संप्रेषण कौशल, प्रस्तुतीकरण क्षमता तथा स्वयं को पेशेवर ढंग से अभिव्यक्त करने की योग्यता भी सफलता की महत्वपूर्ण कुंजी है।कार्यशाला का विशेष आकर्षण हैंड्स-ऑन प्रैक्टिस सत्र रहा, जिसमें डॉ. पटेल के मार्गदर्शन में विद्यार्थियों ने स्वयं अपने नमूना रिज्यूमे तैयार किए। इस व्यावहारिक अभ्यास के दौरान उन्होंने प्रत्येक विद्यार्थी को व्यक्तिगत रूप से आवश्यक सुझाव प्रदान किए तथा रिज्यूमे को उद्योग एवं संस्थानों की अपेक्षाओं के अनुरूप तैयार करने की तकनीकों से परिचित कराया। विद्यार्थियों ने इस अभ्यास में अत्यंत उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए अपने रिज्यूमे का प्रारूप तैयार किया। कार्यक्रम के सफल संचालन में वाणिज्य विभाग की सुश्री रागिनी कुशवाहा का भी उल्लेखनीय योगदान रहा।

एफआईआर के विरोध में एसपी कार्यालय में कांग्रेसियों ने किया जमकर प्रदर्शन

गेट कूदकर एसपी के केबिन तक पहुंचे, दोषी अधिकारियों पर कार्यवाही की मांग

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

मालवीय चौक पर कांग्रेस नेता आलोक मिश्रा, चिंटू चौकसे की कोतवाली टीआई के साथ हुई धक्का-मुक्की व विवाद पर दोनों नेताओं के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ली गई थी। जिसके विरोध में गुरुवार को कांग्रेस नेता, कार्यकर्ता व एनएसयूआई के छात्र एसपी आफिस का घेराव करने पहुंच गए। जहां पर कांग्रेस जनों ने जमकर नारेबाजी व प्रदर्शन किया, इस बीच कुछ कार्यकर्ता गेट कूदकर एसपी के केबिन के सामने पहुंच गए। इस दौरान फिर पुलिस के साथ कांग्रेसजनों की धक्कामुक्की हुई। मामले में शहर जिला कॉंग्रेस कमेटी जबलपुर के अध्यक्ष सौरभ नाटी शर्मा ने कहा कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में हर राजनीतिक दल के कार्यकर्ताओं व आमजन को धरना प्रदर्शन का अधिकार है।

कॉंग्रेस कमेटी के नेताओं के द्वारा मालवीय चौक पर शांतिपूर्ण प्रदर्शन किया जा रहा था। किंतु वहां उपस्थित पुलिस के कुछ अधिकारियों एवं स्टाफ द्वारा कांग्रेसजनों के साथ धक्का मुक्की और मारपीट शुरू कर दी, जिस

कारण से वहां अफरातफरी मच गई। जिसमें कॉंग्रेस अध्यक्ष कांग्रेस सौरभ नाटी शर्मा, आलोक मिश्रा सहित अनेकों लोग जमीन पर गिर गये।

उसी दरम्यान थाना प्रभारी कोतवाली मानस द्विवेदी कांग्रेस नेता आलोक मिश्रा की कॉलर पकड ली और मारो साले को गंदी गंदी मां बहन की गालियां देते हुए कहा कि मारो साले को हाथ पैर तोड डालो साले दंगा कर रहे हैं। ऐसा कर वहां आतंक पूर्वक आतंक मचाते हुए हम लोग से मारपीट करने लगे, जिसे आलोक मिश्रा ने अपने गले को छुडाते हुए उन्हें अपने गिरेवान से अलग किया। जिसमें वह उसके साथ एक कांस्टेबल ने गंदी गंदी गालियां बकते हुए देख लेने की धमकी देने लगे ।

कार्यवाही नहीं तो होगा उग्र आंदोलन

पूर्व मंत्री तरुण भनोट के पुलिस अधीक्षक से कहा कि कॉंग्रेस नेताओं के साथ मारपीट करने वाले कोतवाली थाना प्रभारी मानस द्विवेदी पुलिस निरीक्षक एवं उनके सहयोगीयों पर अपराधिक मुकदमा दायर कर वैधानिक कार्यवाही करे, और कॉंग्रेस नेताओं पर दर्ज झूठे मुक़दमे को अगर 7 दिवस में नहीं हटाया गया, तो समूची कॉंग्रेस पार्टी पुलिस प्रशासन के खिलाफ 7 दिवस पर उग्र आंदोलन करने बाध्य होगी, और उसकी पूरी जवाबदारी जिला व पुलिस प्रशासन की होगी। एनएसयूआई जिला अध्यक्ष सचिन रजक का कहना था कि प्रदर्शन के दौरान टीआई ने पहले आलोक मिश्रा को धक्का दिया, जिससे वह जमीन पर गिर गए, और फिर विवाद बढ़ा। सचिन रजक का कहना है कि जांच के बाद दोषी पुलिस अधिकारी के खिलाफ भी एफआईआर दर्ज होना चाहिए। उन्होंने चेतावनी दी है कि अगर 48 घंटे के भीतर पुलिसकर्मीयों पर कार्रवाई नहीं होती तो एसपी आफिस के साथ-साथ कोतवाली थाने का घेराव किया जाएगा।

इनकी रही उपस्थिति

इस अवसर पर कॉंग्रेस पार्टी के वरिष्ठ नेता रमेश चौधरी, पूर्व विधायक विनय सक्सेना, बाबु शंकर सोनकर, वीरेन्द्र चौबे, कदीर सोनी, आलोक मिश्रा, अभिषेक चौकसे, नेता प्रतिपक्ष अमरीश मिश्रा, सतीश तिवारी, सचिन रजक, मुकेश राठौर, मतीन अंसारी, राजेश पटेल, नरेंद्र पांधे, राजेश सोनकर, संगठन महासचिव रितेश गुप्ता, पार्षद अयोध्या तिवारी, संतोष दुबे, गुलाम हुसैन, मसूद नबी, सरबजीत सिंह रील, आरिफ बेग, प्रशांत मिश्रा, राजेश तिवारी, रुक्मिणी गोटिया, रितेश अग्रवाल, अभिषेक यादव,ताहिर अली, ब्लॉक अध्यक्ष पवन कनौजिया, आदित्य मिश्रा, आशुतोष वत्स, सिधांत जैन, मेवा लाल पटेल, अभिषेक पाठक, प्रमोद पटेल, सुबोध पहाड़िया, रंजीत सिंह ठाकुर, रवींद्र कुशवाहा,मुकेश सराफ, शिव कुमार चौबे, हुकुम चंद जैन, मोनू अग्रवाल, रिजवान कोटी, बृजेश दुबे, मनोज नामदेव, संजू ठाकुर, अमित सोनकर, अनुभा शर्मा, अखिलेश शर्मा, रज्जू सराफ, इंदु सोनकर, निशा ओझा मोनिका सिंह,जयंत मिश्रा, प्रकाश सोनी, कलीम खान, जुम्मन सेन, रवि सोनकर, राकेश श्रीवास्तव, सागर शुक्ला आदि अन्य उपस्थित रहे।

जयंती विशेष : स्वराज के प्रहरी और चेतना के नायक, तिलक और आज़ाद

लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक और चंद्रशेखर आज़ाद भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के दो ऐसे महान व्यक्तित्व थे, जिन्होंने अपने-अपने समय और परिस्थितियों के अनुसार देश की स्वतंत्रता के लिए महत्वपूर्ण योगदान दिया। एक ओर तिलक ने अपने विचारों, लेखनी और जनजागरण के माध्यम से स्वतंत्रता आंदोलन को मजबूत आधार प्रदान किया, वहीं दूसरी ओर चंद्रशेखर आज़ाद ने अपने साहस, संघर्ष और बलिदान से क्रांतिकारी आंदोलन को नई ऊर्जा दी। दोनों ही महानायकों का उद्देश्य भारत को विदेशी शासन से मुक्त कराना था।

राष्ट्रभक्ति और देशसेवा की भावना

लोकमान्य तिलक और चंद्रशेखर आज़ाद दोनों के जीवन का मुख्य उद्देश्य राष्ट्र की स्वतंत्रता था। तिलक ने अपना पूरा जीवन स्वराज की स्थापना और जनता में राष्ट्रीय चेतना जगाने के लिए समर्पित किया। वहीं आज़ाद ने मातृभूमि की स्वतंत्रता के लिए अपना जीवन बलिदान कर दिया। दोनों के लिए राष्ट्रहित व्यक्तिगत सुख-सुविधाओं से अधिक महत्वपूर्ण था।

निर्भीकता और साहस

तिलक और आज़ाद दोनों ही अपने साहस और निडर व्यक्तित्व के लिए प्रसिद्ध थे। तिलक ने अंग्रेज़ी शासन की दमनकारी नीतियों का खुले रूप से विरोध किया और जेल जाने से भी नहीं डरे। चंद्रशेखर आज़ाद ने हथियारों के बल पर अंग्रेज़ों का सामना किया और अंतिम समय तक अपने संकल्प पर अडिग रहे। दोनों ने कठिन परिस्थितियों में भी अपने विचारों और उद्देश्य से समझौता नहीं किया।

युवाओं को प्रेरणा देने में योगदान

लोकमान्य तिलक ने शिक्षा, पत्रकारिता और राष्ट्रीय आंदोलनों के माध्यम से युवाओं में देशभक्ति की भावना जागृत की। उनके विचारों ने अनेक स्वतंत्रता सेनानियों को प्रेरित किया। चंद्रशेखर आज़ाद ने अपने साहस और क्रांतिकारी गतिविधियों से युवाओं में त्याग, अनुशासन और राष्ट्रप्रेम की भावना उत्पन्न की। दोनों ही युवाओं के लिए प्रेरणा के स्रोत बने।

संघर्ष के तरीकों में अंतर

लोकमान्य तिलक ने जनजागरण, पत्रकारिता, स्वदेशी आंदोलन, बहिष्कार और राजनीतिक आंदोलनों के माध्यम से अंग्रेज़ों का विरोध किया। उनका विश्वास था कि जनता को जागरूक कर स्वतंत्रता प्राप्त की जा सकती है। इसके विपरीत, चंद्रशेखर आज़ाद ने क्रांतिकारी मार्ग अपनाया और सशस्त्र संघर्ष के माध्यम से अंग्रेज़ी शासन को चुनौती दी। दोनों के तरीके अलग थे, लेकिन लक्ष्य एक ही था भारत की स्वतंत्रता।

संगठन निर्माण और नेतृत्व क्षमता त्याग और बलिदान

दोनों महानायकों ने राष्ट्र के लिए अपना सर्वस्व समर्पित कर दिया। तिलक ने जेल की कठिन यातनाएँ सहन कीं और अपने लेखन व विचारों से देशवासियों में स्वतंत्रता की भावना जगाई। चंद्रशेखर आज़ाद ने अपने संकल्प के अनुसार अंग्रेज़ों के हाथों जीवित पकड़े जाने के बजाय मातृभूमि के लिए अपना जीवन बलिदान कर दिया।

तुलनात्मक निष्कर्ष

लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक और चंद्रशेखर आज़ाद के कार्यक्षेत्र और संघर्ष के तरीके अलग-अलग थे, लेकिन दोनों की भावना समान थी भारत को स्वतंत्र और आत्मनिर्भर बनाना। तिलक ने स्वतंत्रता आंदोलन की वैचारिक नींव को मजबूत किया, जबकि आज़ाद ने अपने साहस और बलिदान से उसे ऊर्जा प्रदान की। दोनों महानायकों का जीवन हमें सिखाता है कि राष्ट्रप्रेम, साहस और कर्तव्यनिष्ठा के साथ किया गया प्रयास सदैव इतिहास में अमर रहता है।

दुर्गेश कुमार चौरसिया
शिक्षक
हितकारिणी उ.मा. विद्यालय, देवताल, जबलपुर

क्या आप जानते हैं?

1 राज्यों में नई दिल्ली मे ई-राशन कार्ड सेवा सर्वप्रथम प्रारंभ हुयी।

2 ब्लैक पॉटरी के लिए 'जियोग्राफि कल इंडिकेशन टैग' उत्तर प्रदेश में निजामाबाद स्थान से संबंधित है।

3 विश्व आर्थिक मंच द्वारा ट्रैवल एंड टूरिज्म प्रतियोगितात्मक सूचकांक (टी.टी.सी.आई.) जारी किया जाता है।

4 मध्य प्रदेश वित्त निगम का मुख्यालय इंदौर में है।

5 संयुक्त राष्ट्र संघ के महासचिव एंटोनियो गुटेरेस हैं। वे पुर्तगाल के प्रधानमंत्री भी रह चुके हैं।

6 संयुक्त राष्ट्र संघ ने 1996 में 'परम गरीबी' की परिभाषा अंगीकृत की थी।

7 भारत में प्रतिस्पर्धा आयोग का गठन 2003 में किया गया था। वर्तमान में रवनीत कौर इसके अध्यक्ष हैं।

8 'इंडियन इकोनॉमी गांधीयन ब्लू प्रिंट' नामक पुस्तक चौधरी चरण सिंह ने लिखी है।

9 'गिल्ट-एज्ड' बाजार का संबंध सरकारी प्रतिभूतियों के बाजार से है।

10 सन 1982 में नाबार्ड (कृषि एवं ग्रामीण विकास हेतु राष्ट्रीय बैंक) की स्थापना हुई। इसका मुख्यालय मुंबई में है।

11 भारत के 'विनिवेश आयोग' के प्रथम अध्यक्ष जी. वी. रामकृष्ण थे।

12 किसानों हेतु किसान क्रेडिट कार्ड (के.सी.सी.) योजना 1998-99 में लागू की गई थी।

13 भारत में शुरू की गई 'स्वाभिमान योजना' ग्रामीण बैंकिंग से संबंधित है।

14 'स्मार्ट मनी' शब्द का प्रयोग क्रेडिट कार्ड में होता है।

15 क्रेडिट कार्ड को 'प्लास्टिक मनी' भी कहा जाता है।

ब्लैक मनीः अघोषित आय का सच और देश की अर्थव्यवस्था प्रभाव

किसी भी देश की अर्थव्यवस्था ईमानदारी से चुकाने और पारदर्शी वित्तीय व्यवस्था पर आधारित होती है। लेकिन जब कोई व्यक्ति या संस्था अपनी आय छिपाती है, उस पर कर नहीं चुकाती या अवैध गतिविधियों से धन अर्जित करती है, तो उसे काला धन कहा जाता है। काला धन केवल कर चोरी का मामला नहीं है, बल्कि यह आर्थिक असमानता, भ्रष्टाचार और विकास में बाधा का भी एक बड़ा कारण माना जाता है।

काला धन वह आय या संपत्ति है जिसे सरकार के सामने घोषित नहीं किया जाता या जिस पर नियमानुसार कर नहीं चुकाया जाता। यह धन कानूनी या अवैध दोनों प्रकार के स्रोतों से आ सकता है, लेकिन यदि उसे छिपाया जाता है या उस पर कर नहीं दिया जाता, तो वह काला धन कहलाता है।

काला धन कैसे बनता है?

1 आय या लाभ छिपाकर सरकार को कर न देना।

2 रिश्वत, कमीशन या पद का दुरुपयोग करके अवैध धन कमाना।

3 तस्करी, नकली सामान, नशीले पदार्थों या अन्य गैरकानूनी गतिविधियों से प्राप्त आय।

नकद लेन-देन छिपाना

4 बिना बिल के खरीद-बिक्री कर आय को रिकॉर्ड में न दिखाना।

5 फर्जी कंपनियां बनाकर अवैध तरीके से लेन-देन करना।

काला धन देश को कैसे प्रभावित करता है?

कर चोरी के कारण सरकार को विकास कार्यों के लिए कम धन मिलता है। इसके साथ ही अवैध धन का उपयोग रिश्वत और गैरकानूनी गतिविधियों में होता है, जिससे भ्रष्टाचार को बढ़ावा मिलता है। कुछ लोगों के पास अत्यधिक अघोषित संपत्ति जमा हो जाती है, जिससे अमीर और गरीब के बीच की खाई बढ़ती है और समाज में आर्थिक असमानता बढ़ती है। जब अर्थव्यवस्था में पारदर्शिता घटती है, तो निवेश का माहौल भी प्रभावित हो सकता है। अंत में हम कह सकते हैं कि काला धन किसी भी देश की अर्थव्यवस्था के लिए गंभीर चुनौती है। इससे सरकार की आय घटती है, भ्रष्टाचार बढ़ता है और आर्थिक विकास प्रभावित होता है। पारदर्शी वित्तीय व्यवस्था, ईमानदारी से कर भुगतान और डिजिटल लेन-देन को अपनाकर काले धन पर प्रभावी नियंत्रण पाया जा सकता है। एक जिम्मेदार नागरिक के रूप में कानून का पालन करना और वित्तीय पारदर्शिता बनाए रखना देश की आर्थिक मजबूती में महत्वपूर्ण योगदान है।

शेयर बाजारः सही जानकारी और समझदारी से निवेश

शेयर बाजार केवल बड़े निवेशकों या विशेषज्ञों के लिए ही नहीं है, बल्कि आज कोई भी सामान्य व्यक्ति छोटी राशि से भी निवेश की शुरुआत कर सकता है। पहले जहां शेयर खरीदने-बेचने की प्रक्रिया जटिल मानी जाती थी, वहीं अब मोबाइल ऐप और ऑनलाइन प्लेटफ ॉर्म ने इसे काफ ी आसान बना दिया है। हालांकि, बिना जानकारी के निवेश करना जोखिम भरा हो सकता है। इसलिए शेयर बाजार में पहला कदम उठाने से पहले इसके मूल सिद्धांतों को समझना आवश्यक है।

शेयर बाजार क्या है?

शेयर बाजार वह स्थान है, जहां विभिन्न कंपनियों के शेयर खरीदे और बेचे जाते हैं। जब आप किसी कंपनी का शेयर खरीदते हैं, तो आप उस कंपनी के छोटे हिस्से के मालिक बन जाते हैं। यदि कंपनी का प्रदर्शन अच्छा रहता है, तो शेयर का मूल्य बढ़ सकता है और निवेशक को लाभ मिल सकता है।

शेयर बाजार में निवेश क्यों करें?

- लंबी अवधि में संपत्ति बनाने का अवसर।
- महंगाई से बेहतर रिटर्न मिलने की संभावना।
- लाभांश प्राप्त हो सकता है।
- छोटी राशि से भी निवेश शुरू किया जा सकता है।
- वित्तीय लक्ष्यों को पूरा करने में मदद मिलती है।

शुरुआत कैसे करें?

- निवेश करने से पहले यह समझें कि शेयर क्या होते हैं, बाजार कैसे चलता है और जोखिम क्या हैं। बिना जानकारी के निवेश करने से बचें।
- शेयर खरीदने और रखने के लिए डीमैट अकाउंट तथा खरीद-बिक्री के लिए ट्रेडिंग अकाउंट आवश्यक होता है। आज अधिकांश बैंक और स्टॉक ब्रोकर यह सुविधा ऑनलाइन उपलब्ध कराते हैं।
- आधारकार्ड, पैनकार्ड, बैंक खाता मोबाइल नंबर के माध्यम प्रक्रिया पूरी होती है।
- ऐसा ब्रोकर चुनें जिसकी सेवाएं अच्छी हों, शुल्क उचित हो, ग्राहक सहायता बेहतर हो।
- शुरुआत में बड़ी रकम लगाने के बजाय सीमित निवेश करें। इससे अनुभव बढ़ेगा और जोखिम भी कम रहेगा।
- ऐसी कंपनियों का चयन करें जिनका वित्तीय प्रदर्शन मजबूत हो, प्रबंधन अच्छा हो और भविष्य की संभावनाएं बेहतर हों।
- एक साथ बड़ी राशि लगाने के बजाय समय-समय पर निवेश करना अधिक संतुलित रणनीति हो सकती है।

निवेश से पहले किन बातों का ध्यान रखें?

- केवल दूसरों की सलाह पर निवेश न करें।
- अफ वाहों और सोशल मीडिया के सुझावों पर आंख बंद करके भरोसा न करें।
- किसी एक कंपनी में पूरी पूंजी न लगाएं।
- निवेश से पहले कंपनी की जानकारी अवश्य पढ़ें।
- धैर्य रखें और बाजार के उतार-चढ़ाव से घबराएं नहीं।

क्या शेयर बाजार में जोखिम होता है?

हाँ। शेयर बाजार में लाभ की संभावना के साथ जोखिम भी जुड़ा होता है। शेयरों के दाम आर्थिक परिस्थितियों, कंपनी के प्रदर्शन और बाजार की भावनाओं के अनुसार बढ़ते-घटते रहते हैं। इसलिए निवेश हमेशा अपनी आर्थिक क्षमता और जोखिम सहने की क्षमता को ध्यान में रखकर करना चाहिए।

शब्द पहेली - 8930

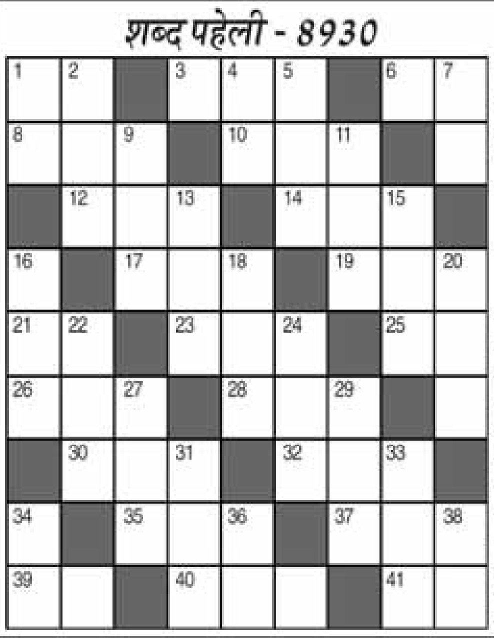

बाएँ से दाएँ

1. अधिकार-2
3. समुद्र, दरिया-3
6. आनंद, रस-2
8. दबाना, कुचलना-3
10. गुंडा, बदमाश-3
12. पासों से भविष्य जानना-3
14. नाप जोख करना-3
17. जलजला-3
19. असफल-3
21. मगन, रत-2
23. व्यक्ति, जीव-3
25. सम्राट, नरेश-2
26. कार्य करने वाला-3
28. उपनदी, कैनाल-3
30. मां का प्रेम-3
32. पढ़ना, अध्ययन-3
35. पक्षाघात, फालिज-3
37. सेनापति-3
39. दूल्हा, वरदान-2
40. पक्ष, एक ओर-3
41. भीगा हुआ

ऊपर से नीचे

1. सीमा, सरहद-2
2. कटि, मध्यांग-3
4. दुख, कष्ट-2
5. गमन, विदा होना-3
7. शराब का प्याला-2
9. एक नमकीन लवण-3
11. आलेप करना-3
13. बोलने का तरीका-3
15. अयोग्य, बेकार-3
16. तहजीब, तमीज-3
18. रत्न, बहुमूल्य नग-3
20. व्यंग, परिहास-3
22. मुलायम, नाजुक-3
24. कॉफी-3
27. पंकज, नीरज, जलज-3
29. निर्माण-3
31. बल, दम, जोर-3
33. नेत्र, आंख-3
34. नौका-2
36. घात, प्रहार-2
38. जरा, थोड़ा-2

शब्द पहेली -8929 का हल

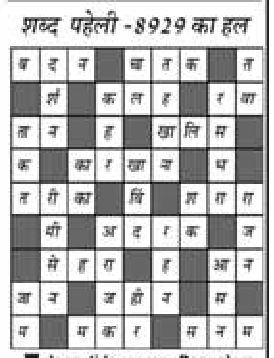

Jagrutidaur.com, Bangalore

मोहगांव खुर्द और खारा की गैस एजेंसी में पायी गई स्टॉक की गड़बड़ी

संचालकों के विरुद्ध आवश्यक वस्तु अधिनियम के तहत प्रकरण दर्ज

बालाघाट (स्वतंत्रमत)। कलेक्टर मृणाल मीना के निर्देश एवं जिला आपूर्ति अधिकारी एस. के. भलावी के मार्गदर्शन में जिले में गैस एजेंसियों की जांच अभियान लगातार जारी है। इसी क्रम में वकासखंड किरनापुर के ग्राम खारा स्थित पारधी भारत गैस ग्रामीण वितरक एजेंसी का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान एजेंसी के गैस स्टॉक में गंभीर अनियमितताएं सामने आईं। जांच में 14.2 किलोग्राम के घरेलू गैस सिलेंडरों में 47 खाली सिलेंडर अधिक तथा 37 भरे सिलेंडर कम पाए गए। वहीं 5 किलोग्राम के घरेलू गैस सिलेंडरों में 3 खाली सिलेंडर अधिक और 5 भरे सिलेंडर कम मिले। इसके अलावा 5 किलोग्राम के व्यावसायिक गैस सिलेंडरों में 3 खाली सिलेंडर कम तथा 3 भरे सिलेंडर अधिक पाए गए। जांच के समय एजेंसी के प्रोपराइटर महेश कुमार पारधी मौके पर अनुपस्थित थे। उन्हें दूरभाष के माध्यम से सूचना देने के बावजूद वे जांच स्थल पर नहीं पहुंचे।

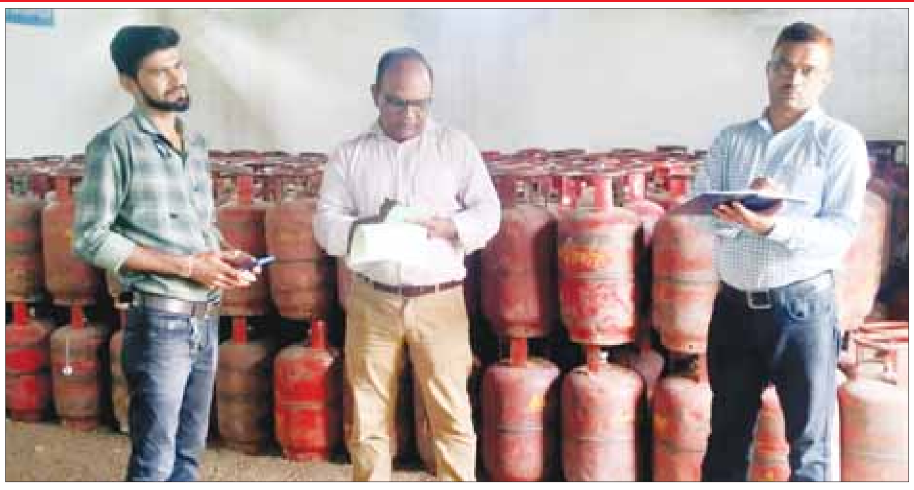

इसके बाद एजेंसी प्रबंधक, ऑपरेटर एवं कर्मचारी अरुण ठाकरे की उपस्थिति में संपूर्ण जांच कार्रवाई की गई। प्रथम दृष्टया गैस वितरण एवं प्रदाय में अनियमितता तथा गैस स्टॉक के रखरखाव एवं संधारण में गंभीर लापरवाही पाए जाने पर इसे द्रवीकृत पेट्रोलियम गैस (प्रदाय एवं वितरण विनियमन) आदेश, 2000 का उल्लंघन तथा आवश्यक वस्तु अधिनियम, 1955 की धारा 3/7 के अंतर्गत दंडनीय अपराध माना गया। जांच दल ने मौके पर ही नियमानुसार कार्रवाई करते हुए एजेंसी के प्रोपराइटर एवं संबंधित कर्मचारी के विरुद्ध प्रकरण पंजीबद्ध कर आगे की वैधानिक कार्रवाई प्रारंभ कर दी है।

इसी तरह किरनापुर के ग्राम मोहगांव खुर्द स्थित इंडेन ग्रामीण गैस वितरक एजेंसी पर जांच की गई। जांच में गैस सिलेंडरों के स्टॉक में भारी गड़बड़ी और अन्य अनियमितताएं मिलने पर एजेंसी संचालक के विरुद्ध आवश्यक वस्तु अधिनियम के तहत प्रकरण दर्ज किया गया।

यहां भी जांच के दौरान 14.2 किलोग्राम के घरेलू गैस सिलेंडरों के स्टॉक में गंभीर अंतर पाया गया। 68 खाली सिलेंडर अधिक तथा 55 भरे सिलेंडर कम मिले। इसी प्रकार 5 किलोग्राम के घरेलू सिलेंडरों में 29 खाली एवं 34 भरे सिलेंडर कम पाए गए। 19 किलोग्राम के व्यावसायिक सिलेंडरों में 30 खाली सिलेंडर कम तथा 23 भरे सिलेंडर अधिक मिले। इसके अलावा 5 किलोग्राम के एफटीएल गैस सिलेंडर पांच कम तथा 10 किलोग्राम एक्स्ट्रालाइट के दो खाली सिलेंडर अधिक पाए गए। जांच के दौरान यह भी पाया गया कि एजेंसी संचालक द्वारा राइस मिल परिसर से लगी दुकान के एक कक्ष में गोदाम के अतिरिक्त अनधिकृत स्थान पर 14.2 किलोग्राम के 83 भरे एवं 19 खाली घरेलू गैस सिलेंडर तथा 5 किलोग्राम के पांच खाली सिलेंडरों का भंडारण किया गया था।

इस संबंध में इंडेन गैस एजेंसी के प्रोपराइटर श्री गुलाबचंद पारधी तथा मौके पर उपस्थित उनके भाई सालिगराम पारधी के विरुद्ध नियमानुसार प्रकरण पंजीबद्ध कर आगे की वैधानिक कार्रवाई प्रारंभ कर दी गई।

जनपद पंचायत लांजी में रोजगार मेले का आयोजन

132 युवाओं ने कराया पंजीयन, 75 का हुआ चयन

बालाघाट (स्वतंत्रमत)। जनपद पंचायत लांजी के आजीविका कार्यालय सभागार में गुरुवार 23 जुलाई को रोजगार मेले का आयोजन किया गया। मेले में कैप्सटन सर्विस लिमिटेड, हैदराबाद के प्रतिनिधि शैलेन्द्र हरिंद्रवार एवं के.डी. सोनकिया ने उपस्थित बेरोजगार युवक-युवतियों को कंपनी की चयन प्रक्रिया, वेतन, अवकाश एवं अन्य सुविधाओं के संबंध में विस्तार से जानकारी दी। रोजगार मेले के आयोजन से पूर्व ग्रामीण आजीविका मिशन के कर्मचारियों द्वारा समस्त ग्रामों में गठित स्व-सहायता समूहों, ग्राम संगठनों एवं संकुल स्तरीय संगठनों के माध्यम से युवक-

युवतियों तथा उनके परिजनों को रोजगार मेले की सूचना देकर अधिक से अधिक सहभागिता सुनिश्चित की गई। रोजगार मेले में कुल 132 युवक-युवतियों ने पंजीयन कराया, जिनमें से 75 अभ्यर्थियों का चयन किया गया। चयनित युवाओं ने रोजगार का अवसर मिलने पर प्रसन्नता व्यक्त की। यह आयोजन जिला परियोजना प्रबंधक स्वाति महतो के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। कार्यक्रम के सफल संचालन में ग्रामीण आजीविका मिशन, जनपद पंचायत लांजी से सुनीता चन्ने एवं अतीत फुलमारी की महत्वपूर्ण भूमिका रही। कार्यक्रम में ग्रामीण आजीविका मिशन कार्यालय से होलेस पांचे एवं कुशन मटाले, निर्भया संकुल स्तरीय संगठन से कार्यालय सहयोगी रविता साबले, कविता कुचलाहे, निशा उईके एवं मनीषा बागड़े तथा प्रदान संस्था से निकुंज हनवत सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

बालाघाट-चिकलाजोड़ी मार्ग पर गिरा विशाल पेड़

बालाघाट। लगातार हो रही बारिश के चलते 23 जुलाई की सुबह बालाघाट चिखलाझोड़ी मार्ग पर जंगल क्षेत्र में एक विशाल पेड़ सड़क पर गिर गया, जिससे दोनों ओर वाहनों की आवाजाही पूरी तरह बाधित हो गई। सड़क बंद होने से राहगीरों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। घटना की सूचना राहगीरों द्वारा तत्काल रूपझर थाना प्रभारी कामेश धूमकेती को दी गई। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। स्थानीय ग्रामीणों के सहयोग से डालियों को काटकर सड़क से हटाया गया।

सरेखा-कोसमी में स्वास्थ्य एवं रक्तदान शिविर आयोजित, 30 यूनिट रक्त संग्रहित

140 से अधिक लोगों का निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण, मरीजों को बांटी गईं दवाएं

बालाघाट (स्वतंत्रमत)। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. परेश उपलव के मार्गदर्शन तथा सिविल सर्जन सह मुख्य अस्पताल अधीक्षक डॉ. नीलय जैन एवं अर्बन नोडल अधिकारी डॉ. पंकज महाजन के निर्देशन में सरेखा-कोसमी में स्वास्थ्य शिविर सह रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में बड़ी संख्या में नागरिकों ने स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठाया और रक्तदान कर सामाजिक दायित्व का परिचय दिया। शिविर की सबसे बड़ी उपलब्धि 30 यूनिट रक्त संग्रह रही। 30 निस्वार्थ स्वयंसेवकों ने स्वेच्छा से रक्तदान कर मानव सेवा की मिसाल पेश की। करीब 140

हितग्राहियों एवं बच्चों का निशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. परेश उपलव ने बताया कि शिविर में संचारी एवं गैर-संचारी रोगों, सामान्य मौसमी बीमारियों तथा कान, नाक एवं गला संबंधी समस्याओं की विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा जांच की गई। बच्चों का विशेष स्वास्थ्य परीक्षण कर उन्हें आवश्यक चिकित्सकीय परामर्श प्रदान किया गया। शिविर में जांच के उपरांत सभी जरूरतमंद मरीजों को आवश्यक दवाएं निशुल्क वितरित की गईं। स्वास्थ्य विभाग ने लोगों से नियमित स्वास्थ्य जांच कराने और स्वैच्छिक रक्तदान के लिए आगे आने की अपील करते हुए कहा कि रक्तदान किसी भी जरूरतमंद मरीज के लिए जीवनदान साबित हो सकता है। स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों ने बताया कि ऐसे शिविरों का उद्देश्य लोगों तक बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाना, समय पर बीमारियों की पहचान करना तथा रक्त की उपलब्धता सुनिश्चित करना है, जिससे जरूरतमंद मरीजों को समय पर उपचार मिल सके।

कलेक्टर ने स्वास्थ्य, महिला एवं बाल विकास तथा आयुष विभाग की योजनाओं की समीक्षा की

कुपोषण, मातृ-शिशु स्वास्थ्य, टीबी, सिकल सेल एवं मलेरिया नियंत्रण पर दिए सख्त निर्देश

बालाघाट (स्वतंत्रमत)।

कलेक्टर मृणाल मीना ने स्वास्थ्य विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग तथा आयुष विभाग के अधिकारियों की संयुक्त समीक्षा बैठक लेकर विभागीय योजनाओं एवं कार्यक्रमों की प्रगति का विस्तृत जायजा लिया। बैठक की शुरूआत महिला एवं बाल विकास विभाग की योजनाओं की समीक्षा से हुई। कलेक्टर ने आंगनवाड़ी केंद्रों में बच्चों का नियमित रूप से वजन एवं ऊंचाई मापकर उसकी पोर्टल पर अनिवार्य रूप से प्रविष्टि करने के निर्देश दिए। उन्होंने बाल विकास परियोजना अधिकारियों एवं आंगनवाड़ी

पर्यवेक्षकों को इस कार्य की रैंडम जांच करने तथा लापरवाही पाए जाने पर संबंधित आंगनवाड़ी कार्यकर्ता एवं पर्यवेक्षक के विरुद्ध कार्रवाई प्रस्तावित करने के निर्देश दिए।

कलेक्टर मीना ने कुपोषित बच्चों को समय पर आवश्यक दवाओं का वितरण सुनिश्चित करने तथा गंभीर रूप से कुपोषित बच्चों को पोषण पुनर्वास केंद्र (एनआरसी) में भर्ती कराने के निर्देश दिए। उन्होंने खंड चिकित्सा अधिकारियों से कहा कि एनआरसी में भर्ती बच्चों के अभिभावकों को शासन द्वारा निर्धारित मजदूरी क्षतिपूर्ति राशि का समय पर भुगतान सुनिश्चित किया जाए। कुपोषित बच्चों की पहचान में संतोषजनक कार्य नहीं मिलने पर लालबर्रा, बैहर, वारासिवनी, खैरलांजी, लांजी एवं बिरसा के बाल विकास परियोजना अधिकारियों को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश भी दिए गए।

स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा के दौरान कलेक्टर ने गर्भवती महिलाओं का समय पर अनमोल पोर्टल पर पंजीयन एवं उनकी चार अनिवार्य एएनसी जांच सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने महिला एवं बाल विकास विभाग तथा स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को समन्वय के साथ कार्य करने तथा आशा कार्यकताओं द्वारा गर्भवती महिलाओं के नियमित संपर्क एवं भ्रमण का सत्यापन कराने के निर्देश दिए। साथ ही एएनएम एवं सीएचओ को उच्च रक्तचाप, मधुमेह एवं अन्य गैर-संचारी रोगों के मरीजों की पहचान कर उनका समय पर उपचार सुनिश्चित करने को कहा।

खाद्य सुरक्षा अधिकारी द्वारा डेयरी से लिये दूध के सेम्पल

उमरिया (स्वतंत्रमत)- वर्षा ऋतु के दौरान उच्च जोखिम युक्त खाद्य पदार्थों के नमूना संग्रहण एवं खाद्य प्रतिष्ठानों पर विशेष निगरानी रखने के संबंध में नियंत्रक खाद्य एवं औषधि प्रशासन भोपाल द्वारा समस्त कलेक्टर को पत्र जारी किया गया था जिसमे उल्लेख हैं कि वर्षा ऋतु के दौरान तापमान एवं आद्रता में वृद्धि के कारण खाद्य पदार्थों में सूक्ष्मजीवों की वृद्धि खाद्य संदूषण तथा खाद्य जनित रोगों की संभावना बढ जाती है। इसके लिये आवश्यक है कि खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006, नियम 2011 का कड़ाई से पालन हो। इसे ध्यान में रखते हुए आप अपने अधीनस्य खाद्य सुरक्षा अधिकारियों को निर्देशित करें, कि वे खाद्य पदार्थों में मिलावट की रोकथाम हेतु उच्च जोखिम युक्त खाद्य पदार्थों एवं प्रतिष्ठानों का सघन अभियान किचलाकर अधिक से अधिक निरीक्षण कर मिलावट की शंका होने पर दूध एवं दूध से बने खाद्य पदार्थ, मावा, मिठाईयां, विभिन्न कटे हुए फल, फलो का जूस, हरी पत्तेदार सब्जियां एवं सलाद, ब्रेकरी एवं क्रीम युक्त उत्पाद, स्ट्रीट फूड, मास, मछली एवं पोल्ट्री उत्पाद के नमूने लेने एवं आवश्यक हो तो नियनानुवार संबंधित खाद्य पदार्थ को जब्त करने की कार्यवाही करें। जिस पर गुरुवार दिनांक 23 जुलाई को उमरिया कलेक्टर राखी सहाय के निर्देशानुसार खाद्य सुरक्षा अधिकारी मंजू वर्मा ने फूड विभाग की टीम के

द्वारा मां शारदा चीलिंग एवं दूध कलेक्शन सेंटर का निरीक्षण किया गया जिसमें दूध का सैंपल लिया गया तथा साफ सफाई करने हेतु निर्देर्शित किया गया।हाल ही में महाराष्ट्र के खाद्य एवं औषधि प्रशासन (एफडीए) ने सिंथेटिक (नकली) दूध बनाने वाले एक बड़े रैकेट का भंडाफोड़ किया है। इस खुलासे के बाद पूरे राज्य में हड़कंप मच गया हैं। जांच एजेंसियों को अंदेशा है कि पिछले छह महीनों में 2.3 करोड़ लीटर मिलावटी दूध महाराष्ट्र के बाजारों में सप्लाई किया गया हैं।खतरनाक सामग्री का इस्तेमालरू नकली दूध बनाने के लिए घटिया मिल्क पाउडर, डिटर्जेंट, शैम्पू, और पाम ऑयल (ताड़ का तेल) जैसे हानिकारक रसायनों का इस्तेमाल किया जा रहा था। स्वास्थ्य के लिए खतरारू चिकित्सा विशेषज्ञों के अनुसार, इस तरह के केमिकल युक्त दूध का लगातार सेवन लिवर, किडनी और पाचन तंत्र को गंभीर नुकसान पहुँचा सकता है, जिससे बच्चों और बुजुर्गों को सबसे ज्यादा खतरा है।खाद्य सुरक्षा अधिकारी मंजू वर्मा ने बताया कि सिंथेटिक दूध स्वास्थ्य के लिए बहुत ही हानिकारक होता है जिसे रोकने के लिए खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम हर डेयरी और फर्मो में दस्तक दे रही है और जिले में अमानक दूध न बिके इसके लिए टीम लगातार सेम्पल ले रही हैं।

आजाद प्रेरणा पर्व के तहत युवा मोर्चा ने किये कार्यक्रम

उमरिया (स्वतंत्रमत)। अमर शहीद पंडित चंद्रशेखर आजाद जी की 120वीं जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित आजाद प्रेरणा पर्व के अंतर्गत आज भारतीय जनता युवा मोर्चा के जिलाध्यक्ष अमित सिंह के नेतृत्व में कॉलरी स्कूल परिसर में एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसके अलावा युवा मोर्चा के कार्यकर्ताओं ने फॉरेस्ट ऑफिस के बगल में स्थित शहीद स्मारक में स्वच्छता अभियान चलाया, जबकि शाम को स्थानीय जय स्तंभ में दीप प्रज्वलन का कार्यक्रम किया गया है। इस दौरान कार्यकर्ताओं पीएम नरेंद्र मोदी के विकसित भारत संकल्प की शपथ भी ली है। युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष अमित सिंह ने बताया कि भाजपा प्रदेश नेतृत्व के निर्देशानुसार आजाद प्रेरणा पर्व मनाया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य युवा पीढ़ी को राष्ट्रभक्ति बलिदान और स्वाभिमान के आदर्शो से जोड़ते हुए पंडित चंद्रशेखर आजाद जी के जीवन विचारों एवं योगदान

को जन जन तक पहुंचना है। इस अवसर पर मुख्य रूप से भाजपा जिला उपाध्यक्ष सुमित गौतम, वरिष्ठ भाजपा नेता ज्ञानेंद्र सिंह, कॉलरी स्कूल के प्राचार्य सुभाष जायसवाल, नगर भाजपा के सुजीत सिंह, राकेश दर्दवंशी, जीतू बारी, मनीष सिंह, विपिन सिंह, नीलेन्द्र शुक्ला, नीरज अग्रवाल, आयुष पाठक, आयुष अवस्थी, अतुल रजक, अंकित अग्रवाल, जय सोनी सहित भारतीय जनता युवा मोर्चा नगर मंडल के समस्त पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता बंधु उपस्थित रहे।

बारिश में हाथियों ने संभाली कमान प्रशिक्षित हाथी कर रहे गश्त

उमरिया (स्वतंत्रमत). बारिश के मौसम में बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व की सुरक्षा व्यवस्था पूरी तरह प्रशिक्षित हाथियों के भरोसे है। लगातार बारिश से जंगल के कच्चे रास्ते क्षतिग्रस्त हो गए हैं और कई क्षेत्रों तक वाहन या पैदल पहुंचना मुश्किल हो गया है। ऐसे में छह प्रशिक्षित हाथी दुर्गम इलाकों में गश्त कर वन्यजीवों की सुरक्षा की जिम्मेदारी संभाल रहे हैं।बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व में मानसून गश्त के लिए छह प्रशिक्षित हाथियों का उपयोग किया जा रहा है। ये हाथी उन क्षेत्रों तक पहुंचते हैं, जहां वाहन या पैदल जाना संभव नहीं है। हाथियों की मदद से वनकर्मी नियमित गश्त, वन्यजीवों की निगरानी और संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रख रहे हैं। लगातार बारिश के कारण जंगल के रास्तों में कटाव, दलदली जमीन और उफनते नदी-नालों से गश्त का कार्य काफी कठिन हो गया है। इसके बावजूद हाथियों की सहायता से पूरे टाइगर रिजर्व में निगरानी और सुरक्षा व्यवस्था लगातार जारी है।मानसून के दौरान हाथी केवल गश्त ही नहीं, बल्कि वन्यजीवों के रेस्क्यू अभियान में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। दुर्गम इलाकों में पहुंचकर वनकर्मियों को सुरक्षित तरीके से काम करने में हाथियों की मदद मिल रही है।

बीईओ सरिता जैन के भ्रष्टाचार और अनियमितताओं पर एबीवीपी का कड़ा रुख..!

तत्काल पदमुक्ति व निष्पक्ष जांच न होने पर उग्र आंदोलन की चेतावनी

उमरिया (स्वतंत्रमत) - अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी), उमरिया एवं शहडोल इकाई, पाली विकासखंड की शिक्षा व्यवस्था में पनप रहे भ्रष्टाचार और प्रशासनिक शिथिलता को लेकर गहरी चिंता और तीव्र आक्रोश व्यक्त करती है। विकासखंड शिक्षा अधिकारी (बीईओ) श्रीमती सरिता जैन के विरुद्ध सामने आए भ्रष्टाचार, गरीब व मेधावी छात्र-छात्राओं की छात्रवृत्ति वितरण में की गई घोर अनियमितताओं और सूचना के अधिकार (त्ज्प्) के अंतर्गत जानबूझकर भ्रामक एवं तथ्यहीन जानकारी परोसने के गंभीर आरोपों ने समूचे शिक्षा विभाग की कार्यप्रणाली पर एक बड़ा प्रश्नचिह्न लगा दिया है।

यह अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण और खेदजनक है कि इन गंभीर आरोपों के दृष्टिगत उच्च स्तर से जांच के आदेश तो जारी कर दिए गए हैं, परंतु धरातल पर अब तक किसी भी प्रकार की ठोस दंडात्मक या प्रशासनिक कार्रवाई का पूर्णतः अभाव है। जांच के आदेशों के बावजूद एक दागी अधिकारी का निरंतर अपने पद पर बने रहना न केवल प्रशासनिक व्यवस्था की लापरवाही को उजागर करता है, बल्कि निष्पक्ष जांच की प्रक्रिया को भी संदेहास्पद बनाता है।

साक्ष्यों से छेड़छाड़ की आशंका और अभिभावकों की चिंता

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद का स्पष्ट मानना है कि जब तक संबंधित अधिकारी अपने पद और प्रभाव में बनी रहती हैं, तब तक कार्यालयीन अभिलेखों, महत्वपूर्ण रिकॉर्ड्स और गवाहों के साथ छेड़छाड़ की पूरी संभावना विद्यमान है। ऐसी स्थिति में संभागीय जांच दल द्वारा की जा रही जांच की निष्पक्षता और पारदर्शिता पर भी आंच आना स्वाभाविक है। प्रशासन के इस लचर रवैये के कारण स्थानीय अभिभावकों और छात्र-छात्राओं के मन में भारी असुरक्षा और भय का वातावरण निर्मित हो गया है। अभिभावक इस बात को लेकर आशंकित हैं कि भ्रष्टाचार के इस तंत्र में विद्यालयों का शैक्षिक माहौल दूषित हो रहा है, जिसका सीधा और नकारात्मक प्रभाव विद्यार्थियों के भविष्य पर पड़ेगा।

एबीवीपी की प्रमुख मांगें

तत्काल प्रभाव से निलंबन.....जांच को पारदर्शी और निष्पक्ष बनाए रखने के लिए यह नितांत आवश्यक है कि

बीईओ श्रीमती सरिता जैन को अविलंब उनके पद से कार्यमुक्त (निलंबित) किया जाए या किसी अन्यत्र स्थान पर संलग्न किया जाए।समयबद्ध और पारदर्शी जांच.... संभागीय जांच दल बिना किसी राजनीतिक या प्रशासनिक दबाव के, एक निश्चित समय-सीमा के भीतर अपनी जांच पूरी करे और रिपोर्ट को सार्वजनिक किया जाए।

छात्रवृत्ति की रिकवरी और वितरण... जिन विद्यार्थियों के हकों पर डाका डाला गया है, उनके मामलों का त्वरित निराकरण करते हुए शत-प्रतिशत छात्रवृत्ति वितरण सुनिश्चित किया जाए।

आंदोलन की अंतिम चेतावनी

विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) छात्र हितों की रक्षा के लिए सदैव कटिबद्ध है। विद्यार्थियों का हित, उनका अधिकार और उनकी सुरक्षा हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। हम स्थानीय प्रशासन और शिक्षा विभाग के उच्चाधिकारियों को स्पष्ट शब्दों में चेतावनी देते हैं कि यदि उपरोक्त मांगों पर शीघ्र ही सकारात्मक और निष्पक्ष दंडात्मक कार्रवाई नहीं की गई, तो अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद छात्रहित में सड़कों पर उतरकर एक वृहद, उग्र और लोकतांत्रिक आंदोलन करने के लिए विवश होगी। इस दौरान उत्पन्न होने वाली किसी भी प्रकार की कानून-व्यवस्था की स्थिति और प्रशासनिक अस्थिरता की संपूर्ण जिम्मेदारी सीधे तौर पर संबंधित प्रशासनिक अधिकारियों और जिला प्रशासन की होगी।

मीडिया मीट में बोले कलेक्टर- प्रशासन की फीडबैक मैकेनिज्म पर कमियां बताकर बेहतर सेवाएं बनाने में पत्रकारों की बड़ी भूमिका

मण्डला(स्वतंत्रमत)।

गुरूवार को जिला योजना भवन में आयोजित मीडिया मीट में कलेक्टर ने आगामी योजना और चल रहे कामों पर पत्रकारों से संवाद किया। मीट में जिला सहायक जनसम्पर्क अधिकारी सुश्री अवंतिका श्रीवास्तव ने आयोजित मीडिया मीट के विषय पर विस्तार से बताया। वहीं कलेक्टर ने कहा कि मीडिया लोकतंत्र का चौथा स्तंभ होने के साथ-साथ प्रशासन के लिए एक सशक्त फीडबैक मैकेनिज्म भी है। मीडिया द्वारा उठाए गए मुद्दे और सुझाव शासन की सेवाओं को और अधिक पारदर्शी व जनोन्मुखी बनाने में सहायक होते हैं। गुरुवार को जिला योजना भवन में आयोजित प्रेस मीट में मीडिया प्रतिनिधियों से चर्चा करते हुए कलेक्टर ने कहा कि हमें यह नहीं मान लेना चाहिए कि सभी सेवाएं पूरी तरह से सही चल रही हैं। सुधार की गुंजाइश हमेशा रहती है। मीडिया हमें जमीनी स्तर की कमियों से अवगत कराती है जिससे हम उनमें सुधार कर आमजन को बेहतर सुविधाएं दे पाते हैं।

नगर के लिए बना रोडमैप

कलेक्टर ने नगर के सौंदर्यीकरण और सुनियोजित विकास के लिए तैयार किए गए रोडमैप की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि शहर को व्यवस्थित और सुंदर बनाने के लिए बस स्टैंड, कृषि उपज मण्डी, जिला जेल और मछली-मांस बाजार को चरणबद्ध तरीके से नगर की सीमा से बाहर शिफ्ट किया जाएगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह कार्य एक दिन में संभव नहीं है लेकिन आने वाले वर्षों में यह योजना मूर्त रूप लेगी। इसके साथ ही नवीन कलेक्ट्रेट भवन के निर्माण के लिए टेंडर प्रक्रिया पूर्ण हो चुकी है और कार्य शीघ्र प्रारंभ किया जाएगा। निर्माणाधीन मेडिकल कॉलेज के पास एक आधुनिक स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स और जिला जेल की भूमि पर सुविधायुक्त ऑडिटोरियम बनाने की मंशा से भी कार्य किया जा रहा है। कलेक्टर ने कहा कि जेल परिसर के खाली हिस्से और जल संसाधन विश्राम गृह के पास स्ट्रीट वेंडर्स के लिए व्यवस्थित और सुरक्षित स्थान चिन्हित किए जाएंगे। शहर के भीतर सड़कों को चौड़ा करने और अतिक्रमण मुक्त करने को प्रशासन की प्राथमिकता बताया।

त्वरित कार्यवाही का आश्वासन

प्रेस मीट में मीडिया प्रतिनिधियों ने शहर की विभिन्न समस्याओं से अवगत कराते हुए अपने सुझाव रखे। कलेक्टर ने सभी बिंदुओं पर गंभीरता से चर्चा की। 108 एम्बुलेंस सेवा में आ रही दिक्कतों पर उन्होंने कहा कि प्रशासनिक स्तर पर इसका ऑडिट किया जा रहा है और 15 अगस्त तक सेवा व्यवस्था को पूरी तरह दुरुस्त कर लिया जाएगा। नालों-नालियों पर अतिक्रमण के संबंध में उन्होंने कहा कि जब भी प्राकृतिक जल निकासी को अवरुद्ध किया जाता है तो जलभराव की स्थिति बनती है। ऐसे अतिक्रमणों को हटाने के लिए अभियान चलाया जाएगा। बैठक में कलेक्टर ने जिला प्रशासन द्वारा चलाए जा रहे प्रोजेक्ट संकल्प और एनीमिया मुक्त मण्डला अभियान की विस्तृत जानकारी दी और मीडिया से इस जनहितैषी अभियान में सहयोग करने का आह्वान किया। इस अवसर पर सहायक कलेक्टर शैलेंद्र चौधरी, सहायक जनसंपर्क अधिकारी सुश्री अवंतिका श्रीवास्तव सहित जिले के मीडियाकर्मी उपस्थित रहे।

सोशल मीडिया क्रिएटर्स से चर्चा

कलेक्टर ने कहा कि आज का युग सोशल मीडिया का है और युवा वर्ग सोशल मीडिया पर सबसे अधिक सक्रिय रहता है। जिले में विभिन्न पृष्ठभूमि से जुड़े बड़ी संख्या में क्रिएटर्स अलग-अलग विषयों पर कंटेंट तैयार कर रहे हैं यह जिले के लिए गर्व की बात है। जिला योजना भवन में सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर्स के साथ संवाद के दौरान कलेक्टर ने कहा कि इंफ्लुएंसर्स का ऑडियंस मुख्य रूप से युवा वर्ग है। ऐसे में शासकीय योजनाओं और अभियानों को जन-जन तक पहुंचाने में आपका सहयोग अत्यंत महत्वपूर्ण है।

अभियानों की दी जानकारी

संवाद में कलेक्टर ने जिला प्रशासन द्वारा संचालित प्रमुख अभियानों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि प्रोजेक्ट संकल्प जिले के विद्यार्थियों को जेईई, नीट सहित विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए तैयार करने का अभियान है। इससे जिले के मेधावी छात्र-छात्राएं आगे बढ़कर जिले का नाम रोशन करेंगे। एनीमिया मुक्त मण्डला अभियान के बारे में उन्होंने कहा कि यह किशोरी बालिकाओं को एनीमिया मुक्त कर उन्हें भविष्य में सुरक्षित मातृत्व के लिए तैयार करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है।

किसानों की बढ़ेगी आय

कृषि और उद्यानिकी के क्षेत्र में जिला प्रशासन छोटी जोत वाले किसानों की आय बढ़ाने के लिए कार्य कर रहा है। इसके अंतर्गत बिछिया और मवई विकासखंड के 6500 परिवारों को मशरूम उत्पादन से जोड़ा गया है। इसी तरह इस वर्ष काली तुलसी अश्वगंधा और मुनगा जैसी औषधीय फसलों के लिए 22,500 किसानों को प्रेरित किया गया है जिससे उन्हें अतिरिक्त आय होगी और पलायन में कमी आएगी। बैठक में पर्यटन शिक्षा स्वास्थ्य उद्यानिकी एवं खेल से जुड़े विषयों पर भी विस्तार से चर्चा की गई।

क्रिएटर्स ने दिए सुझाव

जिले भर से आए सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर्स ने अपना परिचय दिया और विभिन्न विषयों पर रचनात्मक सुझाव रखे। कलेक्टर ने सभी सुझावों की सराहना करते हुए कहा कि आपके सुझाव प्रशासन के लिए महत्वपूर्ण हैं। आप समय-समय पर हमें फीडबैक देते रहें और शासकीय अभियानों को सफल बनाने में प्रशासन का सहयोग करें।

मतोना से निपटने वैज्ञानिक अनुसंधान

मण्डला(स्वतंत्रमत)। कोदो मिलेट में होने वाली मतोना की समस्या के कारणों की वैज्ञानिक जांच एवं उसके स्थायी समाधान विकसित करने के उद्देश्य से नर्मदा एफपीओ हैदराबाद रिलायंस फाउंडेशन तथा आईसीएआर नई दिल्ली के संयुक्त सहयोग से मंडला जिले के किसानों के साथ शोध परीक्षण प्रारंभ किया गया है। इस अनुसंधान के अंतर्गत नर्मदा एफपीओ द्वारा ग्राम कुटेली दोनी भैंसवाही एवं कोको में शोध प्लॉट स्थापित किए जा रहे हैं। इन प्लॉटों में कोदो की बुवाई से लेकर फसल की कटाई भंडारण तथा मतोना के परीक्षण तक प्रत्येक चरण का वैज्ञानिक अध्ययन किया जाएगा इसका उद्देश्य यह पता लगाना है कि कोदो में मतोना आने के प्रमुख कारण क्या हैं तथा इसके प्रभावी नियंत्रण एवं रोकथाम के लिए वैज्ञानिक तकनीकों का विकास किया जा सके यह संपूर्ण अनुसंधान कार्य रिलायंस फाउंडेशन आईसीएआर एवं एनसीसीआई के कृषि वैज्ञानिकों एवं विशेषज्ञों के तकनीकी मार्गदर्शन में संचालित किया जा रहा है शोध प्लॉटों में कोदो की बुवाई आईसीएआर नई दिल्ली के वैज्ञानिक डॉ. मनोज चौधरी, रिलायंस फाउंडेशन के मेहमूद खान तथा नर्मदा एफपीओ के संचालक मंडल एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्रीचंद धुर्वे की उपस्थिति एवं देखरेख में संपन्न की गई।

संस्कार बने बिछिया एसडीएम

मण्डला/बिछिया। जिला प्रशासन द्वारा जारी प्रशासनिक आदेश के तहत डिप्टी कलेक्टर संस्कार बावरिया को जिले के बिछिया अनुविभाग का नया अनुविभागीय अधिकारी एसडीएम के पद पर नियुक्त किया गया है। उनकी नियुक्ति के बाद क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों सामाजिक संगठनों और नागरिकों ने उन्हें शुभकामनाएं देते हुए सफल कार्यकाल कामना की है। संस्कार बावरिया इससे पूर्व बिछिया नगर के मुख्य नगर पालिका अधिकारी भी रह चुके हैं वहीं विभिन्न प्रशासनिक दायित्वों का निर्वहन कर चुके हैं। प्रशासनिक कार्यों में उनकी कार्यशैली अनुशासन और जनसमस्याओं के त्वरित निराकरण की क्षमता को देखते हुए बिछिया जैसे महत्वपूर्ण अनुविभाग की जिम्मेदारी सौंपी गई है। उनकी नियुक्ति को क्षेत्र के विकास प्रशासनिक व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाने तथा आमजन की समस्याओं के शीघ्र समाधान की दिशा में महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

छात्रों की गूंज युवा संवाद में संकल्प

मोहगांव(स्वतंत्रमत)। कांग्रेस द्वारा आयोजित छात्रों की गूंज-युवा संवाद कार्यक्रम में मोहगांव मंडलम कांग्रेस के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए युवाओं की आवाज को मजबूती देने का संकल्प लिया कार्यक्रम का आयोजन अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के राष्ट्रीय सचिव एवं पूर्व विधायक कुणाल चौधरी के मार्गदर्शन में किया गया कार्यक्रम में शिक्षा रोजगार कौशल विकास और युवाओं के भविष्य से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई युवाओं को अपनी बात रखने का अवसर प्रदान करते हैं और लोकतांत्रिक मूल्यों को मजबूत करते हैं मोहगांव मंडलम कांग्रेस परिवार ने युवाओं के विचार और सुझाव ही भविष्य की दिशा तय करेंगे आने वाली चुनौतियों का समाधान संवाद और सकारात्मक भागीदारी से ही संभव है।

एक दिन लिया काम, निकाला सात दिन का मस्टर

मण्डला/नारायणगंज(स्वतंत्रमत)

जिले के जनपद पंचायत नारायणगंज के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत बरबटी में चल रहे अमृत सरोवर बांध निर्माण कार्य में भारी मनमानी और अनियमितता बरती जा रही है। शासन की इस महत्वपूर्ण योजना में रोजगार न मिलने और फर्जी मस्टर रोल निकाले जाने से आक्रोशित दर्जनों महिला मजदूरों ने पंचायत भवन पहुंचकर जमकर विरोध प्रदर्शन किया।

जानकारी अनुसार ग्राम पंचायत बरबटी में अमृत सरोवर बांध निर्माण कार्य में मनमानी के विरोध में बड़ी संख्या में ग्रामीण महिलाएं पंचायत भवन पहुंचकर आक्रोश व्यक्त की। प्रदर्शन कर रही महिलाओं का आरोप है कि उन्हें अमृत सरोवर बांध में केवल एक दिन का काम दिया गया जबकि मस्टर रोल पूरे सात दिन का निकाला गया है।

इससे मजदूरों को सीधे तौर पर छह दिन की मजदूरी का नुकसान उठाना पड़ रहा है। ग्रामीणों ने बताया कि जब वे इस मुद्दे पर बात करने और अपना हक मांगने पंचायत भवन पहुंचे तो पंचायत में मौजूद जिम्मेदार और सचिव कार्यालय में ताला लगाकर वहां से भाग निकले। पंचायत प्रतिनिधियों द्वारा काम बंद करने के पीछे पैसे खत्म होने का हवाला दिया जा रहा है। मजदूरों का कहना है कि शासन और अधिकारियों ने पूर्व में आश्वासन दिया था कि यह काम लगातार करीब 2 वर्ष तक चलेगा लेकिन महज कुछ महीने में ही अचानक काम रोक दिया गया है। ग्रामीणों का कहना है कि उन्हें लगातार एक सप्ताह तक काम मिलना चाहिए था। काम बंद होने से उनके सामने रोजी रोटी का संकट खड़ा हो गया है।

मजदूरों ने जिला प्रशासन और वरिष्ठ अधिकारियों से अपील की है कि वे इस मामले में तत्काल संज्ञान लें। उन्होंने मांग की है कि इस फर्जीवाड़े की निष्पक्ष जांच हो और मजदूरों को उनका हक दिलाते हुए काम को तुरंत दोबारा शुरू कराया जाए जिससे उन्हें सतत रोजगार मिल सके।

छात्रों की आवाज दबाना लोकतंत्र पर प्रहार : तेकाम

मण्डला(स्वतंत्रमत)।

गोंडवाना गणतंत्र पार्टी ने दिल्ली के जंतर-मंतर पर शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे छात्र-छात्राओं पर कथित पुलिस बल प्रयोग की निंदा करते हुए इसे लोकतांत्रिक अधिकारों पर हमला बताया है पार्टी ने विद्यार्थियों की समस्याओं को लेकर मध्यप्रदेश भर में चरणबद्ध आंदोलन चलाने घोषणा की है। छिंदवाड़ा प्रवास के दौरान पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष इंजी. कमलेश तेकाम ने स्थानीय पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं के साथ बैठक की तथा प्रेसवार्ता को संबोधित किया उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में शांतिपूर्ण ढंग से अपनी मांगों को उठाना प्रत्येक नागरिक का संवैधानिक अधिकार है यदि छात्र शिक्षा रोजगार परीक्षा व्यवस्था और अपने भविष्य से जुड़े मुद्दों पर सरकार तक अपनी बात पहुंचाना

चाहते हैं तो सरकार का दायित्व है कि वह उनसे संवाद करे न कि बल प्रयोग प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि आज विद्यार्थी महंगी शिक्षा छात्रवृत्ति में देरी प्रतियोगी परीक्षाओं में अनियमितताओं और रोजगार की कमी जैसी गंभीर समस्याओं का सामना कर रहे हैं ऐसे समय में उनकी आवाज दबाने का प्रयास लोकतांत्रिक मूल्यों के खिलाफ है। उन्होंने कहा कि छात्र देश के विरोधी नहीं बल्कि देश के भविष्य की चिंता करने वाले जागरूक नागरिक हैं और उनकी मांगों को गंभीरता से सुना जाना चाहिए उन्होंने सरकार से आंदोलनरत छात्रों के प्रतिनिधियों से वार्ताकर उनकी मांगों पर समयबद्ध समाधान प्रस्तुत करने मांग की। बैठक में मध्यप्रदेश के सभी जिलों में विद्यार्थियों के मुद्दों को लेकर चरणबद्ध आंदोलन की रूपरेखा पर भी चर्चा की गई।

आरोपियों की पैरवी न करने का निर्णय

मण्डला(स्वतंत्रमत)। जिला अधिवक्ता संघ की आमसभा गुरुवार को आयोजित की गई बैठक में संघ के पूर्व अध्यक्ष अधिवक्ता मनोज गुप्ता एवं कनिष्ठ सदस्य अधिवक्ता अनादि गोपाल गुप्ता के साथ कुछ समय पूर्व हुई आपराधिक घटनाओं पर गंभीर चर्चा की गई आमसभा में अधिवक्ताओं ने सर्वसम्मति से निर्णय लिया कि उक्त घटनाओं में शामिल बताए जा रहे आदतन अपराधियों की ओर से संघ का कोई भी अधिवक्ता पैरवी नहीं करेगा साथ ही ऐसे आरोपियों के विरुद्ध कठोर कानूनी कार्यवाही सुनिश्चित कराने के लिए अभियोजन पक्ष का सहयोग किया जाएगा बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि आरोपियों के विरुद्ध जिलाबदर एवं अन्य प्रतिबंधात्मक कार्यवाही किए जाने की मांग पुलिस प्रशासन से की जाएगी ताकि भविष्य में इस प्रकार की घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो इसके अलावा आमसभा में दिल्ली के जंतर-मंतर पर शांतिपूर्ण आंदोलन कर रहे छात्रों के साथ हुई कथित मारपीट एवं बर्बरता पर भी चिंता व्यक्त की गई अधिवक्ताओं ने बिगड़ी हुई कानून-व्यवस्था में सुधार की मांग करते हुए इस विषय पर राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सोमवार को दोपहर 2 बजे जिला कलेक्टर को सौंपने का निर्णय लिया।

आंगनवाड़ी निर्माण कार्यों की समीक्षा

मण्डला(स्वतंत्र मत)। कलेक्टर धोटे ने महिला एवं बाल विकास विभाग तथा निर्माण एजेंसी के अधिकारियों की संयुक्त बैठक लेकर जिले में निर्माणाधीन आंगनवाड़ी केंद्रों की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने निर्माण कार्यों में तेजी लाने नियमित मॉनिटरिंग सुनिश्चित करने तथा सभी कार्य निर्धारित समय-सीमा में गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूर्ण कराने के निर्देश दिए। बैठक में जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास रोहित बड़कुल ने बताया कि जिले में कुल 214 आंगनवाड़ी केंद्र स्वीकृत हैं। इनमें से 64 केंद्रों का निर्माण पूर्ण हो चुका है 83 केंद्रों का निर्माण कार्य प्रगति पर है, जबकि 67 केंद्रों का निर्माण कार्य अभी प्रारंभ नहीं हुआ है। समीक्षा के दौरान कलेक्टर ने कहा कि आंगनवाड़ी केंद्र बच्चों गर्भवती एवं धात्री माताओं को सेवाएं उपलब्ध कराने का महत्वपूर्ण माध्यम हैं। इसलिए इनके निर्माण में किसी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। उन्होंने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि निर्माण कार्यों की नियमित समीक्षा करते हुए समय-सीमा के भीतर सभी केंद्रों का निर्माण पूर्ण कराया जाए। कलेक्टर ने विकासखंड के निर्माणाधीन आंगनवाड़ी केंद्रों को प्राथमिकता के आधार पर पूर्ण कराने के निर्देश दिए।

इस्कॉन परिवार ने नैनपुर में आयोजित की भव्य रथ यात्रा

रिमझिम फुहारों के बीच श्रद्धा, उत्साह और भक्ति का अद्भुत संगम

नैनपुर (स्वतंत्र मत)। रिमझिम फुहारों और भक्तिमय वातावरण के बीच नैनपुर नगर में भगवान जगन्नाथ, बलदेव एवं सुभद्रा महारानी की भव्य रथ यात्रा पूरे उल्लास के साथ निकाली गई। इस पावन अवसर पर देव विग्रह सुसज्जित रथ में विराजमान होकर नगर भ्रमण पर निकले, जहां श्रद्धालुओं ने जगह-जगह पूजन-अर्चन कर प्रसाद अर्पित किया।

यह यात्रा नगर के समीप स्थित ग्राम निवारी से आरम्भ होकर सरस्वती विद्यालय परिसर में भोग-भंडारा के साथ सम्पन्न हुई। पूरे मार्ग में श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ पड़ा। महिला, पुरुष, युवा एवं बच्चों ने उत्साहपूर्वक रथ को खींचते हुए भक्ति गीतों पर झूमते-नाचते यात्रा को आगे बढ़ाया।

रथ यात्रा नगर के प्रमुख मार्गों- मंडला-सिवनी मार्ग, चकोर तट, बस स्टैंड, बांसुरी वादन चौक, जय माता दी चौक एवं राधाकृष्ण मंदिर होते हुए सरस्वती विद्यालय प्रांगण पहुंची, जहां समापन कार्यक्रम आयोजित किया गया।इस्कॉन परिवार द्वारा आयोजित यह रथ यात्रा नैनपुर में लगातार तीसरे वर्ष संपन्न हुई है। बताया गया कि इस्कॉन उज्जैन के मार्गदर्शन में प्रदेश के 34 नगरों में यह आयोजन किया जा रहा है, जिसमें नैनपुर एक महत्वपूर्ण पड़ाव रहा।यात्रा के दौरान मृदंग, झांझ और मंजीरों की धुन पर सुसज्जित कीर्तन मंडली एवं सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने वातावरण को पूर्णत: भक्तिमय बना दिया।

मंडला, जबलपुर, बालाघाट और सिवनी से आए श्रद्धालुओं की सहभागिता ने आयोजन को और भी भव्यता प्रदान की। यह रथ यात्रा नैनपुरवासियों के लिए एक अविस्मरणीय और आध्यात्मिक अनुभव बन गई। इस अवसर ओर नैनपुर नगर पालिका परिषद के द्वारा भव्य स्वागत किया गया। नगरपालिका परिषद अध्यक्ष श्रीमती कृष्णा पंजवानी, पार्षदगण एवं नगर पालिका कर्मचारियों ने मुख्य मार्ग पर भगवान जगन्नाथ जी की आरती कर भव्य स्वागत किया। वहीं नगर के विभिन्न स्थानों पर नागरिकों द्वारा भगवान की पूजा-अर्चना कर प्रसाद वितरण किया गया।

अंजनिया में चलाया गया जागरूकता अभियान

मण्डला(स्वतंत्र मत)। उच्च शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार शासकीय महाविद्यालय अंजनिया में नशे से दूरी है जरूरी 2.0 नशा उन्मूलन अभियान के तहत विभिन्न जागरूकता गतिविधियों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का संचालन प्रभारी प्राचार्य डॉ. नवीन कुमार हरदहा के मार्गदर्शन एवं क्रीड़ा अधिकारी डॉ. प्रशांत कुमार यादव के नेतृत्व में किया गया। विद्यार्थियों के बीच रंगोली, पोस्टर, स्लोगन एवं निबंध प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के डॉ. घनश्याम प्रसाद झारिया, डॉ. विजय मोर्य, डॉ. गरिमा छाबड़ा, डॉ. सुरेन्द्र लिल्हारे, संदीप चौरसिया उपस्थित थे।

कार्यालय नगर पालिका परिषद नैनपुर जिला-मण्डला (म.प्र.)

Office of Municipal Council Nainpur, District-Mandla (M.P.) Phone No. 07646-240106, Email ID-cmonanpur@mpurban.gov.in

क्रमांक 1497 // निविदा सूचना// दिनांक 22/07/2026

निम्नलिखित कार्य हेतु केन्द्रीयकृत प्रणाली में पंजीकृत ठेकेदारों से ऑन लाईन निविदायें आमंत्रित की जाती है। निविदा का विस्तृत विवरण वेबसाईट https://www.mptenders.gov.in देख जा सकता है।

टेण्डर क्रमांक जारी दिनांक	कार्य का नाम	कार्य की समयावधि एवं लागत	निविदा प्रपत्र का मूल्य एवं EMD	निविदा की अंतिम तिथि
1	2	3	4	5
2026_UAD_522594_1 दि. 22.07.2026 NIT No. 1485/PWD/NP/2026	नगर पालिका नैनपुर के ट्रेंचिंग ग्राउण्ड से वेस्ट टू एनर्जी प्लांट जबलपुर तक कचरा परिवहन कार्य।	2 Year 24,00,000/-	2,000/- 24,000/-	24-08-2026
2026_UAD_512066_1 दि. 21.07.2026 NIT No. 1459/PWD/NP/2026	निकाय अंतर्गत विद्युत सामग्री प्रदाय साम्रगी सप्लाई	05 Days 30,00,000/-	5,000/- 60,000/-	24-08-2026
2026_UAD_512067_1 दि. 21.07.2026 NIT No. 1459/PWD/NP/2026	निकाय अंतर्गत मोटर पम्प एवं टरबाईन सप्लाई	05 Days 30,00,000/-	5,000/- 40,000/-	24-08-2026
2026_UAD_512068_1 दि. 21.07.2026 NIT No. 1459/PWD/NP/2026	नगर पालिका परिषद नैनपुर में टेंट सामग्री सप्लाई	1-5 Days 15,00.000/-	2,000/- 36,000/-	24-08-2026

शर्तें :- निविदा से संबंधित किसी भी प्रकार के संशोधन का प्रकाशन ऑनलाईन https://www.mptenders.gov.in की वेबसाईट पर किया जावेगा। पृथक से समाचार पत्र में प्रकाशन नहीं किया जायेगा।

मुख्य नगरपालिका अधिकारी
नगरपालिका परिषद, नैनपुर

संपादकीय

भरोसा टूटने न पाए

बीते सोमवार 20 जुलाई, को संसद सत्र के पहले ही दिन, संसद भवन के 1.5 किमी के दायरे में, हजारों युवाओं की ऐसी भीड़ आक्रोशित हो गई कि संसद भवन के सभी मोटे-बड़े मेन गेट बंद करने पड़े। हजारों पुलिसकर्मियों के अलावा, अर्द्धसैनिक बलों, रैपिड एक्शन फोर्स, पानी की तेज बौछार मारने वाले बल के जवानों को सड़कों पर उतारना पड़ा। देश की राष्ट्रीय सुरक्षा का मसला एकदम सामने आ गया। वैसे तो देश की आजादी के कुछ साल बाद ही पेपर लीक की घटनाएं सामने आने लगी थीं, शिक्षा-प्रणाली में आज भी विसंगतियां हैं, शिक्षा मंत्री सवालिया होते रहे हैं, लेकिन अनशन कितने हुए? किसी सामाजिक, राजनीतिक, पेशेवर समस्या का हिस्सा नहीं हैं, लेकिन इन संवेदनशील मुद्दों पर अभी तक ऐसा युवा, छात्र आंदोलन भड़कते नहीं देखा गया। इस साल भी 11 लाख से अधिक युवाओं ने 'नीट' परीक्षा पास की है, लेकिन उनमें से 9 लाख से अधिक युवाओं को मेडिकल से जुड़े किसी भी कोर्स में दाखिला नहीं मिलेगा। कारण, भारत में सरकारी और निजी मेडिकल कॉलेजों में एमबीबीएस की 1.36 लाख से कुछ अधिक ही सीटें हैं। उसके बाद बीडीएस, आयुर्वेदिक, होम्योपैथी, यूनानी आदि में भी करीब 80 हजार सीटें हैं। ये कैसी व्यवस्था है कि युवा ने 'नीट' भी पास कर ली और वह किसी भी तरह डॉक्टर नहीं बन पाया! शेष 9 लाख से अधिक सफल युवा क्या एकदम असफल साबित हो जाएंगे? तो हमारे युवाओ! हिंसक आंदोलन क्यों करते हो? ये तो बंजर हैं! आत्महत्याएं इस व्यवस्था का समाधान नहीं हैं। दरअसल राजधानी दिल्ली में आंदोलनजीवी, प्रदर्शनकारियों और उत्पातियों की एक पेशेवर जमात है। उसके चेहरे शाहीन बाग, अन्ना हजारे-केजरीवाल, महिला पहलवानों के प्रदर्शन और किसान आदि आंदोलनों में भी दिखाई दिए। वामपंथी तर्ज पर नारे लगाना और डफली बजाना इनकी खास पहचान है। सोनम वांगचुक के अनशन के दौरान भी यह जमात सक्रिय रही। उन्हें कौन 'फंडिंग' करता है? बेशक भारत सबसे युवा राष्ट्र है। उसकी करीब 65 फीसदी आबादी की औसतन उम्र 35 साल है। 15-29 साल के आयु-वर्ग के 56 करोड़ से अधिक युवा हैं। वे भारत की ताकत और भविष्य हैं, लिहाजा किसी भी सूरत में उनका भरोसा टूटना नहीं चाहिए। लेकिन जो भीड़ संसद भवन में घुसना चाहती थी, वह वामदलों, कांग्रेस, 'आप' के छात्र-संगठनों के पेशेवर चेहरे थे। अचानक मनीष सिसोदिया, संजय सिंह सांसद सरीखे आप नेता और सांसद डिंपल यादव के नेतृत्व में सपा का हुजूम सड़कों पर कैसे आ गया? यकीनन यह राजनीतिक कवायद थी। अनशन और 'संसद चलो' का यह कथित आंदोलन पूरी तरह 'राजनीतिक' है, क्योंकि उनकी पहली मांग शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान का इस्तीफा है। वांगचुक की भी इच्छा है कि विभिन्न सांसद और राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि अस्पताल में आकर उनसे मिलें और उनकी मांगों पर आश्वासन दें। बहरहाल यदि यह शैक्षिक प्रदर्शन था, तो किन युवाओं ने पथराव किए, नतीजतन 5 आईपीएस अधिकारियों समेत 118 पुलिसकर्मी घायल हुए। यह कोई सामान्य आंकड़ा नहीं है। बेशक 60 से अधिक प्रदर्शनजीवी भी घायल हुए हैं। करीब 70 लोग हिरासत में लिए गए हैं। इस पूरे उपद्रव के दौरान एक ऐसा नाम सामने आता रहा, जो कीट-भाव पैदा करता है। कीट-मकौड़ों की जनता नहीं हुआ करती, उनका लोकतंत्र नहीं होता, तिलचट्टे घर-घर पैदा होते रहे हैं, लिहाजा 'कॉकरोच जनता पार्टी' हमारे लोकतंत्र और राजनीतिक दलों पर एक भद्दा मजाक है। उसे 'राजनीतिक व्यंग्य' भी नहीं मान सकते। उसका चुनाव आयोग में कोई पंजीकरण नहीं है और न ही इस नाम से मान्यता दी जानी चाहिए। जनता इनसानों की होती है, जो लोकतंत्र की वाहिका होती है।

भारत के पहले निजी ऑर्बिटल रॉकेट 'विक्रम-1' का सफल प्रक्षेपण

विक्रम-1: नए भारत की अंतरिक्ष उड़ान का स्वर्णिम अध्याय

ललित गर्ग
लेखक वरिष्ठ पत्रकार एवं स्तंभकार हैं

भारत ने एक बार फिर सिद्ध कर दिया है कि यदि संकल्प, वैज्ञानिक दृष्टि और नवाचार का संगम हो तो आकाश भी सीमा नहीं, बल्कि संभावनाओं का प्रारंभ बन जाता है। भारत के पहले निजी ऑर्बिटल रॉकेट 'विक्रम-1' का सफल प्रक्षेपण केवल एक तकनीकी उपलब्धि नहीं, बल्कि आत्मनिर्भर भारत, नवाचार आधारित अर्थव्यवस्था और विज्ञान-प्रधान भविष्य की ओर बढ़ते राष्ट्र का एक नया घोषणापत्र है। श्रीहरिकोटा के सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से 'मिशन आगमन' के अंतर्गत हुई यह ऐतिहासिक उड़ान भारतीय अंतरिक्ष विज्ञान के इतिहास में एक ऐसे स्वर्णिम अध्याय के रूप में दर्ज हो गई है, जिसने यह स्पष्ट कर दिया कि अब अंतरिक्ष विज्ञान केवल सरकारी संस्थानों तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि निजी उद्यम भी वैश्विक प्रतिस्पर्धा में भारत का नेतृत्व करेंगे। निश्चित ही विक्रम-1 नए भारत की अंतरिक्ष उड़ान का स्वर्णिम अध्याय एवं निजी अंतरिक्ष क्रांति की आकाशीय सफलताओं की नई जमीन है।

विक्रम-1 की सफलता उस महान वैज्ञानिक डॉ. विक्रम साराभाई के स्वप्न को साकार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जिन्होंने कभी कहा था कि भारत जैसे विकासशील देश के लिए अंतरिक्ष विज्ञान विलासिता नहीं, बल्कि विकास का अनिवार्य साधन है। आज उसी विचार की आधुनिक अभिव्यक्ति स्काईरूट एयरोस्पेस के रूप में दिखाई देती है, जिसने अपने पहले ही प्रयास में इतिहास रच दिया। यह उपलब्धि इसलिए भी विशेष है क्योंकि इस समय दुनिया में केवल कुछ ही देशों के निजी उपक्रम ऑर्बिटल रॉकेट विकसित कर पाए हैं। भारत अब उस विशिष्ट समूह में शामिल हो गया है, जहां नवाचार, वैज्ञानिक कौशल और उद्यमशीलता मिलकर नई संभावनाओं का निर्माण कर रहे हैं। अमेरिका के स्पेसएक्स ने जिस निजी अंतरिक्ष क्रांति की शुरुआत की थी, भारत ने अब उसका अपना स्वदेशी संस्करण प्रस्तुत कर दिया है।

विक्रम-1 की तकनीकी विशेषताएं भी इसे विशिष्ट बनाती हैं। पूरी तरह कार्बन कंपोजिट से निर्मित यह रॉकेट अपेक्षाकृत हल्का, अधिक मजबूत तथा कम लागत वाला है। थ्री-डी प्रिंटिंग जैसी अत्याधुनिक तकनीकों के उपयोग ने इसके निर्माण खर्च को उल्लेखनीय रूप से कम किया है। इसका सीधा अर्थ है कि भविष्य में छोटे उपग्रहों के प्रक्षेपण का वैश्विक बाजार भारत के लिए नए आर्थिक अवसर लेकर आएगा। आज दुनिया में संचार, मौसम पूर्वानुमान, कृषि, रक्षा, आपदा प्रबंधन, इंटरनेट सेवाएं और कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित तकनीकों के लिए हजारों छोटे उपग्रहों की आवश्यकता बढ़ रही है। ऐसे में भारत कम लागत और उच्च विश्वसनीयता के कारण अंतरराष्ट्रीय बाजार में महत्वपूर्ण स्थान प्राप्त कर सकता है।

'विक्रम-1' को विकसित करने वाली निजी कंपनी 'स्काईरूट एयरोस्पेस' ने भारतीय अंतरिक्ष कार्यक्रम के जनक विक्रम साराभाई के नाम पर इस रॉकेट का नामकरण कर न सिर्फ उन्हें सच्ची श्रद्धांजलि अर्पित की है, बल्कि हमारे औद्योगिक घरानों को भी यह संदेश दिया है कि कारोबार करते हुए भी अपने देश की समृद्ध विरासत का सम्मान किया जाना चाहिए।

गौर कीजिए, अप्रैल 1975 में जब भारत ने अपना पहला उपग्रह अंतरिक्ष में भेजा था, तब उसका नामकरण महान खगोल वैज्ञानिक आर्यभट्ट के नाम पर किया गया था। यह सफलता केवल एक कंपनी की उपलब्धि नहीं है। यह उस नई नीति का परिणाम भी है जिसके अंतर्गत भारत सरकार ने अंतरिक्ष क्षेत्र को निजी निवेश और स्टार्टअप के लिए खोलने का साहसिक निर्णय लिया। नई अंतरिक्ष नीति, इन-स्पेस जैसी संस्थाओं की स्थापना तथा प्रत्यक्ष विदेशी निवेश के लिए उदार प्रावधानों ने भारतीय युवाओं के सामने नए अवसरों के द्वार खोल दिए हैं। आज देश में अनेक स्पेस स्टार्टअप उपग्रह निर्माण, प्रक्षेपण प्रणाली, अंतरिक्ष संचार और डेटा सेवाओं के क्षेत्र में तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। यह परिवर्तन भारत को ज्ञान आधारित अर्थव्यवस्था की दिशा में मजबूत आधार प्रदान करेगा। किन्तु हर सफलता अपने साथ नई चुनौतियां भी लेकर आती है।

विक्रम-1 की पहली उड़ान सफल अवश्य रही है, परंतु अंतरिक्ष उद्योग में स्थायी सफलता केवल एक प्रक्षेपण से सुनिश्चित नहीं होती। स्काईरूट एयरोस्पेस को अब वैश्विक बाजार में स्पेसएक्स, रॉकेट लैब तथा चीन की अनेक निजी कंपनियों जैसी सशक्त प्रतिस्पर्धा का सामना करना होगा। नियमित ग्राहक, समय पर प्रक्षेपण, कम लागत, उच्च विश्वसनीयता तथा भविष्य में पुनः प्रयोज्य रॉकेट तकनीक विकसित करना उसकी अगली बड़ी परीक्षा होगी। अंतरिक्ष उद्योग में विश्वास सबसे बड़ी पूंजी होता है और वह निरंतर सफल अभियानों से ही अर्जित किया जा सकता है। इस ऐतिहासिक सफलता के बीच एक गंभीर प्रश्न भी हमारे सामने खड़ा है-क्या इसरो अपनी वैज्ञानिक प्रतिभाओं को लंबे समय तक अपने साथ बनाए रख पाएगा? हाल के वर्षों में अनेक अनुभवी वैज्ञानिक निजी क्षेत्र की ओर आकर्षित हुए हैं। इसका कारण केवल अधिक वेतन नहीं, बल्कि बेहतर कार्य संस्कृति, अनुसंधान की स्वतंत्रता, त्वरित निर्णय प्रक्रिया और नवाचार के लिए अनुकूल वातावरण भी है।

इसरो ने भारत को चंद्रयान, मंगलयान, आदित्य-एल1, गगनयान जैसी ऐतिहासिक उपलब्धियां दी हैं। सीमित संसाधनों में विश्वस्तरीय परिणाम देकर इसरो ने पूरी दुनिया का सम्मान अर्जित किया है। किंतु यदि प्रतिभाशाली वैज्ञानिक धीरे-धीरे संस्थान से बाहर जाते रहे तो दीर्घकाल में अनुसंधान और राष्ट्रीय अंतरिक्ष कार्यक्रम प्रभावित हो सकते हैं। इसलिए इसरो के सामने सबसे बड़ी चुनौती केवल नए मिशन तैयार करना नहीं, बल्कि वैज्ञानिक प्रतिभाओं को प्रेरित, सम्मानित और संतुष्ट बनाए रखना भी है। सरकार को चाहिए कि इसरो के वैज्ञानिकों के लिए प्रतिस्पर्धी वेतन संरचना, अत्याधुनिक अनुसंधान सुविधाएं, निर्णय लेने की अधिक स्वतंत्रता तथा नवाचार को प्रोत्साहित करने वाली नीतियां विकसित करे। सरकारी संस्थानों और निजी कंपनियों के बीच प्रतिस्पर्धा नहीं, बल्कि सहयोग का वातावरण तैयार होना चाहिए। निजी क्षेत्र इसरो का विकल्प नहीं, बल्कि उसका सहयोगी बन सकता है। जिस प्रकार अमेरिका में नासा और स्पेसएक्स मिलकर अंतरिक्ष कार्यक्रमों को नई ऊंचाइयों तक ले जा रहे हैं, उसी प्रकार भारत में इसरो और निजी कंपनियों का समन्वय देश को वैश्विक नेतृत्व प्रदान कर सकता है।

आज आवश्यकता इस बात की भी है कि अंतरिक्ष विज्ञान को विद्यालयों और विश्वविद्यालयों के स्तर तक पहुंचाया जाए। विज्ञान केवल प्रयोगशालाओं का विषय न रहकर जन-आंदोलन बने। युवा वैज्ञानिकों, इंजीनियरों और नवाचारकर्ताओं को स्टार्टअप संस्कृति से जोड़ने के लिए विशेष प्रोत्साहन दिया जाए। यदि प्रत्येक राज्य में स्पेस टेक्नोलॉजी इनोवेशन सेंटर स्थापित किए जाएं, उद्योगों और विश्वविद्यालयों के बीच अनुसंधान साझेदारी विकसित की जाए तथा अंतरिक्ष तकनीक में निवेश को बढ़ावा दिया जाए तो भारत अगले दशक में विश्व का अग्रणी अंतरिक्ष नवाचार केंद्र बन सकता है। भविष्य की आकाशीय सफलताओं की नई जमीन तैयार करने के लिए कुछ रचनात्मक कदम अत्यंत आवश्यक हैं-इसरो और निजी कंपनियों के बीच संयुक्त अनुसंधान परियोजनाएं प्रारंभ हों; पुनः प्रयोज्य रॉकेट तकनीक और हरित प्रणोदन (ग्रीन प्रोपल्शन) पर विशेष निवेश किया जाए; अंतरिक्ष विनिर्माण के लिए स्वदेशी आपूर्ति श्रृंखला को मजबूत किया जाए; युवाओं के लिए अंतरिक्ष उद्यमिता को बढ़ावा देने वाले विशेष कोष बनाए जाएं; तथा अंतरिक्ष कानूनों को सरल, पारदर्शी और निवेश-अनुकूल बनाया जाए। साथ ही, अंतरिक्ष मलबे (स्पेस डेब्रिस) के प्रबंधन, पर्यावरणीय सुरक्षा और अंतरराष्ट्रीय सहयोग पर भी समान रूप से ध्यान देना होगा, क्योंकि भविष्य का अंतरिक्ष विकास केवल तकनीकी नहीं, बल्कि नैतिक और पर्यावरणीय उत्तरदायित्व का भी विषय है।

विक्रम-1 ने यह सिद्ध कर दिया है कि भारत अब केवल अंतरिक्ष में पहुंचने वाला देश नहीं, बल्कि अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था का नेतृत्व करने की क्षमता रखने वाला राष्ट्र बन चुका है। यह सफलता नए भारत के आत्मविश्वास, युवाओं की प्रतिभा और वैज्ञानिक सोच की विजय है। यह उस राष्ट्र की कहानी है जिसने कभी साइकिल और बैलगाड़ी पर रॉकेट के पुर्जे ढोए थे और आज निजी क्षेत्र के माध्यम से वैश्विक अंतरिक्ष बाजार में अपनी प्रभावशाली उपस्थिति दर्ज करा रहा है। वास्तव में, विक्रम-1 केवल एक रॉकेट नहीं, बल्कि भारत के वैज्ञानिक आत्मविश्वास का उड़ता हुआ प्रतीक है। यह सफलता हमें यह संदेश देती है कि यदि नीति, प्रतिभा, उद्योग और राष्ट्रीय संकल्प एक दिशा में आगे बढ़ें तो असंभव भी संभव बन जाता है। निजी क्षेत्र की यह सफलता विज्ञान में अभिरुचि रखने वाले भारतीयों के लिए एक आह्वान है- अंतरिक्ष सेनानिया करो प्रयाण, सारा आकाश तुम्हारा है। अब आवश्यकता इस बात की है कि इस ऐतिहासिक उपलब्धि को एक शुरुआत मानते हुए भारत अंतरिक्ष विज्ञान, अनुसंधान और नवाचार की ऐसी मजबूत नींव तैयार करे, जहां इसरो की गौरवशाली परंपरा और निजी क्षेत्र की नई ऊर्जा मिलकर विश्व को नई दिशा दें। तभी सच अर्थों में यह कहा जा सकेगा कि अब केवल धरती ही नहीं, बल्कि पूरा आकाश भी भारत की नई विकास-गाथा का विस्तार बन चुका है।

पेपर लीक पर मौन नहीं, जवाबदेही चाहिए

भूपेन्द्र गुप्ता
लेखक स्वतंत्र विश्लेषक हैं

देश का युवा आज एक कठिन प्रश्न पूछ रहा है-क्या उसकी मेहनत की कोई कीमत है? प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी में लाखों छात्र अपने जीवन के कई वर्ष लगा देते हैं। परिवार कर्ज लेकर कोचिंग कराता है, छात्र अपने सपनों को दांव पर लगाता है, लेकिन जब बार-बार पेपर लीक होते हैं, परीक्षाएं रद्द होती हैं और चयन प्रक्रिया विवादों में घिर जाती है, तब सबसे बड़ी क्षति केवल परीक्षा की नहीं, बल्कि युवाओं के विश्वास की होती है। यदि पिछले वर्षों में बड़ी संख्या में प्रतियोगी परीक्षाएं पेपर लीक या गंभीर अनियमितताओं से प्रभावित हुई हैं, तो यह किसी एक कर्मचारी की गलती नहीं मानी जा सकती। यह व्यवस्था की विफलता का संकेत है। लोकतंत्र में व्यवस्था की सफलता का श्रेय यदि सरकार लेती है, तो उसकी विफलताओं की जवाबदेही भी स्वीकार करनी चाहिए।

दुर्भाग्यपूर्ण यह है कि जवाबदेही स्वीकार करने की जगह कई बार ऐसा वातावरण बनाया जाता है, मानो प्रश्न पूछने वाले छात्र ही कटघरे में हों। जो युवा निष्पक्ष परीक्षा की मांग कर रहे हैं, वे किसी दल के कार्यकर्ता नहीं हैं; वे इस देश के भविष्य हैं। उनके सवालों का उत्तर तर्क, पारदर्शिता और सुधार से दिया जाना चाहिए, न कि उन्हें संदेह की दृष्टि से देखकर। सरकार ने सार्वजनिक परीक्षाओं में धांधली रोकने के लिए नया कानून बनाया है। यह स्वागतयोग्य कदम है, लेकिन कानून का वास्तविक मूल्य उसके प्रभावी क्रियान्वयन से तय होगा। यदि कानून बनने के बाद भी पेपर लीक की घटनाएं रुकती नहीं हैं, तो यह पूछना स्वाभाविक है कि कमी कानून में है, व्यवस्था में है या उसे लागू करने की इच्छाशक्ति में।

देश यह भी जानना चाहता है कि हर पेपर लीक के बाद केवल छोटे-छोटे आरोपी ही क्यों सामने आते हैं? वे लोग कौन हैं जो इस पूरे नेटवर्क को संचालित करते हैं? उनकी राजनीतिक, प्रशासनिक या आर्थिक संरक्षण-श्रृंखला क्या है? जब तक इस संगठित अपराध की जड़ों तक नहीं पहुंचा जाएगा, तब तक गिरफ्तारियां केवल समाचार बनेंगी, समाधान नहीं।

एक और महत्वपूर्ण प्रश्न है-क्या परीक्षा रद्द होने की कीमत केवल छात्र ही चुकाएगा? उसकी उम्र बढ़ती है, अवसर कम होते हैं, आर्थिक बोझ बढ़ता है और मानसिक तनाव अलग। क्या इस नुकसान की कोई जवाबदेही तय होगी?

लोकतांत्रिक शासन का मूल सिद्धांत है कि अधिकार के साथ उत्तरदायित्व भी आता है। यदि किसी विभाग में बार-बार गंभीर विफलताएं हों, तो केवल अधिकारियों पर नहीं, बल्कि नीति और नेतृत्व पर भी प्रश्न उठना स्वाभाविक है। जवाबदेही स्वीकार करना पराजय नहीं, बल्कि सुशासन का प्रमाण है।

आज देश के युवाओं को भाषण नहीं, भरोसा चाहिए; आश्वासन नहीं, निष्पक्ष व्यवस्था चाहिए; और सबसे बढ़कर यह विश्वास चाहिए कि उनकी सफलता का निर्णय उनकी मेहनत करेगी, किसी पेपर लीक गिरोह की पहुंच नहीं।

सरकार यदि वास्तव में युवाओं के साथ खड़ी है, तो उसे तीन स्पष्ट कदम उठाने चाहिए-हर पेपर लीक की समयबद्ध और स्वतंत्र जांच, दोषियों को शीघ्र एवं कठोर दंड, तथा जहां भी प्रशासनिक विफलता सिद्ध हो, वहां शीर्ष स्तर तक जवाबदेही तय करना।

भारत दुनिया का सबसे युवा देश बनने का दावा करता है। इस दावे की वास्तविक परीक्षा भाषणों से नहीं, बल्कि परीक्षा प्रणाली की ईमानदारी से होगी। जिस दिन देश का युवा यह विश्वास कर लेगा कि उसकी मेहनत ही उसकी सबसे बड़ी सिफारिश है, उसी दिन भारत वास्तव में विश्वगुरु बनने की दिशा में एक बड़ा कदम बढ़ाएगा। समाधान की दिशा में कुछ ठोस कदम उठाने होंगे।

केवल दोषियों की गिरफ्तारी से समस्या समाप्त नहीं होगी। परीक्षा प्रणाली में ऐसे संस्थागत सुधार आवश्यक हैं जो पेपर लीक की संभावना को न्यूनतम करें। सबसे पहले, देश की सभी प्रमुख सार्वजनिक भर्ती और प्रवेश परीक्षाओं का संचालन पूर्णतः सरकारी एवं संवैधानिक जवाबदेही वाली संस्थाओं के माध्यम से किया जाना चाहिए। यदि किसी तकनीकी कार्य के लिए निजी एजेंसियों की सेवाएं ली भी जाएं, तो उनकी भूमिका सीमित और कड़ी निगरानी के अधीन हो तथा अंतिम नियंत्रण पूरी तरह सरकारी संस्था के पास रहे।

दूसरा, प्रश्नपत्र निर्माण की प्रक्रिया को पूरी तरह गोपनीय और तकनीक-आधारित बनाया जाए। प्रश्नों का चयन एक बड़े प्रश्न बैंक से रैंडम (यादृच्छिक) एल्गोरिदम के माध्यम से अंतिम समय में किया जाए, ताकि किसी एक व्यक्ति या समूह को पूरे प्रश्नपत्र की पूर्व जानकारी न हो। तीसरा, प्रत्येक परीक्षा कक्ष में एक ही प्रश्नपत्र के स्थान पर अलग-अलग क्रम या समतुल्य प्रश्न सेट वितरित किए जाएं। इससे यदि कोई व्यक्ति उत्तर साझा करने या संगठित नकल का प्रयास करे तो उसका प्रभाव काफी कम हो सकता है। यह व्यवस्था कई राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय परीक्षाओं में पहले से अपनाई जाती है। इसके अतिरिक्त प्रश्नपत्रों की डिजिटल एन्क्रिप्शन व्यवस्था, सुरक्षित प्रिंटिंग, जीपीएस आधारित परिवहन निगरानी, परीक्षा केंद्रों का स्वतंत्र ऑडिट तथा प्रत्येक चरण की जवाबदेही भी सुनिश्चित की जानी चाहिए।

इन उपायों से पेपर लीक पूरी तरह समाप्त होने की गारंटी तो नहीं दी जा सकती, लेकिन इसकी संभावना को काफी हद तक कम किया जा सकता है। करोड़ों युवाओं के भविष्य की रक्षा के लिए अब केवल कानून नहीं, बल्कि मजबूत और पारदर्शी परीक्षा व्यवस्था की आवश्यकता है।

सरकारें कानून बनाकर अपनी जिम्मेदारी पूरी नहीं कर सकतीं; कानून का सम्मान तब होता है जब सत्ता स्वयं उसकी पहली जवाबदेही स्वीकार करे।

24 जुलाई 77वें जन्म दिवस पर विशेष

निःस्वार्थ समाजसेवी, दूरदर्शी नेता चंद्रमोहन

प्रतुल श्रीवास्तव

प्रकाश और खुशबू की भांति ही ज्ञान और प्रतिभा को भी छिपाया नहीं जा सकता। बहुआयामी व्यक्तित्व के धनी बाबू चंद्रमोहन दास जी को हम सभी न केवल एक कुशल संगठक, योजनाकार, सहृदय दबंग कांग्रेस नेता, पूर्व विधायक एवं पूर्व मंत्री के रूप में जानते हैं वरन सम्पूर्ण देश में उनकी पहचान राजा गोकुलदास परिवार के प्रतिनिधि और एक सफल उद्योगपति के रूप में भी है। उनके जीवन पर अपने पितामह स्वतंत्रता संग्राम सेनानी, साहित्यकार, सांसद सेठ गोविन्ददास की त्याग-तपस्या, ईमानदारी, विकासोन्मुखी चिंतन, धर्मनिष्ठा के साथ ही चारित्रिक दृढ़ता, विनम्रता और मृदुभाषिता के लिए प्रदेश भर में चर्चित रहे अपने पिता पूर्व मंत्री बाबू मनमोहदास जी का गहरा प्रभाव है। 24 जुलाई 1949 को सम्पन्न और वैभवशाली परिवार में जन्में बाबू चंद्रमोहन अपने पितामह और पिता के सद्गुणों का परिष्कृत स्वरुप हैं। उन्होंने अपने बाल्यकाल से एम. काम. तक अध्ययन-यात्रा के दौरान, फिर अपने श्रम और सूझबूझ से एक सफल उद्योगपति व प्रदेश के मंत्रि पद तक पहुंचने के बाद भी अपनी सहजता कायम रखी। अपने साथियों को कभी विस्मृत नहीं किया।

वे देश-प्रदेश के ऐसे इकलौते विधायक के रूप में पहचाने जाते हैं जिन्होंने मध्यप्रदेश के जबलपुर केंट क्षेत्र से विधानसभा चुनाव जीतने के उपरांत स्वयं की पार्टी कांग्रेस की सरकार बनने के बावजूद लगभग 6 माह (उस समय तक) शपथ ग्रहण नहीं की जब तक कि उन्होंने अपने विधानसभा क्षेत्र के कई वर्षों से लम्बित जल एवं अन्य विशिष्ट समस्याओं के त्वरित निराकरण का आश्वासन सरकार से नहीं ले लिया। क्षेत्र के विकास के लिए उनके द्वारा बनाई एवं लाई गई योजनाएं उनके कार्यकाल के बाद तक स्वरुप ग्रहण करती रहीं। बाबू चंद्रमोहन ने मंत्रिपद पर रहते हुए न तो कभी लालबत्ती युक्त शासकीय वाहन का उपयोग किया और न ही सुरक्षाकर्मी रखे। ऐसे सजग और जुझारू नेता चंद्रमोहन जी विगत लगभग पांच दशकों से हितकारिणी सभा के सदस्य और पदाधिकारी के रूप में नगर के शैक्षणिक-बौद्धिक व साहित्यिक-सांस्कृतिक विकास में भी रत हैं। उन्होंने हितकारिणी शिक्षण संस्थाओं में समयानुकूल, रोजगारोन्मुखी, आधुनिक तकनीकी विषयों की उच्चशिक्षा प्रारम्भ कराई। बाद में अन्य शिक्षण संस्थाओं ने इसका अनुसरण किया और आज जबलपुर नगर को एजुकेशन हब होने का गौरव प्राप्त हुआ

चंद्रमोहन जी के मित्र और कार्यकर्ता उन्हें विषम राजनैतिक, सामाजिक व मानसिक परिस्थितियों से उबारने में सदा समुचित सहायता करने वाला मार्गदर्शक भी मानते हैं। ऊँचे कद, बलिष्ट शरीर, गौरवर्ण और भव्य आकर्षक व्यक्तित्व के स्वामी चंद्रमोहन जी को देखकर लगता है जैसे ताजगी स्वयं सामने खड़ी है। उनके निवास और कार्यालय में प्रतिदिन दर्जनों व्यक्ति सकारण-अकारण उनसे मुलाकात करने पहुँचते हैं। संभवतः इसका कारण बचपन से ही उनका बात का धनी होना है। जो कह दिया सो कह दिया फिर उससे मुकरना नहीं। उन्होंने अनुचित बात का किसी भी दबाव, रिश्ते, संकोच अथवा लाभ के लिए कभी भी समर्थन नहीं किया। यही कारण है कि वे कभी विवादों में नहीं घिरे। वे आज भी सम्पूर्ण क्षेत्र के सर्वमान्य कांग्रेस नेता हैं। ऐसे दूरदर्शी, निःस्वार्थ नेता, कुशल संगठक, शैक्षणिक एवं सामाजिक विकास के लिए समर्पित नगर के गौरव पुत्र बाबू चंद्रमोहन जी को आज उनके 77वें जन्म दिवस पर सभी मित्रों, प्रशंसकों, शुभचिंतकों की ओर से स्वस्थ, सुदीर्घ, यशस्वी जीवन के लिए बहुत बहुत शुभकामनायें।

टीवी प्रसारण की भूमिका राष्ट्र निर्माण में अहम

डॉ. रमेश ठाकुर

भारत में 'राष्ट्रीय प्रसारण दिवस' प्रत्येक 23 जुलाई को मनाया जाता है। सूचना विधाओं के लिहाज से आज का दिन रेडियो क्रांति और प्रसारण का प्रतीक भी है। दिवस की शुरुआत वर्ष-1927 में हुई थी जिसका आज का 99 वां संस्करण है। सर्वविदित है कि 23 जुलाई 1927 को 'इंडियन ब्रॉडकास्टिंग कंपनी' नाम से एक प्राइवेट संस्था ने 'बॉम्बे रेडियो क्लब' स्टेशन से हिंदुस्तान में पहला प्रसारण किया गया था जो ब्रिटिश औपनिवेशिक हुकूमत द्वारा लाइसेंस प्राप्त थी। कुछ वर्षों बाद ऑल इंडिया रेडियो और फिर आकाशवाणी के रूप में स्थापित हुई। वैसे, विधिवत रूप से प्रसारण मंच का शुभारंभ 8 जून 1936 से हुआ था। इसी दिन से विविध भाषाओं, संस्कृतियों और विचारों को एक सूत्र में पिरोने का चलन आरंभ हुआ। आकाशवाणी का नाम प्रसिद्ध रचनाधर्मी 'एमबी गोपालस्वामी' द्वारा दिया गया था, जो संस्कृत शब्द से गढ़ा गया था। जिसका शाब्दिक मतलब होता है 'आकाश से आवाज'। इस शब्द को आधिकारिक रूप से 1935 में मैसूर में भारत के पहले निजी रेडियो स्टेशन की स्थापना के वक्त इस्तेमाल हुआ, जिसे बाद में भारत सरकार ने सार्वजनिक और आधिकारिक रूप से सरकारी रेडियो के लिए प्रयोग किया। भारतीयवायु सेना भर्ती

प्रसार भारती के नाम से प्रचलित भारतीय प्रसारण तंत्र आज विश्व का बससे बड़ा ब्रॉडकास्ट डिविजन है। 15 सिंतबर 1959 को, दिल्ली स्थित ऑल इंडिया रेडियो के स्टूडियों में, भारत का पहला टीवी चैनल शुरू किया गया था जो आज 'दूरदर्शन' यानी डीडी न्यूज के नाम से प्रसिद्व है। प्रसारण के विस्तार पर अगर नजर डालें, तो वर्तमान में आकाशवाणी के कुल 591 रेडियो क्रेंद्र और प्रसारण के 230 स्टेशन संचालित हैं। वहीं, सूचना एंव प्रसारण मंत्रालय के नवीनतम आंकड़ो के अनुसार, भारत में इस समय 908 निजी सैटेलाइट टीवी न्यूज चैनल सार्वजनिक प्रसारण सेवा में हैं। इनमें 40 फीसदी यानी करीब 350-400 के बीच केवल समाचार श्रेणी के हैं, जो हिंदी, अंग्रेजी के अलावा विभिन्न रायस्तरीय भाषाओं में संचालित हैं। निजी प्रसारण में आगमन सबसे पहले 1992 में 'जी एंटरटेनमेंट एंटरप्राइजेज' से हुआ, उसके बाद तो निजी क्षेत्र में प्रसारणों की बाढ़ आ गई। करीब 3 हजार से अधिक नए लाइसेंसों के लिए मंत्रालय में आवेदन आवेदित हैं।

भारत में प्रसारण का कलर 25 अप्रैल 1982 में बदला गया। यहीं से रंगीन टीवी की शुरुआत हुई, वरना इससे पहले तक पर्दा सफेद ही था। ये वह वक्त था जब दिल्ली में एशियाई खेलों का महाकुंभ आरंभ होना था। तब तेजी से वैश्विक स्तर पर मांग उठ रही थी

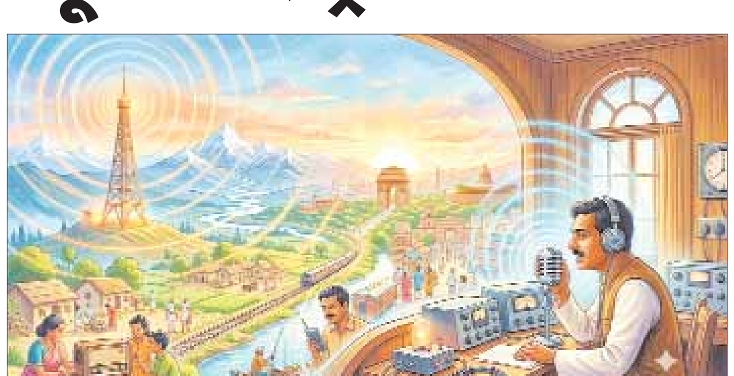

कि खेलों का प्रसारण रंगीन पर्दे पर किया जाए। इसके बाद 'ब्लैक एंड व्हाइट' के दौर का अंत हुआ और टीवी का पर्दा रातों-रात कलरफुल हो गया। टीवी प्रसारण का मतलब होता है ऑडियो और वीडियो सामग्री को विधुत चुम्बकीय तरंगों जैसे केबल, सैटेलाइट या इंटरनेट के जरिए जन जन तक पहुंचाना। प्रसारण आज के समय में सभी के जीवन का हिस्सा बन गया है। प्रसारण ऐसी संचार प्रणाली है जो दर्शकों को घर बैठे न्यूज से लेकर मनोरंजन के सभी माध्यमों को परोसता है। हालांकि, तकनीकी विकास के साथ प्रसारण विधाओं में काफी बदलाव हुआ है। अब दर्शक केबल या सैटेलाइट यंत्रों पर ही निर्भर नहीं रहते। दर्शक डाटा खर्च करके मोबाइल से ही हर प्रकार के प्रसारण का लुफ्त उठा लेते हैं। फिर चाहे, मैच हो या समाचार।

प्रसारण के क्षेत्र में अब इंटरनेट, डिजिटल और ओटीटी ने और विस्तार कर दिया है। सरकार सालाना प्रसारण से विज्ञापनों और फ्रीडिश से करीब 1200 से 1600 करोड़ रूपए कमाती है। वित्त वर्ष 2024-25 में प्रसार भारती का कुल राजस्व 1643 करोड़ था जिसमें से प्रमुख हिस्सा सरकारी डीटीएच प्लेटफार्म का था। साल 2025 के शीतकालीन सत्र में लोकसभा में सूचना एंव प्रसारण मंत्रालय द्वारा बताया गया था कि ऑल इंडिया रेडियो और दूरदर्शन ने निजी विज्ञापनों से तीन साल यानी 2022 से 2025 के बीच कुल 587.78 करोड़ कमाए। वहीं, 2025-2026 के अतं तक 650 करोड़ कमाने का लक्ष्य प्रसार भारती ने रखा हुआ है। ये ऐसा लक्ष्य है जिसे भी आसानी से हासिल किया जा सकता है। हिन्दीसमाचार पत्र

राष्ट्र निर्माण में प्रसारण की जो स्वर्णिम यात्रा सदियों पहले आरंभ हुई थी वह आज भी निरंतर जारी है। प्रसारण का क्षेत्र जनमानस के मन के तारों को छूता है। प्रसारण के जरिए ही बदलती तकनीकों के साथ संवाद भी निरंतर जारी हैं। केंद्र सरकार ने फ्री और निशुल्क चैनलों का वर्गीकरण भी बीते कुछ सालों से किया है, ताकि कोई भी दर्शक प्रसारण के रस से अछूता न रहे। 'बहुजन हिताय, बहुजन सुखाय' ऐसा प्रसारण नारा है जिसमें किसी के साथ कोई भेदभाव नहीं किया जाता। प्रसारण परिंदों की भांति है जिसकी कोई सीमा और बंदिशें नहीं? केंद्र सरकार प्रसारण में नए रस घोलने के लिए हमेशा कुछ न कुछ बदलाव करती है। मंनोरंजन के नए-नए कार्यक्रमों का शुभारंभ और समाचार की प्रस्तुतीकरण में समय-समय पर बदलाव किया जाता है, ताकी दर्शक बोर न हों। वर्ष-2012 से भारत सरकार ने मनोरंजन, समाचार, खेल, खेतीबाड़ी आदि क्षेत्रों में प्रसारण के विस्तार को बढ़ाया हैं। फ्री-डिश बिना किसी मासिक शुल्क के करीब 400 से अधिक चैनल शहरी-ग्रामीण दर्शकों को मुहैया करवाता है। यही कारण है भारतीय प्रसारण आज विश्व का बससे बड़ा प्रसारण क्षेत्र बनकर उभरा है।

स्वतंत्र मत
जबलपुर
शुक्रवार 24 जुलाई 2026

अगर हम तेल नहीं बेच सकते तो कोई और भी नहीं बेच पाएगा, ईरान की अमेरिका को धमकी

तेहरान

ईरान की संसद के स्पीकर और मुख्य वार्ताकार मोहम्मद बाकर गालिबाफ ने चेतावनी दी है कि तेहरान होर्मुज स्ट्रेट के हालात को युद्ध से पहले वाली स्थिति में नहीं लौटने देगा।

उन्होंने कहा कि इस स्ट्रेट की सुरक्षा तभी बनी रह सकती है जब इस इलाके में अमेरिकी सेनाएं न हों। गालिबाफ ने यह भी चेतावनी दी कि अगर ईरान को अपना कच्चा तेल बेचने की इजाजत नहीं मिली तो वह किसी भी खाड़ी देश को अपना तेल नहीं बेचने देगा।

एक्स पर एक पोस्ट में गालिबाफ ने कहा कि यह टकराव अब सब कुछ या कुछ नहीं वाली स्थिति बन गया है। उन्होंने लिखा, जिस इलाके में हम तेल नहीं बेचते वहां कोई और भी तेल नहीं बेचेगा। अगर हमारी सुरक्षा पक्की नहीं हुई तो कोई भी इंफ्रास्ट्रक्चर सुरक्षित नहीं रहेगा और इस स्ट्रेट की सुरक्षा अमेरिकी सेनाओं के न होने में ही है। हमने बार-बार कहा है कि इस स्ट्रेट के हालात युद्ध से पहले वाली स्थिति में वापस नहीं आएंगे।

वहीं, ईरान के विदेश मंत्री सैयद अब्बास अराघची ने कहा कि उनका देश जैसे को तैसा वाली रक्षा नीति अपनाएगा। उन्होंने बुधवार को एक्स पर पोस्ट किया, ईरान के खिलाफ किसी भी तरह की आक्रामकता का जबरदस्त और निर्णायक जवाब दिया जाएगा।

यह बयान तब आया जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप ने चेतावनी दी कि अगर ईरान ने होर्मुज स्ट्रेट में किसी जहाज पर गोलीबारी की तो अमेरिकी सेना हर बार एक पुल या पावर प्लांट को नष्ट कर देगी।

उन्होंने अपने ट्रुथ सोशल प्लेटफॉर्म पर एक पोस्ट में लिखा, अब से जब भी इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ ईरान होर्मुज स्ट्रेट में किसी जहाज पर गोलीबारी करेगा चाहे वह मिसाइल, रॉकेट, ड्रोन या किसी अन्य उपकरण या हथियार से हो तो अमेरिका एक पुल या पावर प्लांट पर बमबारी करके उसे नष्ट कर देगा। इसमें राजधानी तेहरान के पास या उसके अंदर स्थित पुल या पावर प्लांट भी शामिल होंगे।

जापान में भीषण गर्मी, साल का सबसे गर्म दिन हुआ दर्ज

टोक्यो, (वार्ता)। जापान इस समय भीषण और जानलेवा गर्मी की चपेट में है। देश के कुछ शहरों में तापमान 40 डिग्री सेल्सियस से ऊपर जाने की आशंका जताई गई है। जापान के मौसम विभाग ने बुधवार को भीषण गर्मी को देखते हुए इसे एक नए वर्ग कोकुशोबी यानी बेहद भीषण गर्म दिन में शामिल किया है। विभाग ने देश के बड़े हिस्से में लू की चेतावनी भी जारी की है। प्रशासन ने लोगों से लगातार एयर कंडीशनर का इस्तेमाल करने, भरपूर पानी पीने और बहुत देर तक धूप में बाहर न निकलने की अपील की है। जापान में पिछले कुछ सालों से भीषण गर्मी पड़ रही है। पिछले साल यहाँ अब तक का सबसे अधिक तापमान 41.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था। इस बार भीषण गर्मी शुरू होने से पहले ही, 6 से 12 जुलाई के बीच लू लगने के कारण 4,580 लोगों को अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा, जिनमें से सात लोगों की मौत हो चुकी है। गर्मी के बढ़ते प्रकोप को देखते हुए ही मौसम विभाग ने 40 डिग्री या उससे अधिक तापमान वाले दिनों के लिए इस साल कोकुशोबी की नई श्रेणी बनाई है।

हिटलर के जन्मस्थान में खुला पुलिस स्टेशन, ऑस्ट्रिया ने जर्मन तानाशाह की भयानक विरासत को दी नई पहचान

वियना

ऑस्ट्रिया ने ब्रौनौ एम इन शहर में उस घर में एक पुलिस स्टेशन खोल दिया है जहां जर्मन तानाशाह एडॉल्फ हिटलर का जन्म हुआ था. यह 17वीं सदी के पुराने सराय के बारे में सालों से चल रहे विवाद के बाद हुआ है। इसी घर में अप्रैल 1889 में नाज़ी तानाशाह एडॉल्फ हिटलर का जन्म हुआ था। पुलिस स्टेशन के उद्घाटन समारोह में पुलिस म्यूजिशियन टुबा और अन्य वाद्ययंत्र बजाए गए। इसमें गृह मंत्री गेरहार्ड कार्नर और अन्य स्थानीय गणमान्य लोग शामिल हुए। इस दौरान ने कार्नर ने कहा कि ऑस्ट्रिया अतीत की भयानक विरासत की जिम्मेदारी ले रहा है।

उन्होंने कहा, यह घर अब डेमोक्रेसी, कानून का राज, सुरक्षा, आजादी और इंसानी इज्जत की जगह बन जाएगा। पुलिस चीफ इंस्पेक्टर लुडविग हाइज़ ने कहा, हमें काम करने के लिए इतनी शानदार, मॉडर्न बिल्डिंग मिलने पर खुशी है। यह ऑस्ट्रिया के किसी भी दूसरे पुलिस स्टेशन जैसा ही है। कई सालों तक गृह मंत्रालय ने यह बिल्डिंग लोकल महिला गेरलिंडे पोमर से किराए पर ली थी ताकि इसे कट्टर दक्षिणपंथी टूरिज्म के लिए इस्तेमाल होने से रोका जा सके। बाद में इसे खास जरूरतों वाले लोगों के लिए डे सेंटर के तौर पर इस्तेमाल किया गया। 2011 में रिनोवेशन पर रोक के बाद बिल्डिंग खाली हो गई। 2016 में पार्लियामेंट ने कानून पास कर सरकार को घर जब्त करने की इजाजत दी और पोमर को इसका हर्जाना दिया।

हालांकि, इसे लेकर पोमर कोर्ट गईं लेकिन केस हार गईं। शुरुआत में बिल्डिंग तोड़ने का प्रस्ताव आया, लेकिन आलोचना के बाद 2019 में इसे पुलिस स्टेशन बनाने का फैसला लिया गया। पुरानी पीली बिल्डिंग को ठीक करने में लाखों यूरो खर्च हुए। अब यह अंदर-बाहर से सफेद रंग की है और चमचमाती ओक की लकड़ी से सजी हुई है।

यहां पुलिस स्टेशन खुलने के फैसले से हर कोई खुश नहीं है। कुछ लोग चाहते थे कि यह घर नाजी अतीत का सामना करने वाला जिम्मेदारी का सेंटर बने। लोकल हिस्टोरियन फ्लोरियन कोटेंको ने कहा कि वे लेबेनशिल्फ चैरिटी को वापस देखना पसंद करते। घर पर इसके इतिहास के बारे में कोई साइन नहीं है। सिक्योरिटी कैमरे लगे हैं ताकि किसी भी संभावित नियो-नाजी गतिविधि को रिकॉर्ड किया जा सके। इसे हिटलर से जोड़ने वाली सिर्फ एक चीज बाहर सड़क पर लगा पत्थर है, जिस पर लिखा है, फिर कभी फासिज्म नहीं; लाखों मरे हुओं की याद में, यह पत्थर पास के माउथौसेन कॉन्सेंट्रेशन कैंप से लाया गया है।

सरकार युवाओं के भविष्य और हितों की रक्षा करने के लिये प्रतिबद्ध : नड्डा

नयी दिल्ली, (वार्ता)

केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जेपी नड्डा ने कहा है कि सरकार युवाओं के भविष्य और हितों की रक्षा करने के लिए प्रतिबद्ध है। श्री नड्डा ने गुरुवार को सोशल मीडिया एक्स पर लिखा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार युवाओं के भविष्य और हितों की रक्षा के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा, पेपर लीक जैसी गंभीर चुनौती से निपटने के लिए फास्ट-ट्रैक कोर्ट बनाने और दोषियों के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई करने का श्री मोदी का संकल्प, युवाओं के प्रति हमारी सरकार की संवेदनशीलता और प्रतिबद्धता का स्पष्ट प्रमाण है।

भारतीय जनता पार्टी के पूर्व अध्यक्ष ने लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए कहा कि इसके विपरीत विपक्ष और उसके नेता श्री गांधी संसद में इस महत्वपूर्ण मुद्दे पर सार्थक चर्चा करने से बच रहे हैं ।विपक्षी दल इसके बजाय सड़कों पर जनता को गुमराह करने की कोशिश कर रहे हैं, जो लोकतांत्रिक मूल्यों के विपरीत उनके गैर-जिम्मेदाराना व्यवहार को दर्शाता है।

प्राकृतिक संसाधनों का गैर-कानूनी दोहन संघर्षों को बढ़ावा दे रहा है : गुटेरेस

न्यूयॉर्क, (वार्ता)

संयुक्त राष्ट्रसंघ महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने प्राकृतिक संसाधनों के अवैध दोहन से पूरी दुनिया में संघर्षों के बढ़ने की चेतावनी देते हुए यह सुनिश्चित करने का आग्रह किया है खनिज संपदा का लाभ स्थानीय समुदायों को मिले। श्री गुटेरेस ने प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन पर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की खुली बहस को संबोधित करते हुए कहा कि लिथियम, कोबाल्ट, निकेल और दुर्लभ तत्वों जैसे महत्वपूर्ण खनिजों की बढ़ती वैश्विक मांग ने आर्थिक अवसर तो पैदा किए लेकिन साथ ही दुनियाभर में प्रतिस्पर्धा और संघर्ष के जोखिम भी बढ़ा दिए हैं। श्री गुटेरेस ने कहा, वैश्विक बाजारों से बढ़ती मांग उत्पादक देशों में विकास को आगे बढ़ाने के लिए महत्वपूर्ण अवसर पैदा कर रही है। उन्होंने कहा कि संसाधनों को गैर-कानूनी तरीके से निकालने से होने वाली कमाई सशस्त्र समूहों को मजबूत करने, स्थानीय हिंसा को अंतरराष्ट्रीय आपराधिक नेटवर्क से जोड़ने और राजनीतिक समझौते के लिए प्रोत्साहन कम करने में मदद कर रही है।

उन्होंने कहा, हम इसे पूर्वी डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो में देखते हैं, जहां सशस्त्र समूहों ने अवैध खनन और खनिज तस्करी का लाभ उठाया है और नागरिकों को चल रहे संघर्ष की कीमत चुकानी पड़ी है। श्री गुटेरेस ने सूडान का जिक्र करते हुए कहा कि वहां सोने और गम अरेबिक सहित संसाधनों के दोहन ने हिंसा और विस्थापन में योगदान दिया है।

उन्होंने कहा, हर जगह, सबसे बड़ा बोझ सबसे कम शक्तिशाली लोगों पर पड़ता है। महिलाएं और

बच्चे और वे समुदाय जो उस भूमि से विस्थापित हो जाते हैं जिसमें संपदा होती है। संयुक्त राष्ट्रसंघ महासचिव प्राकृतिक संसाधनों को संघर्ष का स्रोत बनने से रोकने के लिए, मजबूत अंतरराष्ट्रीय कार्रवाई का आह्वान किया और चार प्रमुख प्राथमिकताओं न्याय, रोकथाम, विवादों का शांतिपूर्ण समाधान और जलवायु कार्रवाई पर प्रकाश डाला। श्री गुटेरेस ने खनिज प्रबंधन पर कहा कि उत्पादक देशों और समुदायों को अपने स्वयं के संसाधनों से अधिक लाभ मिलना चाहिए। उन्होंने कहा, अब उस पुराने पैटर्न को तोड़ने का समय आ गया है जहां संसाधनों को गैर-कानूनी तरीके से निकाला जाता है और मूल्य कहीं और हासिल किया जाता है तथा गरीब समुदायों को पर्यावरणीय और सामाजिक-आर्थिक नुकसान से निपटने के लिए पीछे छोड़ दिया जाता है। उन्होंने जिम्मेदार निवेश, निष्पक्ष मूल्य श्रृंखला, स्थानीय प्रसंस्करण और पारदर्शिता के मजबूत उपायों का आह्वान किया ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि संसाधन-समृद्ध देश अधिक आर्थिक मूल्य बनाए रख सकें।

श्री गुटेरेस ने कहा, देशों और समुदायों को सबसे पहले और सबसे अधिक अपने ही इलाके के संसाधनों से लाभ मिलना चाहिए। संयुक्त राष्ट्र महासचिव ने खनिज आपूर्ति श्रृंखला में शामिल देशों से अधिक सहयोग करने की अपील की।

राज्यों पर भरोसा करने एवं नीट को खत्म करने का समय आ गया है : स्टालिन

चेन्नई, (वार्ता)

द्रमुक के अध्यक्ष एम.के. स्टालिन ने गुरुवार को कहा कि नीट उन तीनों मुख्य वादों को पूरा करने में नाकाम रहा है जिनके आधार पर इसे शुरू किया गया था और छात्रों का चल रहा विरोध केंद्र सरकार के लिए एक चेतावनी होनी चाहिए कि अब समय आ गया है कि सरकार राज्यों पर भरोसा करें और इस परीक्षा को खत्म कर दे। श्री स्टालिन ने कहा कि नीट ने पढ़ाई का केंद्र स्कूलों से हटाकर कोचिंग सेंटरों तक पहुंचा दिया है और इसके साथ समस्या हमेशा से ढांचागत रही है न कि सिर्फ प्रक्रिया से जुड़ी; हाल की घटनाओं ने इस चिंता को सही साबित किया है। एक्स पर एक पोस्ट में, एक अंग्रेज़ी दैनिक में लिखे अपने लेख का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा, नीट को तीन मुख्य वादों के साथ शुरू किया गया था, बोझ कम करना, व्यावसायीकरण खत्म करना और मानकों में सुधार करना। इन सभी मामलों में नीट नाकाम रहा है। इसने पढ़ाई-लिखाई का केंद्र स्कूलों से हटाकर कोचिंग सेंटरों तक पहुंचा दिया है।

श्री स्टालिन ने कहा, नीट के साथ समस्या हमेशा से ढांचागत रही है, न कि सिर्फ़ प्रक्रिया से जुड़ी। हाल की घटनाओं ने इस चिंता को सही साबित किया है। छात्रों का चल रहा विरोध केंद्र सरकार के लिए एक चेतावनी होनी चाहिए। अब राज्यों पर भरोसा करने का समय आ गया है। अब नीट को खत्म करने का समय आ गया है। द्रमुक प्रमुख ने कहा कि नयी दिल्ली में छात्रों के विरोध-प्रदर्शन ने पूरे देश का ध्यान खींचा है और सिर्फ़ नीट को खत्म करने से ही इन सभी समस्याओं का स्थायी समाधान मिल सकेगा।

धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे से कम कुछ स्वीकार्य नहीं : माकपा

नयी दिल्ली, (वार्ता)

मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) महासचिव एम. ए. बेबी ने गुरुवार को कहा कि अगर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी वास्तव में मानते हैं कि हमारे युवाओं के भविष्य से अधिक महत्वपूर्ण कुछ नहीं है, तो उन्हें तुरंत अपने शिक्षा मंत्री से इस्तीफा लेना चाहिए।

सोशल मीडिया पर जारी एक पोस्ट में श्री बेबी ने प्रधानमंत्री मोदी के उस बार-बार दोहराए जाने वाले दावे पर सवाल उठाया, जिसमें उन्होंने कहा था कि देश के युवाओं का भविष्य सर्वोपरि है। माकपा नेता ने तर्क दिया कि जब तक शिक्षा मंत्री को उनके पद से नहीं हटाया जाता, तब तक ऐसे दावों की कोई विश्वसनीयता नहीं होगी। उन्होंने कहा कि छात्रों और अभिभावकों की चिंताओं को दूर करने के लिए केवल आश्वासन या बयान देना पर्याप्त नहीं होगा। उन्होंने कहा, इससे कम कुछ भी स्वीकार्य नहीं है। धर्मेंद्र प्रधान को जाना ही होगा! माकपा नेता की यह टिप्पणी प्रतियोगी परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं, पेपर लीक और प्रदर्शनकारी छात्रों पर पुलिस कार्रवाई के आरोपों को लेकर केंद्र पर बढ़ते विपक्षी दबाव के बीच आई है।

अमेरिका-सऊदी अरब के बीच नागरिक परमाणु समझौता

वाशिंगटन/रियाद,(वार्ता)। अमेरिका और सऊदी अरब ने एक ऐतिहासिक नागरिक परमाणु समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। इस समझौते के तहत अमेरिकी कंपनियां सऊदी अरब को उसका परमाणु ऊर्जा कार्यक्रम विकसित करने में मदद करेंगी। समझौते की पूरी शर्तें हालांकि सार्वजनिक नहीं की गई हैं लेकिन मीडिया रिपोर्टों के अनुसार यह सऊदी अरब को अपनी ही ज़मीन पर यूरेनियम संवर्धित करने की अनुमति दे सकता है। यूरेनियम का इस्तेमाल बिजली बनाने के साथ-साथ परमाणु बम के निर्माण में भी हो सकता है।

जेकेएसएसबी पेपर लीक उपराज्यपाल प्रशासन के समय हुआ था: उमर

श्रीनगर, (वार्ता)

जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने गुरुवार को केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा के जम्मू-कश्मीर सेवा चयन बोर्ड (जेकेएसएसबी) पेपर लीक पर दिये गये बयानों को गलत तरीके से पेश करने का आरोप लगाते हुए याद दिलाया कि भर्ती घोटाला 2022 में उप-राज्यपाल के नेतृत्व वाले प्रशासन के दौरान हुआ था और इससे नेशनल कॉन्फ्रेंस-कांग्रेस सरकार का कोई लेना देना नहीं है।

श्री उमर ने लीक की जांच के लिए बनाई गई उच्च-स्तरीय समिति के नतीजों पर सवाल उठाते हुए श्री नड्डा से अपने अगले संवाददाता सम्मेलन में इसके निष्कर्षों का खुलासा करने को कहा। श्री नड्डा ने परीक्षा में अनियमितताओं को लेकर छात्रों के चल रहे विरोध-प्रदर्शन पर बुधवार शाम एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए दावा किया था कि जेकेएसएसबी पेपर लीक तब हुआ था जब कांग्रेस और नेशनल कॉन्फ्रेंस (एनसी) सत्ता में थीं।

श्री उमर ने सोशल मीडिया पर कहा, जेपी नड्डा जी, जम्मू-कश्मीर में एसएसबी पेपर लीक के बारे में आप बिलकुल सही हैं लेकिन आपने तारीख गलत बताई है। यह 2022 की बात है। सरकार एनसी और कांग्रेस की नहीं थी। यह उप-राज्यपाल के नेतृत्व वाली सरकार थी लेकिन इस विफलता की याद दिलाने के लिए आपका धन्यवाद। इसमें जम्मू-कश्मीर उच्च न्यायालय की ये टिप्पणियां और आदेश शामिल थे। उन्होंने कहा, हमें नहीं पता कि उच्च-स्तरीय समिति या उसकी रिपोर्ट का क्या हुआ। शायद आप अपने अगले संवाददाता सम्मेलन में हमारे साथ यह जानकारी साझा कर सकें।

एनसी के मुख्य प्रवक्ता और विधायक तनवीर सादिक ने भी श्री नड्डा पर तथ्यों को गलत तरीके से पेश करने का आरोप लगाया।

श्री सादिक ने सोशल मीडिया पर लिखा, यह हैरानी की बात है कि भाजपा के मंत्री जेपी नड्डा साहब ने ऐसा दावा किया जो तथ्यों से बिलकुल अलग है।

फिल्म/टीवी मनोरंजन

विजय की आखिरी फिल्म जना नायकन की ग्लोबल रिलीज पर जश्न का माहौल

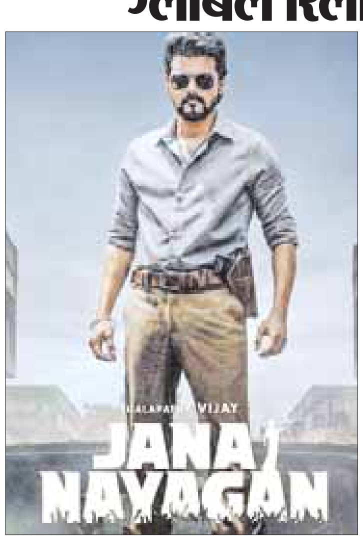

तमिल सुपरस्टार और तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी जोसेफ विजय की आखिरी फिल्म जना नायकन की वैश्विक रिलीज पर पूरे राय में जश्न का माहौल है। गौरतलब है कि यह फिल्म पहले पोंगल त्योहार के दौरान रिलीज होने वाली थी। लेकिन कानूनी और सेंसरशिप की बाधाओं के कारण लगभग छह महीने की देरी का शिकार हो गई। इन बाधाओं को पार करने के बाद इसे 30 देशों में लगभग 4,000 स्क्रीन पर रिलीज किया गया, जिसमें तमिलनाडु में लगभग 1,000 स्क्रीन शामिल हैं। यह किसी तमिल फिल्म के लिए सबसे बड़ी रिलीज में से एक रही और इसे बॉक्स ऑफिस पर जबरदस्त सराहना मिली। श्री विजय की आखिरी फिल्म होने के कारण सभी उम्र के उनके प्रशंसकों ने सिनेमाघरों में पटाखे फोड़कर, मिठाइयां बांटकर और ढोल की थाप पर नाचकर भव्य जश्न मनाया। कुछ जिलों में इस मौके पर गरीबों के लिए कल्याणकारी उपाय किए गए। कुछ जगहों पर उत्साही प्रशंसकों और महिलाओं ने मिट्टी के बर्तनों में मीठा पोंगल बनाया और दोनों तरफ गन्ने रखे, जिससे जनवरी में मनाए जाने वाले पारंपरिक फसल उत्सव पोंगल की यादें ताजा हो गईं। श्री विजय के कैबिनेट सहयोगियों के अलावा कई फिल्म अभिनेता, अभिनेत्रियां, संगीत निर्देशक और फिल्म निर्माता रायभर में फिल्म का पहला शो देखने पहुंचे। एच. विनोद द्वारा निर्देशित और केवीएन प्रोडक्शंस के तहत वेंकट के. नारायणन द्वारा निर्मित इस फिल्म को केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड (सीबीएफसी) से यू प्रमाण-पत्र मिला है। तीन घंटे से अधिक की अवधि वाली यह फिल्म भावनाओं और राजनीतिक नाटक का एक दमदार मिश्रण पेश करती है। इस फिल्म के साथ खास बात यह है कि प्रचार सामग्री में श्री विजय को माननीय मुख्यमंत्री कहकर संबोधित किया गया है, जो उनके वास्तविक जीवन के राजनीतिक सफर को दर्शाता है। गौरतलब है कि तेलुगु हिट फिल्म भगवंत केसरी की रीमेक, जना नायकन ने अपनी भावनात्मक मूल भावना को बनाए रखा है, साथ ही इसमें मजबूत राजनीतिक पहलू भी शामिल किए गए हैं। फिल्म में पूजा हेगड़े, ममिता बैजू, प्रकाश राज, बॉबी देओल, गौतम वासुदेव मेनन, प्रियामणि और नारायण जैसे कई बड़े कलाकार शामिल हैं।

कृष्णा कौल और मदिराक्षी मुंडले की रोमांटिक जोड़ी दिखेगी स्टार प्लस के सैराब में

टेलीविजन अभिनेता कृष्णा कौल स्टार प्लस के लोकप्रिय धारावाहिक सैराब में अभिनेत्री मदिराक्षी मुंडले के साथ रोमांटिक अंदाज में नजर आएंगे। निर्माताओं को उम्मीद है कि दोनों कलाकारों की ऑन-स्क्रीन केमिस्ट्री दर्शकों को आकर्षित करेगी। सैराब ने अपने प्रसारण की शुरुआत से ही इशान और नयनिका की भावनात्मक प्रेम कहानी के माध्यम से दर्शकों के बीच पहचान बनाई है। शो की कहानी, रोमांस और कलाकारों के अभिनय को दर्शकों का अच्छा प्रतिसाद मिला है। शो से जुड़ने पर खुशी व्यक्त करते हुए कृष्णा कौल ने कहा कि वह सैराब परिवार का हिस्सा बनकर बेहद उत्साहित हैं। उन्होंने कहा कि दर्शकों ने इस शो को अब तक जिस तरह का प्यार दिया है, वह शानदार है। कृष्णा ने मदिराक्षी मुंडले की प्रशंसा करते हुए कहा कि वह एक बेहतरीन कलाकार हैं और उनके साथ काम करने को लेकर वह काफी उत्साहित हैं। उन्होंने विश्वास जताया कि दोनों मिलकर दर्शकों के लिए कई यादगार पल रचेंगे। कृष्णा ने कहा कि उनके किरदार में कई परतें हैं और दर्शकों को कहानी में रोमांस, ड्रामा तथा कई दिलचस्प मोड़ देखने को मिलेंगे। उन्होंने सैराब को अपने अभिनय सफर का एक महत्वपूर्ण पड़ाव भी बताया।

किसी को खोने का डर उसकी अहमियत का अहसास कराता है : गुलकी जोशी

सोनी सब के धारावाहिक यादें में डॉ. सृष्टि की भूमिका निभा रहीं अभिनेत्री गुलकी जोशी का कहना है कि कई बार किसी व्यक्ति की असली अहमियत का एहसास तब होता है, जब उसे खोने का डर सामने खड़ा हो।सोनी सब का शो यादें अपने हास्य, भावनाओं और रोचक मेडिकल मामलों के कारण दर्शकों के बीच लोकप्रिय बना हुआ है। आगामी एपिसोड्स में डॉ. सृष्टि खुद को ऐसी भावनाओं से जूझते हुए पाएंगी, जिन्हें वह पीछे छोड़ चुकी थीं। अस्पताल में डॉ. देव और डॉ. प्रीति के बढ़ते करीबियों को देखकर उनके मन में अपनी भावनाओं को लेकर नए सवाल खड़े होने लगते हैं।

शो में जहां डॉ. सृष्टि डिग्री के साथ अपने भविष्य पर ध्यान केंद्रित करने की कोशिश करती हैं, वहीं वह बार-बार डॉ. देव की ओर आकर्षित होती नजर आती हैं। दूसरी ओर, डॉ. देव अपनी जिंदगी के नए अध्याय को अपनाने में व्यस्त हैं और डॉ. प्रीति की मौजूदगी उन्हें नया नजरिया दे रही है।

आगामी कहानी पर चर्चा करते हुए गुलकी जोशी ने कहा, डॉ. सृष्टि ने खुद को यह विश्वास दिला दिया है कि आगे बढ़ना ही सही रास्ता है, लेकिन भावनाएं हमेशा तर्क का अनुसरण नहीं करतीं। जब डॉ. प्रीति उनकी जिंदगी में आती हैं, तब सृष्टि के लिए डॉ. देव के प्रति अपनी भावनाओं को नजरअंदाज करना मुश्किल हो जाता है। मुझे लगता है कि बहुत से लोग इस स्थिति से जुड़ाव महसूस करेंगे, क्योंकि कभी-कभी आप किसी की असली अहमियत तब समझते हैं जब आप उन्हें खोने वाले होते हैं।

स्वच्छ ग्राम की दिशा में बड़ा कदम

ठोस अपशिष्ट प्रबंधन को लेकर ग्राम पंचायतों का विशेष प्रशिक्षण सम्पन्न

नरसिंहपुर। स्वतंत्रमत।

स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) के अंतर्गत जिले में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन व्यवस्था को सुदृढ़ एवं प्रभावी बनाने के उद्देश्य से गुरुवार को जनपद पंचायत करेली एवं चांवरपाठा की ग्राम पंचायतों के सरपंच, सचिव, ग्राम रोजगार सहायकों (जीआरएस) तथा स्वच्छताकर्मियों का प्रशिक्षण आयोजित किया गया। प्रशिक्षण में ग्राम स्तर पर ठोस अपशिष्ट प्रबंधन के प्रभावी क्रियान्वयन, निगरानी व्यवस्था तथा स्वच्छता संबंधी कार्यों की रूपरेखा पर विस्तार से मार्गदर्शन दिया गया। करेली में आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री गजेन्द्र सिंह नागेश, अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री उदय प्रताप सिंह, सुश्री शानू चौधरी, जनपद पंचायत करेली के मुख्य कार्यपालन अधिकारी सहित संबंधित अधिकारी-कर्मचारी, सरपंच, सचिव एवं ग्राम रोजगार सहायक उपस्थित रहे। प्रशिक्षण के दौरान सीईओ जिला पंचायत श्री नागेश ने ग्राम पंचायतों को घर-घर कचरा संग्रहण की प्रभावी व्यवस्था विकसित करने, कचरे का वैज्ञानिक एवं व्यवस्थित निपटान सुनिश्चित करने तथा ग्राम स्तर पर ठोस अपशिष्ट प्रबंधन की कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रत्येक ग्राम पंचायत की प्राथमिक जिम्मेदारी अपने क्षेत्र को स्वच्छ एवं स्वस्थ बनाए रखना है। प्रशिक्षण में बड़े कचरा उत्पादकों की पहचान करने, पुराने अपशिष्ट संधारण स्थलों का सर्वेक्षण एवं सूची तैयार करने तथा उनके वैज्ञानिक प्रबंधन पर विशेष जोर दिया गया।

साथ ही ग्राम पंचायतों से निकलने वाले गीले, सूखे, सैनिटरी एवं विशेष श्रेणी के कचरे का स्रोत स्तर पर पृथक्करण (सेग्रीगेशन) कर सुरक्षित एवं पर्यावरण अनुकूल निपटान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। प्रशिक्षण में बताया कि ठोस अपशिष्ट प्रबंधन के प्रभावी क्रियान्वयन से न केवल गांवों में स्वच्छता का स्तर बेहतर होगा, बल्कि पर्यावरण संरक्षण, जनस्वास्थ्य और सतत विकास के लक्ष्यों को प्राप्त करने में भी महत्वपूर्ण सफलता मिलेगी।

ढिगसरा में निःशुल्क आयुर्वेद चिकित्सा शिविर सम्पन्न

नरसिंहपुर। स्वतंत्रमत।

संचालनालय आयुष भोपाल के निर्देशानुसार एवं कलेक्टर रजनी सिंह के मार्गदर्शन में शासकीय आयुर्वेद औषधालय काशीखैरी द्वारा आंगनवाड़ी केंद्र ढिगसरा में गुरुवार को निश्शुल्क आयुर्वेद चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में ग्रामीणों एवं बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया तथा उन्हें निश्शुल्क आयुर्वेदिक औषधियों का वितरण किया गया। विशेषज्ञों द्वारा उनकी समस्याओं के अनुसार उपचार एवं आवश्यक परामर्श भी दिया गया। वर्षा ऋतु में होने वाले रोगों से बचाव के लिए लोगों को आहार-विहार संबंधी महत्वपूर्ण जानकारी दी गई। साथ ही स्वच्छता, संतुलित खान-पान एवं नियमित दिनचर्या अपनाने की सलाह देकर स्वस्थ जीवनशैली के प्रति जागरूक किया गया। यह शिविर ग्रामीण क्षेत्र में स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच बढ़ाने एवं आमजन को आयुर्वेद पद्धति के प्रति जागरूक करने की दिशा में एक सराहनीय पहल है।

ई-केवायसी व योजनाओं के पंजीयन के लिए आज शहरी वार्डों एवं ग्राम पंचायतों में लगाए जाएंगे शिविर

नरसिंहपुर। स्वतंत्रमत। जिले में विभिन्न शासकीय योजनाओं का लाभ प्रत्येक पात्र हितग्राही तक पहुंचाने तथा पात्र हितग्राहियों की ई-केवायसी, समग्र ई-केवायसी एवं विभिन्न योजनाओं के लंबित पंजीयन कार्यों को पूर्ण करने के उद्देश्य से कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह के निर्देशानुसार 24 जुलाई को नगर पालिका नरसिंहपुर के सुभाष वार्ड व भगत सिंह वार्ड में शिविर आयोजित किए जाएंगे। इसी प्रकार ग्रामीण क्षेत्र में 24 जुलाई को जिले की जनपद पंचायत करेली की ग्राम पंचायत सिमरिया कलां, सुआतला, तिंसरा व उमरिया, जनपद पंचायत नरसिंहपुर की ग्राम पंचायत मुराछ, मुर्गाखेड़ा, नकटुआ, नवलगांव व नयागांव, जनपद पंचायत चीचली की ग्राम पंचायत रातीकरार, सहावन, शाहपुर, सिल्हेटी, सिंहपुर छोटा व सीरगांव, जनपद पंचायत गोटेगांव की ग्राम पंचायत नादिया, नगवारा, नेगुवां, नोनी व पिपरसरा और जनपद पंचायत चांवरपाठा की ग्राम पंचायत मदनपुर, मड़ेसुर, महगुवा, मनकवारा व मनकापुर में शिविर लगाए जाएंगे। शिविरों के दौरान नागरिकों की ई-केवायसी एवं समग्र ई-केवायसी, डुप्लीकेट, मृतक एवं स्थायी रूप से पलायन कर चुके व्यक्तियों के नाम विलोपित करने की कार्रवाई तथा एक आधार से लिंक एकाधिक समग्र आईडी का निराकरण किया जाएगा। ग्रामीण क्षेत्रों में यह कार्य पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के जीआरएस तथा शहरी क्षेत्रों में नगरीय प्रशासन के माध्यम से किया जाएगा। इसके अलावा पटवारियों द्वारा किसानों का यूनिक फार्मर आईडी पंजीयन, पोस्टमैन के माध्यम से आधार कार्ड अपडेट, आशा एवं आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं द्वारा आयुष्मान कार्ड निर्माण तथा आजीविका मिशन के माध्यम से प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना के आवेदन भी भरवाए जाएंगे। प्रदेश शासन के परिवहन एवं स्कूल शिक्षा मंत्री श्री उदय प्रताप सिंह और कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह के नेतृत्व में गुरूवार को नगर परिषद चीचली द्वारा 1 हजार पौधे लगाए गए पौधे रोपण कार्यक्रम में शासकीय उत्कृष्ट स्कूल से समस्त शिक्षक,छात्र एवं नगर परिषद अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहें।

एक पेड़ मां के नाम अभियानः चीचली में हुआ एक हजार पौधों का रोपण

रैली निकालकर नागरिकों को दिया पौधरोपण करने का संदेश

नरसिंहपुर। स्वतंत्रमत।

एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत प्रदेश शासन के परिवहन एवं स्कूल शिक्षा मंत्री श्री उदय प्रताप सिंह एवं कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह के नेतृत्व में नगर परिषद चीचली द्वारा व्यापक पौधरोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान लगभग एक हजार पौधों का रोपण कर पर्यावरण संरक्षण के साथ मातृत्व सम्मान का संदेश दिया गया।आयोजित पौधरोपण कार्यक्रम में नगर परिषद के अधिकारी-कर्मचारी, स्व-सहायता समूह की सदस्य, शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय चीचली के शिक्षक, बड़ी संख्या छात्र-छात्राएं और आम नागरिकों ने उत्साह के साथ बढ़-चढ़कर सहभागिता की। सभी ने पौधे लगाकर पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया। इस अवसर पर आम, कटहल, जामुन, काजू, अमरूद एवं अशोक जैसे फलदार एवं छायादार पौधों का रोपण किया गया, जो भविष्य में क्षेत्र में हरियाली बढ़ाने के साथ पर्यावरण संतुलन बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। जनजागरूकता के उद्देश्य से विद्यार्थियों द्वारा नगर में रैली भी निकाली गई, जिसके माध्यम से आम नागरिकों को अधिक से अधिक पौधरोपण करने एवं एक पेड़ मां के नाम अभियान से जुड़ने का आह्वान किया गया। पौधरोपण कार्यक्रम के माध्यम से आमजन को पौधों के संरक्षण और देखरेख के प्रति भी प्रेरित किया गया। यह पहल न केवल पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, बल्कि समाज में सकारात्मक और भावनात्मक संदेश देने का सशक्त माध्यम भी बन रही है।

स्वर गंधर्व कार्यक्रम में मनाया गया पार्श्व गायक मुकेश का जन्मदिन

नरसिंहपुर। स्वतंत्रमत।

आनंदम म्यूजिकल ग्रुप के द्वारा सिने जगत के मशहुर गायक मुकेश चंद्र माथुर जी का 103 वा जन्मदिन स्वर गंधर्व कार्यक्रम अभिनंदन गार्डन में सनातन परंपरा से शुरू हुआ।ग्रुप के सबसे बड़े सदस्य के श्री राम गोपाल पाठक के द्वारा मां सरस्वती के पूजन एवं मनीषा धुर्वे , माधव शिन्दे द्वारा मां की वंदना से प्रारंभ हुआ।इस कार्यक्रम में मुकेश के जोरदार गीतों की प्रस्तुति देकर उन्हें श्रद्धांजलि दी गई।

अनिल नेमा के द्वारा मुकेश चंद माथुर का सफरनामा बताया गया। कार्यकम में भागीरथ विश्वकर्मा,मुकेश शर्मा, संजय मेहरा, अरविंद पाठक, बृजेश विश्वकर्मा, विकास हार्दिक नेमा, योगेश गुप्ता, सूर्यकांत नेमा, आशुतोष वर्मा, मनीषा धुर्वे, माधव शिन्दे, अनिल नेमा, करन जोगलेकर, विश्वनाथ ठाकुर, गजेंद्र कोष्ठा आदि ने मुकेश के शानदार नगमे प्रस्तुत किए। कार्यक्रम का संचालन भागीरथ विश्वकर्मा ने किया । आभार प्रदर्शन संजय मेहरा द्वारा किया गया।

भाजयुमो का 'आजाद प्रेरणा पर्व' भव्यता के साथ संपन्न

युवाओं ने चंद्रशेखर आजाद की मूर्ति पर किया माल्यार्पण

युवाओ ने विकसित भारत संकल्प की ली शपथ

नरसिंहपुर। स्वतंत्रमत। भारतीय जनता युवा मोर्चा द्वारा अमर शहीद चंद्रशेखर आजाद की जयंती के अवसर पर आयोजित 'आजाद प्रेरणा पर्व' स्थानीय सुभाष पार्क स्थित चंद्रशेखर आजाद जी की मूर्ति पर माल्यार्पण करते हुए भाजपा जिलाध्यक्ष पं.रामस्नेही पाठक, पूर्व राज्य मंत्री जालम सिंह पटेल, सोशल मीडिया जिला संयोजक श्रीकांत श्रीवास्तव, मंडल अध्यक्ष अंशुल नेमा, कार्यक्रम प्रभारी आकाश सेन, सह प्रभारी अभिषेक रघुवंशी एवं संदीप पटेल की उपस्थिति एवं कुशल मार्गदर्शन में आयोजित किया गया। राष्ट्रभक्ति और भारी उत्साह के साथ युवा मोर्चा के कार्यकर्ताओं और स्थानीय युवाओं ने मिलकर देश की आजादी के महानायक को उनकी जयंती पर भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए भाजपा जिलाध्यक्ष पं रामस्नेही पाठक ने कहा कि ''आज का दिन केवल एक उत्सव नहीं, बल्कि अपनी जड़ों और राष्ट्रभक्ति के संकल्प को दोहराने का दिन है। अमर शहीद चंद्रशेखर आजाद जी ने मात्र 24 वर्ष की आयु में देश के लिए सर्वस्व न्योछावर कर दिया था। उनका नाम सुनते ही रगों में देशभक्ति का खून दौड़ने लगता है। आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव जी के नेतृत्व में देश एवं प्रदेश का युवा आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में लगा है। युवा मोर्चा के कंधे पर देश की बहुत बड़ी जिम्मेदारी है।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पूर्व राज्य मंत्री जालम सिंह पटेल ने कहा कि क्रांतिकारियों के बलिदान के कारण ही आज हम स्वतंत्र भारत में सांस ले रहे हैं। युवा मोर्चा का यह 'आजाद प्रेरणा पर्व' देश की युवा पीढ़ी को अपनी जड़ों और गौरवशाली इतिहास से जोड़ने का एक सशक्त माध्यम है। आज के युवाओं को आजाद जी के निर्भीक चरित्र से प्रेरणा लेकर नशे जैसी सामाजिक बुराइयों से दूर रहना चाहिए और राष्ट्र निर्माण व समाज सेवा के कार्यों में अपनी सहभागिता बढ़ानी चाहिए।''कार्यक्रम प्रभारी भाजयुमो प्रदेश कार्यसमिति सदस्य आकाश सेन ने कहा कि वीर चंद्रशेखर आजाद जी का जीवन हमें सिखाता है कि परिस्थितियां चाहे कितनी भी कठिन क्यों न हों, अपने देश और सिद्धांतों से कभी समझौता नहीं करना चाहिए। आज भारतीय जनता युवा मोर्चा 'आजाद प्रेरणा पर्व' के माध्यम से उनके उसी अदम्य साहस को गांव-गांव और घर-घर तक पहुंचाने का काम कर रहा है। युवाओं ने आज जो उत्साह दिखाया है, वह इस बात का गवाह है कि हमारी युवा शक्ति देश की सेवा के लिए पूरी तरह समर्पित है।''इसके बाद अंत में कार्यकर्ताओं को विकसित भारत संकल्प की शपथ दिलाई गई।

उक्त जानकारी देते हुए युवा मोर्चा जिला मीडिया प्रभारी प्रखर दुबे ने बताया कि कार्यक्रम का संचालन युवा मोर्चा के जिला महामंत्री अभिषेक रघुवंशी एवं आभार युवा मोर्चा के गोटेगांव ग्रामीण मंडल अध्यक्ष संदीप पटेल ने किया। इस अवसर पर भाजपा के जिला उपाध्यक्ष मनोज ठाकुर,नीलेश पटेल, जिला मंत्री अमन दुबे,मंडल अध्यक्ष शिवम,श्रीवास्तव,सौरभ शर्मा, उदित शर्मा,सहित मंडल के महामंत्री सहित युवा मोर्चा के कार्यकर्ताओं की उपस्थित रही।

कांग्रेस सेवा दल के अखिल भारतीय मुख्य संगठक से मध्यप्रदेश के पदाधिकारियों ने की भेंट

गाडरवारा (स्वतंत्र मत)।

भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के फ्रंटल संगठन कांग्रेस सेवा दल के अखिल भारतीय मुख्य संगठक बी. वी. श्रीनिवास से मध्यप्रदेश कांग्रेस सेवा दल के पदाधिकारियों ने एआईसीसी, इंदिरा भवन, नई दिल्ली में सौजन्य भेंट की। श्री बी. वी. श्रीनिवास को जून 2026 में कांग्रेस अध्यक्ष श्री मल्लिकार्जुन खड़गे द्वारा इस महत्वपूर्ण पद पर नियुक्त किया गया है।उन्होंने पूर्व मुख्य संगठक श्री लालजी देसाई का स्थान लिया है।

इस अवसर पर मध्यप्रदेश कांग्रेस सेवा दल के मुख्य संगठन आदरणीय अवनीश भार्गव जी एवं मध्य प्रदेश कांग्रेस सेवादल सचिव श्री शिवकुमार नीखरा एवं श्री गणेश तिवारी मुस्तान खान ने उनसे भेंट कर नई जिम्मेदारी के लिए हार्दिक शुभकामनाएं एवं बधाई प्रेषित की। पदाधिकारियों ने कहा कि श्री श्रीनिवास के नेतृत्व में कांग्रेस सेवा दल पूरे देश में संगठन को और अधिक मजबूत करेगा तथा जनता की सेवा के संकल्प को आगे बढ़ाएगा।श्रीनिवास ने भी मध्यप्रदेश के कार्यकर्ताओं के समर्पण की सराहना की और संगठनात्मक कार्यों में सक्रिय भागीदारी का आह्वान किया। भेंट के दौरान संगठन विस्तार, सेवा कार्यों एवं आगामी कार्यक्रमों को लेकर भी चर्चा हुई।

पुलिस ने 72 ग्राम स्मैक के साथ 2 मादक पदार्थ तस्करों को किया गिरफ्तार

गाडरवारा (स्वतंत्र मत) । नशे से दूरी है जरूरी 2.0 अभियान के तहत नरसिंहपुर पुलिस एक ओर जिलेभर में जन-जागरूकता अभियान चलाकर युवाओं, विद्यार्थियों एवं आम नागरिकों को नशे के दुष्परिणामों से अवगत करा रही है, वहीं दूसरी ओर पुलिस अधीक्षक, डॉ. ऋषिकेश मीना के निर्देशन में चलाए जा रहे 'ऑपरेशन ईगल क्लॉ' के माध्यम से नशे के कारोबार में संलिप्त तस्करों एवं पैडलर्स पर लगातार कठोर प्रहार कर रही है। नरसिंहपुर पुलिस का स्पष्ट संदेश है कि नशे के प्रति जागरूकता और नशा कारोबारियों के विरुद्ध सख्त कार्यवाही - दोनों साथ-साथ रहेगी। इसी क्रम में थाना गाडरवारा पुलिस द्वारा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संदीप भूरिया एवं अनुविभागीय अधिकारी (पुलिस) गाडरवारा ललित सिंह डागुर के मार्गदर्शन में कार्याही करते हुए दिनांक 18 जुलाई 2026 एवं 21 जुलाई 2026 को प्रभावी कार्यवाही करते हुए 02 मादक पदार्थ तस्करों को गिरफ्तार किया। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 72 ग्राम स्मैक (अनुमानित कीमत रु. 7,20,000) तथा घटना में प्रयुक्त 02 मोबाइल फोन जब्त किए हैं। दोनों आरोपियों के विरुद्ध एनडीपीएस एक्ट की संगत धाराओं के तहत अपराध पंजीबद्ध कर न्यायालय में प्रस्तुत किया गया।

कार्यालय नगरपालिका परिषद करेली जिला, नरसिंहपुर (म.प्र.)

(Main Road, Kareli Phone: 07793-270046
Email: cmokareli@mpurban.gov.in)

क्र. 1648/स्व.भा.मि. / 2026-27 दिनांक - 22/07/2026

सार्वजनिक सूचना

एतद् द्वारा सर्वसंबंधितो को सूचित किया जाता है कि पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय द्वारा पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम, 1986 के अंतर्गत ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम 2026 अधिसूचित किए गए हैं, जो दिनांक 01 अप्रैल 2026 से पूर्ण रूप से प्रभावी हो गए हैं, और निकाय सीमा क्षेत्र अंतर्गतन वीन ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम, 2026 लागू कर दिये गए हैं।

उक्त नियम के नियम क्र. 3 (झ/i), 6 एवं 10 में थोक कचरा उत्पादक (Bulk Waste Generator (BWG) की श्रेणी के लिए वर्णित परिभाषा एवं प्रावधानों को जमीनी स्तर पर लागू करने का निर्णय लिया गया है। जिसके अनुसार थोक कचरा उत्पादक की परिभाषा इस प्रकार हैः-

'भारी मात्रा के अपशिष्ट जनित' वो इकाइयां जो निम्नलिखत मानदंडों में से कम से कम एक को पूरा करते होः-

(i) 20,000 वर्ग मीटर या उससे अधिक क्षेत्रफल (Floor Area) वाले भवन या

(ii) प्रतिदिन 40,000 लीटर पानी की खपत या

(iii) प्रतिदिन 100 किलो ग्राम ठोस अपशिष्ट उत्पादन सम्मिलित है

उक्तानुसार निकाय सीमा क्षेत्र अंतर्गत आने वाले मैरीज गार्डन, होटल/रेस्टोरेन्ट, धर्मशाला, छात्रावास, सामुदायिक भवन, रहवासी संघ एवं अन्य संस्थान आदि जो कम से कम एकमान दंड को पूरा करते है तो वे ठोस अपशिष्ट प्रबंधन अधिनियम-2026 के अनुसार थोक कचरा उत्पादक की श्रेणी में माने जावेंगे। ऐसे थोक कचरा उत्पाको को ठोस अपशिष्ट प्रबंधन अधिनियम-2026 का पालन किया जाना अनिवार्य है।

थोक कचरा उत्पादक हेतु दिशा निर्देश-

1. सभी थोक कचरा उत्पादकों को केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा तैयार केन्द्री कृत पोर्टल (Centralised Portal) पर पंजीयन कराया जाना अनिवार्य है।
2. संस्थान में उत्पन्न गीले, सूखे एवं घरेलु खतरनाक अपशिष्ट को पृथक्कीकृत कर एकत्र करना।
3. एकत्र गीले कचरे का संस्थान में ही निष्पादन करना।
4. पिट कम्पोस्टिंग, बायोगैस या आ.डब्यू.सा. मशीन या अन्य माध्यमों से कचरे का निष्पादन करना।
5. प्रतिदिन उत्पन्न कचरे के नियमानुसार प्रबंधन हेतु केयर टेकर को नियुक्त करना।
6. निष्पादित गीले कचरे से उत्पन्न खाद का उपयोग करना।
7. संस्थान से निलकने वाले सूखे एवं अन्य अपशिष्ट को निकाय के अधिकारिक कचरा संग्राहक को सौंपना। प्रतिदिन प्रसंस्कृत किये गये गीले अपशिष्ट एवं उत्पन्न खाद की लॉग बुक का संधारण करना।
8. यदि संस्थान अपने परिसर में ही गीले कचरे के प्रसंस्करण करने में असमर्थ है, तो नियमानुसार निकाय अथवा निकाय द्वारा अधिकृत संस्थान से गीले कचरे के प्रसंस्करण हेतु अनुबंध निष्पादन कर निकाय से विस्तारित थोक अपशिष्ट जनित उत्तर दायित्व प्रमाण पत्र (Extended Bulk Waste Generator Responsibility (EBWGR) Certificate) प्राप्त किया जाना सुनिश्चित करें।
9. ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम, 2026 के नियम क. 6 एवं 10 में वर्णित समस्त प्रावधानों का पालन किया जाना अनिवार्य है।

उपरोक्त दिशा-निर्देशों का पालन करते हुए सभी थोक कचरा उत्पादक अपने परिसर में ही कचरे का निष्पादन किया जाना सुनिश्चित करें अन्यथा निकाय द्वारा नियमानुसार कार्यवाही की जावेगी। यदि उल्लेखित संस्थान आदि उक्त अधिनियम का उल्लंघन करते पाए जाते है, तो संबंधित के विरुद्ध दण्डात्मक कार्यवाही की जावेगी

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर पालिका परिषद, करेली

स्व-सहायता समूह से जुड़कर बैजंती बाई बनीं आत्मनिर्भरता की मिसाल

नरसिंहपुर। स्वतंत्रमत। कभी सीमित आय और आर्थिक चुनौतियों से जूझ रहा एक साधारण परिवार, आज आत्मनिर्भरता और महिला सशक्तिकरण की प्रेरक पहचान बन चुका है। यह कहानी है चांवरपाठा विकासखंड के ग्राम डोभी निवासी बैजंती बाई पटेल की, जिन्होंने अपने साहस, मेहनत और स्व-सहायता समूह की ताकत के बल पर देसी घी निर्माण को सफल आजीविका का माध्यम बनाकर न केवल अपने परिवार की आर्थिक स्थिति मजबूत की, बल्कि क्षेत्र की अनेक महिलाओं के लिए भी प्रेरणा का स्रोत बन गईं। आठवीं तक शिक्षित बैजंती बाई, श्री सुरेश पटेल की धर्मपत्नी हैं। वे सितंबर 2020 को आदर्श संकुल स्तरीय संगठन डोभी के अंतर्गत संचालित आजाद स्व-सहायता समूह से जुड़ीं। उस समय उनके परिवार की आय का प्रमुख आधार खेती और पशुपालन था, जिससे दैनिक आवश्यकताओं की पूर्ति भी कठिन हो जाती थी। समूह से जुड़ने के बाद बैजंती बाई को प्रशिक्षण, मार्गदर्शन और आत्मविश्वास मिला। उन्होंने अपने अनुभव और उपलब्ध संसाधनों का उपयोग करते हुए पारंपरिक विधि से शुद्ध देसी घी का निर्माण शुरू किया। शुरुआती दौर में बाजार बनाना आसान नहीं था, लेकिन उन्होंने गुणवत्ता से कभी समझौता नहीं किया। धीरे-धीरे उनके द्वारा तैयार किए गए शुद्ध देसी घी की पहचान बनी और स्थानीय बाजारों के साथ आसपास के गांवों में भी इसकी मांग लगातार बढ़ने लगी। आज बैजंती बाई नियमित रूप से देसी घी का उत्पादन और विपणन कर रही हैं। इस उद्यम से उन्हें प्रतिवर्ष लगभग 2 लाख रुपये की आय प्राप्त हो रही है। इस अतिरिक्त आय ने उनके परिवार की आर्थिक स्थिति में उल्लेखनीय सुधार किया है। अब वे बच्चों की शिक्षा, घरेलू जरूरतों और भविष्य की योजनाओं को आत्मविश्वास के साथ पूरा कर रही हैं। बैजंती बाई कहती हैं, स्व-सहायता समूह ने मुझे केवल रोजगार नहीं दिया, बल्कि आत्मविश्वास और सम्मान के साथ जीने का अवसर भी दिया है। आज मेरी अपनी पहचान है और मैं चाहती हूँ कि हर महिला अपने हुनर को पहचानकर आत्मनिर्भर बने।

नशे से दूरी है जरूरी 2.0 अभियान : नुक्कड़ नाटक व कठपुतली से लोगों को किया जागरूक

नरसिंहपुर। स्वतंत्रमत। कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह के निर्देशन में नशे से दूरी है जरूरी 2.0 अभियान के तहत सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग द्वारा चावरपाठा क्षेत्र में व्यापक जनजागरूकता गतिविधियां आयोजित की गईं। इस अंतर्गत उत्कृष्ट विद्यालय चावरपाठा, ग्राम पंचायत चावरपाठा, छात्रावास पुत्रीशाला विद्यालय और हायर सेकेंडरी विद्यालय डोभी में नुक्कड़ नाटक एवं कठपुतली कार्यक्रम के माध्यम से नशामुक्ति का संदेश दिया गया। प्रस्तुतियों के जरिए नशे के दुष्परिणामों को प्रभावी ढंग से दर्शाते हुए विद्यार्थियों एवं ग्रामीणों को इससे दूर रहने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित छात्र-छात्राओं, शिक्षकों एवं ग्रामीणजनों को नशामुक्ति की शपथ भी दिलाई गई। सभी ने नशे से दूर रहने एवं समाज में इसके खिलाफ जागरूकता फैलाने का संकल्प लिया।

इस अवसर पर विद्यालयों के शिक्षक, छात्र-छात्राएं एवं ग्रामीणजन बड़ी संख्या में उपस्थित रहे और अभियान में उत्साहपूर्वक सहभागिता की। यह पहल समाज में नशामुक्ति के प्रति सकारात्मक वातावरण तैयार करने की दिशा में एक प्रभावी कदम साबित हो रही है।

हर बच्चे का नामांकन और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा हो सुनिश्चित : कलेक्टर तिवारी

कमजोर प्रगति पर बीआरसीसी कटनी को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश

कटनी (स्वतंत्रमत)

कलेक्टर आशीष तिवारी ने कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में स्कूल शिक्षा विभाग की विभागीय योजनाओं की प्रगति की विस्तृत समीक्षा किया। उन्होंने स्पष्ट कहा कि शिक्षा शासन की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में है और इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। उन्होंने अधिकारियों को परिणाम आधारित कार्य संस्कृति अपनाने तथा निर्धारित समय-सीमा में सभी लक्ष्यों की शत-प्रतिशत पूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इस दौरान जिला पंचायत सीईओ हरसिमरनप्रीत कौर भी मौजूद रहीं।

जुलाई के अंत तक शत-प्रतिशत नामांकन के निर्देश

कलेक्टर ने कक्षा 1, 6 एवं 9 सहित सभी कक्षाओं में जुलाई माह के अंत तक शत-प्रतिशत नामांकन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि कोई भी पात्र बच्चा स्कूल से बाहर नहीं रहना चाहिए। लक्ष्य अधूरा रहने पर संबंधित अधिकारियों की जवाबदेही तय की जाएगी।

कमजोर प्रगति पर सख्ती, बीआरसीसी कटनी को नोटिस

समीक्षा के दौरान विकासखंड कटनी की प्रगति अपेक्षित नहीं पाए जाने पर कलेक्टर ने गहन नाराजगी जाहिर की। बीआरसीसी द्वारा सही तरीके से विभागीय योजनाओं की जानकारी नहीं देने और गोल-मोल जवाब देने पर बीआरसीसी कटनी मनोज गौतम को कारण बताओ सूचना पत्र जारी करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि समीक्षा बैठकों में केवल आंकड़े प्रस्तुत करना पर्याप्त नहीं है, धरातल पर परिणाम भी दिखाई देने चाहिए।

डिजिटल शिक्षण और अपार आईडी पर विशेष जोर

बैठक में ई-अटेंडेंस, अपार आईडी, यू-डायस डाटा, डिजिटल अध्यापन, ई-मटेरियल के उपयोग तथा निपुण विद्यालयों की तैयारियों की समीक्षा की गई। कलेक्टर ने इन सभी कार्यों में तेजी लाने तथा गुणवत्ता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने जर्जर विद्यालय भवनों की मरम्मत एवं आवश्यक कार्रवाई तत्काल पूर्ण कराने के निर्देश दिए। कार्यपालन यंत्री ग्रामीण यांत्रिकी सेवा मेघा मौर्य को डाइट भवन का निरीक्षण कर शीघ्र मरम्मत का प्राक्कलन तैयार करने के लिए निर्देशित किया।

निरीक्षण केवल औपचारिकता नहीं, शिक्षण सुधार का माध्यम बने

कलेक्टर ने निरीक्षण करने वाले अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे विद्यालयों में जाकर कक्षा अवलोकन करें, विद्यार्थियों के सीखने के स्तर का मूल्यांकन करें, स्वयं अध्यापन कर शिक्षकों का मार्गदर्शन करें तथा प्रत्येक निरीक्षण को परिणाममूलक बनाएं।

उत्कृष्ट शिक्षकों को मिलेगा सम्मान

बैठक में नवाचार करने वाले शिक्षकों की जानकारी प्रस्तुत की गई। कलेक्टर ने निर्देश दिए कि प्रत्येक समीक्षा बैठक में उत्कृष्ट कार्य करने वाले 10 शिक्षकों को सम्मानित किया जाए तथा उनके नवाचारों का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाए, ताकि जिले में गुणवत्तापूर्ण शिक्षण का वातावरण विकसित हो। बैठक में जिला शिक्षा अधिकारी सच्चिदानंद पांडे, डाइट प्राचार्य एम.पी. डुंगडुंग, कार्यपालन यंत्री मेघा मौर्य, सहायक संचालक राजेश अग्रहरी, डीपीसी प्रेमनारायण तिवारी, डाइट व्याख्याता राजेन्द्र असाटी सहित विभागीय अधिकारी तथा सभी विकासखंडों के बीईओ एवं बीआरसीसी उपस्थित रहे।

सेक्रेड हार्ट में हुई अग्नि सुरक्षा मॉक ड्रिल

विद्यार्थियों को खतरे से जागरूक करने आयोजन

कटनी (स्वतंत्रमत)। विद्यार्थियों एवं शिक्षकों में अग्नि सुरक्षा के प्रति जागरूकता विकसित करने तथा आपातकालीन परिस्थितियों में सही एवं सुरक्षित तरीके से कार्य करने की जानकारी प्रदान करने के उद्देश्य से सेक्रेड हार्ट इंग्लिश मीडियम हायर सेकेंडरी स्कूल, में अग्नि सुरक्षा मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान अग्निशमन विभाग के विशेषज्ञों द्वारा आग लगने की विभिन्न परिस्थितियों में अपनाई जाने वाली सावधानियों, अग्निशामक यंत्र (फायर एक्सटिंग्विशर) के सुरक्षित एवं प्रभावी उपयोग तथा आपातकालीन निकासी की प्रक्रिया का व्यावहारिक प्रदर्शन किया गया। विद्यार्थियों एवं शिक्षकों ने प्रशिक्षण में सक्रिय सहभागिता करते हुए सुरक्षा संबंधी महत्वपूर्ण जानकारियाँ प्राप्त कीं। इस अवसर पर विद्यालय की प्राचार्या नूपुर कपूर ने कहा कि विद्यालय केवल शैक्षणिक शिक्षा का केंद्र नहीं, बल्कि जीवनोपयोगी कौशलों के विकास का भी माध्यम है। अग्नि सुरक्षा जैसे प्रशिक्षण विद्यार्थियों में जागरूकता, अनुशासन, आत्मविश्वास तथा आपदा प्रबंधन की समझ विकसित करते हैं। ऐसी गतिविधियाँ उन्हें किसी भी आपातकालीन स्थिति में संयम एवं जिम्मेदारी के साथ कार्य करने के लिए तैयार करती हैं।

राजस्व लक्ष्य पूरा करने निगम का सख्त अभियान

कम वसूली वाले वार्डों पर निगमायुक्त की नाराजगी

कटनी (स्वतंत्रमत)

नगर निगम ने राजस्व संग्रह बढ़ाने के लिए अभियान तेज करने का फैसला किया है। समीक्षा बैठक में निगमायुक्त तपस्या परिहार ने स्पष्ट किया कि राजस्व लक्ष्य हर हाल में समय-सीमा के भीतर पूरा किया जाए। उन्होंने कहा कि वसूली कार्य में लापरवाही या ढिलाई बरतने वाले अधिकारियों और कर्मचारियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। बैठक में संपत्ति कर, जलकर, बाजार बैठकी, दुकान किराया, बिल वितरण, संपत्ति सर्वे तथा ऑनलाइन नामांतरण प्रकरणों की प्रगति की समीक्षा की गई। वार्डवार समीक्षा के दौरान कई क्षेत्रों में वसूली की धीमी रफ्तार पर निगमायुक्त ने नाराजगी जताते हुए संबंधित वसूलीकर्ताओं को अभियान में तेजी लाने के निर्देश दिए। निगमायुक्त ने कहा कि प्रत्येक वार्ड में बिल वितरण और संपत्ति सर्वे समयबद्ध एवं त्रुटिरहित तरीके से पूरा किया जाए। करदाताओं को बकाया कर की जानकारी मोबाइल संदेशों के माध्यम से उपलब्ध कराई जाए तथा अग्रिम संपत्ति कर जमा करने पर दी जा रही 5 प्रतिशत की छूट का अधिक से अधिक लाभ दिलाकर राजस्व संग्रह बढ़ाया जाए। उन्होंने सभी अधिकारियों को प्रतिदिन की प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश देते हुए कहा कि अब वसूली कार्य की रोजाना मॉनिटरिंग होगी। जिन क्षेत्रों में अपेक्षित सुधार नहीं दिखेगा, वहां जिम्मेदार अधिकारियों और कर्मचारियों की जवाबदेही तय की जाएगी। बैठक में ऑनलाइन नामांतरण प्रकरणों के शीघ्र निराकरण पर भी जोर दिया गया। निगमायुक्त ने निर्देश दिए कि लंबित मामलों की सर्वे रिपोर्ट समय पर तैयार कर सभी नामांतरण प्रकरणों का ऑनलाइन निस्तारण सुनिश्चित किया जाए, ताकि नागरिकों को बिना विलंब सेवाएं मिल सकें। बैठक में राजस्व अधिकारी जागेश्वर प्रसाद पाठक, सहायक राजस्व अधिकारी सागर नायक, राजस्व निरीक्षक, सहायक राजस्व निरीक्षक, राजस्व उपनिरीक्षक तथा वसूली दल के कर्मचारी उपस्थित रहे।

बिना लाइसेंस बीज के विक्रय करने पर रीठी में विक्रेता के विरूद्ध दर्ज हुई एफआईआर

कटनी (स्वतंत्रमत)

किसानों को गुणवत्तायुक्त एवं प्रमाणित बीज उपलब्ध कराने के उद्देश्य से कलेक्टर आशीष तिवारी के निर्देश पर जिले में अवैध बीज व्यापारियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की गई है। कलेक्टर के निर्देश पर कृषि विभाग द्वारा रीठी क्षेत्र में छापेमारी कर बिना वैध लाइसेंस धान बीज का भंडारण और बिक्री करने वाले पाण्डेय कृषि केंद्र के संचालक के विरूद्ध गुरूवार को रीठी पुलिस थाना में एफआईआर दर्ज कराई गई है।

निरीक्षण में उजागर हुई अनियमितता- कृषि विभाग के बीज निरीक्षक मुकेश लोधी ने 8 जुलाई 2026 को ग्राम मुहास स्थित पाण्डेय कृषि केन्द्र का औचक निरीक्षण किया। जांच के दौरान पाया गया कि केंद्र बिना किसी वैध लाइसेंस के धान बीजों का भंडारण एवं विक्रय कर रहा था। कार्रवाई के दौरान विभाग ने कुल 7 क्विंटल धान बीज जब्त किए, जिनमें सुपर गंगा कावेरी (आईआर-64) 2.50 क्विंटल, अन्नदाता सीड्स (एमटीयू-1010) 4 क्विंटल तथा अन्नदाता सीड्स (आईआर-64) 50 किलोग्राम शामिल हैं।

आवश्यक वस्तु अधिनियम के तहत मामला दर्ज-बिना लाइसेंस बीज विक्रय करना बीज नियंत्रण आदेश, 1983 की धारा 3 का उल्लंघन है। साथ ही यह आवश्यक वस्तु अधिनियम, 1955 के तहत दंडनीय अपराध की श्रेणी में आता है। बीज निरीक्षक की रिपोर्ट पर उपसंचालक कृषि की शिकायत के आधार पर संचालक प्रभात पाण्डेय के खिलाफ आवश्यक वस्तु अधिनियम की धारा 3 एवं 7 के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस द्वारा मामले की जांच की जा रही है।

प्रशासन की सख्त चेतावनी

जिला प्रशासन ने सभी बीज विक्रेताओं को निर्देशित किया है कि वे बिना वैध लाइसेंस बीजों का भंडारण या विक्रय न करें। किसानों से भी अपील की गई है कि वे केवल अधिकृत विक्रेताओं से ही बीज खरीदें और खरीदते समय पक्की रसीद अवश्य लें। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि कृषि आदानों-बीज, खाद एवं कीटनाशक की गुणवत्ता से किसी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा और जिलेभर में सघन निरीक्षण अभियान लगातार जारी रहेगा।

छात्रों ने बनाई पेंटिंग, नशामुक्त समाज के निर्माण का दिया संदेश

कटनी (स्वतंत्रमत)। जिले में संचालित नशे से दूरी है जरूरी नशा मुक्ति अभियान के अंतर्गत छात्र-छात्राओं को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करने के लिए विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों में पोस्टर, पेंटिंग, चित्रकला, निबंध एवं अन्य जागरूकता प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। प्रतियोगिताओं के माध्यम से विद्यार्थियों ने नशे के दुष्परिणामों, स्वस्थ जीवनशैली, समाज में नशा उन्मूलन तथा युवाओं की सकारात्मक भूमिका जैसे विषयों पर अपनी रचनात्मक अभिव्यक्ति प्रस्तुत की। इस अवसर पर विद्यार्थियों को नशे से होने वाली शारीरिक, मानसिक, सामाजिक एवं आर्थिक हानियों की जानकारी देते हुए नशामुक्त समाज के निर्माण में भागीदारी का संदेश दिया गया। इस अवसर पर सेंटपॉल स्कूल, प्राथमिक पाठशाला, एनकेजे बजरिया, शासकीय स्कूल चाका, मंगल नगर, सरस्वती हायर सेकेंडरी स्कूल, शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय ढीमरखेड़ा, एक्सीलेंस स्कूल बहोरीबंद, स्वामी विवेकानंद महाविद्यालय, स्लीमनाबाद, हायर सेकेंडरी स्कूल, बरही, शासकीय हाईस्कूल, भुड़सा देवगांव, शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, खरहटा, गुरुकुल नालंदा स्कूल झिंझरी में आयोजित कार्यक्रम में छात्रों ने नशामुक्त समाज के निर्माण का संदेश दिया।

20 जुलाई को जारी हुआ एकेडमिक कैलेंडर

कटनी (स्वतंत्रमत)

उच्च शिक्षा विभाग की कार्यप्रणाली पर एक बार फिर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। शिक्षण सत्र 2026-27 के लिए स्नातक एवं स्नातकोर कक्षाओं का शैक्षणिक कैलेंडर 20 जुलाई को जारी किया गया, लेकिन हैरानी की बात यह है कि इसमें कक्षाएं शुरू करने की तिथि 1 जुलाई तय की गई है। जब शैक्षणिक कैलेंडर ही समय पर जारी नहीं हो पा रहा है, तो कैलेंडर के अनुसार पूरा सत्र कैसे संचालित होगा, यह बड़ा सवाल बन गया है। एक तरफ जहां नए सत्र की कक्षाएं शुरू करने के निर्देश दिए जा रहे हैं, वहीं दूसरी तरफ विश्वविद्यालयों द्वारा लगभग सभी सरकारी और बड़े कॉलेजों को परीक्षा केंद्र बना दिया गया है। 10 से 24 जुलाई तक बी.कॉम द्वितीय वर्ष की परीक्षाएं संचालित हो रही हैं। 28 जुलाई से 17 अगस्त तक बी.कॉम फर्स्ट ईयर की परीक्षाएं आयोजित की जाएंगी। बताया गया है कि परीक्षाओं के कारण कॉलेजों की बैठने की व्यवस्था में व्यापक फेरबदल किया गया है। ऐसे में जब परीक्षा हॉल व्यस्त हैं, तो नए विद्यार्थियों की नियमित कक्षाएं कहाँ और कैसे लगेंगी, यह व्यवस्था तंत्र की समझ से परे है।

अगस्त में भी पढ़ाई की संभावना कम, नए छात्रों में निराशा-कॉलेजों में परीक्षाओं के दौर को देखते हुए अगस्त माह में भी नियमित कक्षाएं सुचारू रूप से लगने की संभावना न के बराबर है। जीवन में पहली बार कॉलेज की देहरी लांघने वाले नव-प्रवेशित छात्रछात्राओं को इस अव्यवस्था से भारी निराशा हाथ लग रही है। शैक्षणिक कैलेंडर की मुख्य तिथियां (एक नजर में) पीजी प्रथम व तृतीय सेमेस्टर कक्षाएं 1 जुलाई से शुरू करने के निर्देश। इनका आंतरिक मूल्यांकन अगस्त के प्रथम सप्ताह से सितंबर के अंतिम सप्ताह के मध्य होगा। पीजी द्वितीय व चतुर्थ सेमेस्टर: कक्षाएं 15 दिसंबर से शुरू होंगी और आंतरिक मूल्यांकन फरवरी के प्रथम सप्ताह से मार्च 2027 के अंतिम सप्ताह के मध्य किया जाएगा।

एमपीईबी की सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुंचाने पर विभाग ने अपनाया सख्त रुख

कटनी (स्वतंत्रमत)

18 जुलाई को ग्राम भरवारा में उपभोक्ता द्वारा बिजली चोरी करने के उद्देश्य से अवैधानिक रूप से स्वयं पोल पर सीढ़ी लगाकर कुछ ही दिन पहले गांव में बदली गई नई केवल को सीढ़ी पर चढ़कर जलाया गया है जिससे कि उपभोक्ता डायरेक्ट अवैध रूप से बिजली कनेक्शन जोड़कर बिजली का उपयोग कर सके विभाग के संज्ञान में यह घटना आने पर तत्काल कनिष्ठ अभियंता खिरहनी-2, मनोज तिवारी के द्वारा मौके पर निरीक्षण किया गया एवं जांच करवाई की गई जांच में घटना का वीडियो सामने आया, जिसके आधार पर संबंधित उपभोक्ता ग्राम भरवारा निवासी आरोपी राजकुमार चौधरी पिता विष्णुल चौधरी, अजय चौधरी एंव सोने लाल चौधरी के विरुद्ध 22 जुलाई को कुठला थाने में एफआईआर दर्ज कराई गई। केबल जलने से विभाग को लगभग 60000 हजार रपये की क्षति हुई जिसकी रिकवरी आरोपी से कराई जाएगी। सरकारी विद्युत संपत्ति को नुकसान पहुंचाने के मामले में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस), 2023 की धारा 324(4) बी एवं विद्युत अधिनियम, 2003 की धारा 135 के तहत मनोज तिवारी, कनिष्ठ अभियंता द्वारा बनाये गौए पंचनामा के आधार पर थाने में एफआईआर दर्ज कराई गई। इसी प्रकार ग्राम कैलवारा में एक उपभोक्ता कालीचरण पटेल द्वारा अपने परिसर के बाहर लगे एलटी पोल को बिना विभागीय स्वीकृति के स्वयं के द्वारा ही एलटी पोल को काटकर अलग कर दिया गया एवं 7 फीट दूरी पर लगा दिया गया, उपभोक्ता द्वारा किए गए इस अवैधानिक कार्य एवं विभाग को हुई क्षति के संबंध में तत्काल जांच कर थाना कुठला में 22 जुलाई को एफआईआर दर्ज कराई गई। इस मामले में भी भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस), 2023 की धारा 324(4) बी एन एस 136(1) सी विद्युत अधिनियम लोक संपत्ति आधि 3(2)(क) 2003 की धारा के तहत तहत कार्रवाई की गई। मध्य प्रदेश पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी (एमपीईबी) ने स्पष्ट किया है कि विभाग की विद्युत लाइन, पोल, केबल, ट्रांसफार्मर अथवा अन्य सरकारी संपत्ति के साथ किसी

भी प्रकार की छेड़छाड़, क्षति या बिना अनुमति परिवर्तन करने वालों के विरुद्ध आगे भी सख्त कानूनी कार्रवाई जारी रहेगी। विभाग ने उपभोक्ताओं से अपील की है कि विभाग की पूर्व स्वीकृति के बिना एमपीईबी की लाइन, पोल, केबल अथवा अन्य विद्युत सामग्री से किसी भी प्रकार का छेड़खानी व हस्तक्षेप न करें। अन्यथा सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुंचाने एवं विद्युत अधिनियम के उल्लंघन पर भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) एवं विद्युत अधिनियम, 2003 के तहत कठोर दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी। इसके अतिरिक्त भी शहर के कई जग में ऐसे अवैध ई रिक्शा चार्जिंग एवं स्मार्ट मीटर में लूप लगाने के प्रकरण संज्ञान में आ रहे हैं जिसमें भी विभाग के तरफ से लगातार कार्रवाई की जा रही है उपभोक्ता बाहरी किसी भी प्रकार के फ्रॉड या बहकावे से बचे विभाग की किसी भी प्रकार की संपत्ति मीटर, लाइन इत्यादि में छेड़खानी एवं क्षति पहुंचने पर विभाग के तरफ से अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी जिसमें दोषी पाए जाने पर आरोपी को कारावास भी हो सकती है। मुख्य अभियंता जबलपुर क्षेत्र एस के गिरिया एवं अधीक्षण अभियंता डी न चौकीकर के मार्गदर्शन में कार्यपालन अभियंता शहर मुकेश महोबे एवं कटनी शहर के अन्य अभियंताओं के द्वारा लगातार कार्रवाई जारी है।

अशोक बर्णवाल ने मुख्य सचिव का कार्यभार ग्रहण किया

भोपाल (स्वतंत्र मत)। भारतीय प्रशासनिक सेवा (1991 बैच) के वरिष्ठ अधिकारी अशोक बर्णवाल ने गुरूवार को प्रदेश के 36वें मुख्य सचिव के रूप में कार्यभार ग्रहण किया। निवर्तमान मुख्य सचिव अनुराग जैन ने नवनियुक्त मुख्य सचिव बर्णवाल को मंत्रालय स्थित मुख्य सचिव कक्ष में कार्यभार सौंपा। उल्लेखनीय है कि सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा बुधवार 22 जुलाई को इस संबंध में आदेश जारी किए गए थे। इससे पहले इसी दिन भारत सरकार द्वारा निवर्तमान मुख्य सचिव अनुराग जैन को नीति आयोग का मुख्य कार्यपालन अधिकारी नियुक्त किया गया है।

कार्यालय नगर पालिक निगम, कटनी (म.प्र.)

क्रमांक/44/वाहन विभाग/2026-27 कटनी, दिनांक 01.07.2026

चौदहवी निविदा आमंत्रण सूचना

निम्नलिखित कार्य हेतु केन्द्रीयकृत प्रणाली में पंजीकृत ट्रेव्हल्स ऐजेंट/गाड़ी मालिकों से ऑन-लाईन निविदायें आमंत्रित की जाती है। निविदा का विस्तृत विवरण, शर्तें आदि वेबसाइट https://mptender.gov.in पर देखी जा सकती है।

क्र.	टेण्डर क्रमांक जारी दिनांक	कार्य का नाम	कार्य की समयावधि एवं लागत	निविदा प्रपत्र का मूल्य एवं ईएमडी	निविदा की अंतिम तिथि
1.	2026_UAD_522567_1	02 नग आटो मैजिक सवारी/ लोडर वाहन	1. 365 दिवस 2. रू. 8,60,000-00	1. रु. 2000-00 2. रू. 9000-00	11-08-2026

नोट - निविदा से संबधित किसी भी प्रकार के संशोधन का प्रकाशन ऑनलाईन https://mptender.gov.in की बेवसाइट पर ही किया जावेगा, पृथक से समाचार पत्र में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।

प्रभारी अधिकारी (वाहन)
वास्ते-आयुक्त
नगर पालिक निगम, कटनी

वैभव के तूफानी अर्धशतक से श्रेयस ने चखा जीत का स्वाद

जिम्बाब्वे को पहले टी-20 में सात विकेट से हराया

मैच की हाइलाइट्स

- श्रेयस अय्यर ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया था। भारत की तरफ से अशोक शर्मा इस मैच में अपना डेब्यू किया। पहले ही ओवर की पहली गेंद पर मयंक यादव ने ब्रायन बेनेट को ईशान किशन के हाथों कैच आउट कराया। भारत को दूसरी सफलता प्रिंस यादव ने दिलाई।
- प्रिंस यादव की गेंद पर 8 गेंदों में 10 रन बनाकर बेन करन प्रिंस यादव की गेंद पर वैभव सूर्यवंशी को कैच थमा बैठे। भारतीय टीम को तीसरा विकेट एक बार फिर मयंक यादव ने दिलाने में सफलता हासिल की। डायोन मायर्स बड़ा शॉट खेलने की कोशिश में शिवम दुबे के हाथों में गेंद मार बैठे। वह 14 गेंदों में महज 6 रन ही बना सके।
- कप्तान सिकंदर रजा भी पहले टी-20 मैच में बल्ले से कुछ खास कमाल नहीं दिखा सके। सिर्फ 4 रन बनाकर वह शिवम दुबे का शिकार बने। रवि विश्नोई ने भारतीय टीम को पांचवीं सफलता दिलाई। रयान बर्ल विश्नोई की जाल में फंस गए और बड़ा शॉट लगाने के चक्कर में कैच आउट हो गए। बाउंड्री लाइन के पास तिलक वर्मा ने रयान का एक बेहतरीन कैच पकड़ा। वह 35 गेंदों में 26 रन बनाकर आउट हुए।

हरारे (वार्ता)।

मयंक यादव और प्रिंस यादव (दो-दो विकेट) की शानदार गेंदबाजी के बाद युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी (50) के तूफानी अर्धतक की बदौलत भारत ने जिम्बाब्वे को पहले टी 20 में गुरूवार को सात विकेट से हराकर श्रेयस अय्यर को उनकी कप्तानी में पहली जीत का स्वाद दे दिया। 126 रनों का पीछा करते हुए भारतीय टीम ने महज 13.2 ओवर में जीत हासिल कर ली। भारत को वैभव सूर्यवंशी ने जोरदार शुरुआत दी। वैभव की अर्धशतकीय पारी की बदौलत भारत ने आसानी से इस मुकाबले को अपने नाम कर लिया। इस जीत के साथ ही भारत ने सीरीज में बढ़त बना ली है। दोनों देशों के बीच सीरीज का दूसरा मुकाबला अब 25 जुलाई यानी शनिवार को खेला जाएगा। भारत को वैभव सूर्यवंशी ने तेज शुरुआत दिलाई। लेकिन अभिषेक शर्मा महज एक रन बनाकर आउट हो गए। वैभव ने 18 गेंदों पर अपना अर्धशतक पूरा किया, लेकिन अगली ही गेंद पर आउट होकर पवेलियन लौट गए। ईशान किशन 3 चौके और 2 छक्के की मदद से 24 गेंदों में 35 रन बनाकर पवेलियन लौटे। जिम्बाब्वे ने भारत को 126 रनों का लक्ष्य दिया था। टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी जिम्बाब्वे ने वेस्ले मधेवेरे की 39 रनों की पारी की मदद से 20 ओवर में सात विकेट पर 125 रन बनाए। भारत के लिए मयंक यादव और प्रिंस यादव ने कमाल की गेंदबाजी करते हुए दो-दो विकेट झटकने में सफलता हासिल की। शिवम दुबे और रवि बिश्नोई भी एक-एक विकेट अपने नाम करने में सफल रहे। इससे पहले मैच की पहली ही गेंद पर मयंक यादव ने भारत को सफलता दिला दी थी और उनके दोहरे झटकों की बदौलत पावरप्ले में ही ज़िम्बाब्वे को तीन झटके लग गए थे। रज़ा के रूप में ज़िम्बाब्वे को 32 के स्कोर पर चौथा झटका लगा। हालांकि इसके बाद रायन बर्ल (26) और वेस्ली मधेवेरे(39) में साझेदारी पनपी। लेकिन मधेवेरे और तडिवनाशे मारुमानी (नाबाद 27) ने ज़िम्बाब्वे को 125 तक पहुंचाया।

भारत (प्लेइंग इलेवन)

वैभव सूर्यवंशी, अभिषेक शर्मा, ईशान किशन (विकेटकीपर), श्रेयस अय्यर (कप्तान), तिलक वर्मा, रिंकू सिंह, शिवम दुबे, रवि बिश्नोई, प्रिंस यादव, अशोक शर्मा, मयंक यादव।

जिम्बाब्वे (प्लेइंग इलेवन)

ब्रायन बेनेट, तादिवानाशे मारुमनी (विकेटकीपर), बेन करन, डायोन मायर्स, सिकंदर रज़ा (कप्तान), रयान बर्ल, वेस्ली मधेवेरे, ब्रैड इवांस, न्यूमैन न्यामुरी, रिचर्ड नगारवा, ब्लेसिंग मुजरबानी।

2027 में फिर से द ओवल में होगा डब्ल्यूटीसी फाइनल

दुबई (वार्ता)। वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) का फाइनल 2027 में फिर से द ओवल में खेला जायेगा। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद ने अगले तीन फाइनल की मेजबानी इंग्लैंड को दी है। लॉर्ड्स के मालिक मैरीलेबोन क्रिकेट क्लब के मैदान की पिचों को बेहतर बनाने की कोशिशों के कारण, अगला बड़ा फाइनल फिर से द ओवल में होगा। जगह बदलने का फैसला ईसीबी ने आईसीसी के साथ हुए समझौते की शर्तों के तहत लिया। इस फैसले के पीछे लॉर्ड्स की पिचों की क्वालिटी को लेकर चिंता भी एक वजह थी। पिछले महीने आईसीसी ने इस मैदान को पहला डिमेरिट पॉइंट दिया था, क्योंकि इंग्लैंड और न्यूज़ीलैंड के बीच टेस्ट मैच के लिए तैयार की गई पिच को असंतोषजनक माना गया था। एमसीसी ने भी माना है कि उन्हें इस समस्या को ठीक करने की जरूरत है। शुरुआत में यह तय माना जा रहा था कि 2025 के बाद अगला डब्ल्यूटीसी फाइनल फिर से लॉर्ड्स में होगा, हालाँकि इसकी सार्वजनिक रूप से कभी पुष्टि नहीं की गई थी। एमसीसी को उम्मीद है कि भविष्य में यह मैच फिर से लॉर्ड्स में होगा।

अनाहत सिंह वर्ल्ड जूनियर स्क्वैश चैंपियनशिप के क्वार्टर फाइनल में

नई दिल्ली (वार्ता)।

टॉप सीड अनाहत सिंह ने वर्ल्ड स्क्वैश जूनियर इंडिविजुअल चैंपियनशिप में अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए मलेशिया की डॉयस ये सैन ली को सीधे गेम में हराकर महिला क्वार्टर फाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली। पिछले साल ब्रॉन्ज़ मेडल जीतने वाली भारतीय खिलाड़ी ने 13/16वीं सीड खिलाड़ी को 11-4, 11-8, 11-3 से हराकर मैच पर पूरी तरह से अपना दबदबा बनाए रखा। अब सेमीफाइनल में जगह बनाने के लिए उनका मुकाबला मिस्र की 5/8वीं सीड हबीबा रिज़्क से होगा। रिज़्क ने अमेरिका की शार्लेट ज़े को चार गेम में हराकर अंतिम आठ में जगह बनाई। बेल्जियम की सवाना मोक्सहैम भी आगे बढ़ीं; उन्होंने एक गेम हारने के बाद वापसी करते हुए हांगकांग चीन की एना क्वांग को 3-1 से हराया। मिस्र की एक और खिलाड़ी, मलिका एलकाराक्सी ने अमेरिका की दिया यादव को हराकर क्वार्टर फाइनल में अपनी जगह पक्की की। पुरुषों के ड्रॉ में, टॉप सीड मोहम्मद ज़कारिया ने पाकिस्तान के नौमान खान को हराकर अगले दौर में प्रवेश किया, जबकि फ्रांस के अमीर खालिद-जौसेलिन और हांगकांग चीन के हेलेन टैंग ने भी सीधे गेम में जीत के साथ आगे का सफर तय किया। हालांकि, पुरुषों के इवेंट में भारत को झटका लगा क्योंकि आर्यवीर दीवान प्री-क्वार्टर फाइनल से बाहर हो गए। मौजूदा एशियाई अंडर-19 चैंपियन और 5/8वीं सीड खिलाड़ी को अमेरिका के यासीन शलाबी ने सीधे गेम में 11-4, 11-1, 11-5 से हराया। अन्य मैचों में, मलेशिया की व्हिटनी विल्सन ने ब्राजील की लौरा सिल्वा को हराया, जबकि सऊदी अरब के मोहम्मद अलनासफान ने पांच गेम के रोमांचक मुकाबले में इंग्लैंड के डायलन रॉबर्ट्स को हराकर क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। वर्ल्ड स्क्वैश जूनियर चैंपियनशिप में व्यक्तिगत प्रतियोगिता 25 जुलाई तक चलेगी, जिसके बाद 26 से 31 जुलाई तक पुरुषों और महिलाओं के टीम इवेंट होंगे।

बिना लड़े ही सेमीफाइनल में पहुंचीं लवलीना, पदक पक्का

ग्लासगो (वार्ता)।

ग्लासगो राष्ट्रमंडल खेलों 2026 में भारतीय मुक्केबाज लवलीना बोर्गोहेन का पदक पक्का हो गया है। उन्हें महिलाओं के 75 किग्रा वर्ग के सेमीफ़ाइनल में सीधे प्रवेश (बाई) मिला है, इसलिए उन्हें मेडल पक्का करने के लिए एक भी मुक़ाबला नहीं लड़ना पड़ा। कॉमनवेल्थ गेम्स में बॉक्सिंग के हर वेट कैटेगरी में दो ब्रॉन्ज़ मेडल दिए जाते हैं- सेमीफ़ाइनल में हारने वाले दोनों खिलाड़ियों को एक-एक मेडल मिलता है। इसलिए, जो बॉक्सर अंतिम चार में पहुँचता है, उसका पोडियम फ़िनिश (मेडल

जीतना) पक्का हो जाता है, भले ही वह हार जाए। लवलीना को बाई ड्रॉ के आकार की वजह से मिला। ग्लासगो 2026 में महिलाओं के 75 किग्रा वर्ग में केवल पाँच बॉक्सर शामिल हुईं, जिससे 28 जुलाई को केवल एक क्वार्टर-फ़ाइनल मुक़ाबला- इंग्लैंड की मैरी केट स्मिथ और नाइजीरिया की पेट्रीसिया मबाटा के बीच होना तय हुआ। बाकी तीन बॉक्सर लवलीना, ऑस्ट्रेलिया की एम्मा-सू ग्रीनट्री और तुवालु की टारोना ताफ़ाकी बिना मुक़ाबला लड़े ही आगे बढ़ गईं। टोक्यो 2020 में ब्रॉन्ज़ मेडल जीतने वाली और पूर्व वर्ल्ड चैंपियन लवलीना, फ़ाइनल में जगह बनाने के लिए 31 जुलाई को सेमीफ़ाइनल में ताफ़ाकी से भिड़ेंगी। ग्लासगो में 28 वर्षीय भारतीय बॉक्सर को चाहे किसी भी रंग का मेडल मिले, यह कॉमनवेल्थ गेम्स में उनका पहला पोडियम फ़िनिश होगा।

सिंधु, सेन और शेट्टी का हार के बाद चाइना ओपन में अभियान हुआ समाप्त

चांगझोउ (वार्ता)।

भारत की स्टार खिलाड़ी पीवी सिंधु को गुरुवार को चाइना ओपन 2026 बैडमिंटन टूर्नामेंट के महिला एकल राउंड ऑफ़ 16 में, पीवी सिंधु को घरेलू खिलाड़ी चेन युफेई से कड़े मुकाबले के बाद हार का सामना करना पड़ा और वह टूर्नामेंट से बाहर हो गईं। इसके बाद, लक्ष्य सेन और आयुष शेट्टी को भी अपने-अपने पुरुष एकल के दूसरे राउंड के मैचों में हार मिली, जिससे बीडब्ल्यूएफ सुपर 1000 टूर्नामेंट में भारत का सफर खत्म हो गया। दुनिया की 12वें नंबर की खिलाड़ी पीवी सिंधु को बैडमिंटन रैंकिंग में चौथे स्थान पर मौजूद चेन युफेई से 16-21, 22-20, 21-18 से हार मिली। चीनी खिलाड़ी ने वापसी करते हुए क्वार्टर फ़ाइनल में जगह बनाई। बीडब्लयूएफ वर्ल्ड टूर पर इन दोनों खिलाड़ियों के बीच दो हफ़्तों में यह दूसरा मुकाबला था। दो बार की ओलंपिक मेडलिस्ट सिंधु ने पिछले हफ़्ते जापान ओपन के सेमीफ़ाइनल में टोक्यो 2020 चैंपियन चेन युफेई को हराकर खिताब जीता था। पहले गेम में चेन युफेई ने 12-6 की बढ़त बना ली थी, लेकिन सिंधु ने वापसी करते हुए स्कोर 16-16 से बराबर किया और फिर अगले छह में से पांच पॉइंट जीतकर पहला गेम अपने नाम किया। भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी ने दूसरे गेम में भी खेल पर अपना दबदबा बनाए रखा

और 20-16 पर चार मैच पॉइंट हासिल किए।

हालांकि, चेन युफेई ने लगातार छह पॉइंट जीतकर उन चारों पॉइंट को बचाया और मैच को निर्णायक गेम (डिसाइडर) तक खींच लिया। निर्णायक गेम में शुरुआत में सिंधु आगे थीं, लेकिन चेन युफेई ने आखिरी पलों में खेल पर पकड़ बनाई और जीत हासिल की। यह मैच एक घंटे 29 मिनट तक चला। चेन युफेई के खिलाफ 16 मुकाबलों में सिंधु की यह नौवीं हार थी। इसके बाद, दुनिया के 23वें नंबर के खिलाड़ी आयुष शेट्टी को भी इसी तरह आयरलैंड के 24वें नंबर के खिलाड़ी न्हात गुयेन से 21-15, 13-21, 20-22 से हार का सामना करना पड़ा। निर्णायक गेम में वह 19-15 से आगे थे, लेकिन जीत हासिल नहीं कर सके। बैडमिंटन रैंकिंग में 14वें स्थान पर मौजूद लक्ष्य सेन को कनाडा के आठवें नंबर के खिलाड़ी विक्टर लाई से 21-19, 21-11 से हार का सामना करना पड़ा, जबकि वे पहले गेम में 15-9 से आगे चल रहे थे। इन दोनों खिलाड़ियों का मुकाबला इस साल की शुरुआत में ऑल इंग्लैंड ओपन के सेमीफाइनल में भी हुआ था, जिसमें लक्ष्य सेन ने निर्णायक गेम जीतकर जीत हासिल की थी। अब भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी 28 जुलाई से शुरू होने वाले ताइपे ओपन बीडब्ल्यूएफ सुपर 300 टूर्नामेंट में खेलते हुए नज़र आएंगे।

इंफोसिस ने आशीष कुमार दास को सीईओ नामित किया

बेंगलुरु (वार्ता)।

सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र की अग्रणी कंपनी इंफोसिस ने आशीष कुमार दास को नामित मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) नियुक्त किया है। वह अगले साल अप्रैल से पांच साल के लिए कंपनी के सीईओ एवं प्रबंध निदेशक बनेंगे। इंफोसिस के निदेशकमंडल की बैठक में उनकी नियुक्ति को मंजूरी प्रदान की गयी। कंपनी ने बताया कि श्री दास 23 जुलाई 2026 से कंपनी के नामित सीईओ बनाये गये हैं। उन्हें 01 अप्रैल 2027 से पांच साल के लिए सीईओ एवं प्रबंध निदेशक नियुक्त किये जाने का प्रस्ताव है, जो नियामकीय मंजूरियों के बाद होगा। श्री दास मौजूदा सीईओ सलिल

पारेख की जगह लेंगे जिनका दूसरा कार्यकाल 31 मार्च को पूरा हो रहा है। वह नौ साल से अधिक समय से इस पद पर हैं। कंपनी की प्रेस विज्ञप्ति में बताया गया है कि श्री दास तीन दशक से भी अधिक समय से इंफोसिस से जुड़े हुए हैं। वह इस समय विविध कारोबारों के वैश्विक प्रमुख हैं। इस दौरान उनका प्रदर्शन काफी अच्छा रहा है।

मारुति की नई ब्रेजा को भारत एनसीएपी में 5-स्टार सुरक्षा रेटिंग

नई दिल्ली (वार्ता)। देश की सबसे बड़ी कार निर्माता कंपनी मारुति सुजुकी इंडिया की आगामी नयी ब्रेज़ा को भारत न्यू कार असेसमेंट प्रोग्राम (भारत एनसीएपी) के तहत वयस्क यात्री सुरक्षा और बाल यात्री सुरक्षा दोनों में 5-स्टार सुरक्षा रेटिंग प्राप्त हुई है। कंपनी ने गुरुवार को बताया कि 24 जुलाई को पेश होने वाली नयी ब्रेजा ने कंपनी के 5-स्टार भारत एनसीएपी रेटेड वाहनों के पोर्टफोलियो को और सशक्त बनाया है। डिज़ायर, विक्टोरिस, इनविक्टो और ई विटारा पहले से इसमें शामिल हैं। मारुति सुजुकी की प्रेस विज्ञप्ति में बताया गया है कि नयी ब्रेज़ा में कई नये सक्रिय सुरक्षा फीचर्स दिये गये हैं, जिनमें ब्लाइंड स्पॉट वार्निंग विद लेन चेंज अलर्ट, रियर क्रॉस ट्रैफिक अलर्ट, फ्रंट पार्किंग सेंसर, टायर प्रेशर

मॉनिटरिंग सिस्टम, इमरजेंसी स्टॉप सिग्नल, सेफ एग्जिट वार्निंग आदि शामिल हैं। इसके अलावा, नयी ब्रेज़ा के सभी संस्करणों में छह एयरबैग दिये गये हैं। साथ ही, इसमें इलेक्ट्रॉनिक स्टेबिलिटी प्रोग्राम के साथ हिल होल्ड असिस्ट, एंटी-लॉक ब्रेकिंग सिस्टम (एबीएस) के साथ इलेक्ट्रॉनिक ब्रेकफोर्स डिस्ट्रीब्यूशन और आईएसओफिक्स चाइल्ड सीट एंकरेज जैसी सुरक्षा सुविधाएं भी उपलब्ध हैं। मारुति सुज़ुकी इंडिया के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी हिसाशी ताकेउची ने इस उपलब्धि पर कहा, साल 2016 से ब्रेज़ा भारत की सबसे अधिक बिकने वाली कॉम्पैक्ट एसयूवी रही है और लाखों ग्राहकों की पहली पसंद बनी हुई है। नयी ब्रेज़ा को मिली यह 5-स्टार भारत एनसीएपी रेटिंग ग्राहकों के भरोसे को और मजबूत करती है।

हिंदुस्तान पेट्रोलियम को 17,446 करोड़ रुपये का नुकसान

नई दिल्ली (वार्ता)। सार्वजनिक क्षेत्र की तेल विपणन कंपनी हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एचपीसीएल) को पश्चिम एशिया संकट के कारण चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में एकल आधार पर 17,446 करोड़ रुपये का कर पूर्व नुकसान हुआ है। हिंदुस्तान पेट्रोलियम ने बुधवार को निदेशकमंडल की बैठक के बाद वित्तीय परिणामों को मंजूरी प्रदान की। इसमें बताया गया है कि अप्रैल-जून 2026 की तिमाही में कंपनी की कुल आय 1,46,407 करोड़ रुपये रही। इस दौरान उसका कुल व्यय बढ़कर 1,63,853 करोड़ रुपये हो गया।

29 जुलाई से बायोएनर्जी उद्योग पर वैश्विक प्रदर्शनी एवं शिखर सम्मेलन

नई दिल्ली (वार्ता)। जैव ऊर्जा पर वैश्विक प्रदर्शनी एवं शिखर सम्मेलन बायोएनर्जी ग्लोबल-2026 इसी माह 29 से 31 तारीख राजधानी के यशोभूमि स्थित अंतराष्ट्रीय प्रदर्शनी और सम्मेलन केंद्र में आयोजित किया जाएगा। बायोएनर्जी क्षेत्र पर देश के इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम की आयोजक मीरा ट्रेड फेयर मीडिया प्रा लि ने गुरुवार को एक विज्ञप्ति में बताया कि कार्यक्रम का उद्घाटन 29 जुलाई को सुबह 10.30 बजे केंद्रीय नागरिक उड्डयन राज्य मंत्री मुरलीधर मोहोल करेंगे। इस अवसर पर समर्थ के मिशन निदेशक आर. पी. अग्रवाल विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। सम्मेलन को पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, लाइफ मिशन तथा राष्ट्रीय जैव प्रौद्योगिकी सूचना केंद्र (एनसीबीआई) का सहयोग प्राप्त है। तीन दिन के इस कार्यक्रम में नीति-निर्माता, उद्योग विशेषज्ञ, प्रौद्योगिकी प्रदाता, अनुसंधान संस्थान, निवेशक और व्यावसायिक संगठन एक मंच पर एकत्र होकर भारत में सतत ऊर्जा के भविष्य पर विचार-विमर्श करेंगे।

इस सम्मेलन में 100 से अधिक प्रदर्शकों, 10,000 से अधिक आगंतुकों, 500 सम्मेलन प्रतिनिधियों, 50 से अधिक वक्ताओं तथा 50 से अधिक तकनीकी एवं व्यावसायिक सत्रों के शामिल होने की उम्मीद है। आयोजकों के अनुसार यह आयोजन प्रतिभागियों को नेटवर्किंग, व्यापार विस्तार तथा ज्ञान और अनुभव के आदान-प्रदान के उत्कृष्ट अवसर प्रदान करेगा।

इंडिगो को पहली तिमाही में 238 करोड़ रुपये का नुकसान

नई दिल्ली (वार्ता)। पश्चिम एशिया संकट के कारण प्रमुख विमान सेवा कंपनी इंडिगो को चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में 238 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है। विदेशी मुद्रा विनिमय के मद में शुद्ध नुकसान एक साल पहले के 23.7 करोड़ रुपये से बढ़कर 149.9 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। पिछले वित्त वर्ष की पहली तिमाही में कंपनी ने 2,176 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ कमाया था। एयरलाइंस ने गुरुवार को निदेशक मंडल की बैठक के बाद वित्तीय परिणाम जारी किये। इसमें बताया गया है कि तिमाही के दौरान कंपनी का परिचालन राजस्व 24,584.1 करोड़ रुपये दर्ज किया गया। यह सालाना आधार पर 19.9

प्रतिशत अधिक है। पश्चिम एशिया संकट के कारण अप्रैल-जून तिमाही में विमान ईंधन की कीमतों में भारी वृद्धि से विमान सेवा कंपनियों पर दबाव रहा।

इस दौरान प्रत्येक सीट-किलोमीटर पर इंडिगो की ईंधन लागत 80.4 प्रतिशत बढ़कर 2.49 रुपये पर पहुंच गयी। ईंधन और विदेशी मुद्रा विनिमय को छोड़कर अन्य मदों में प्रति सीट-किलोमीटर पर खर्च 10.7 प्रतिशत बढ़कर 3.20 रुपये हो गया। इंडिगो के प्रबंध निदेशक राहुल भाटिया ने कहा, पहली तिमाही अस्थिर परिचालन वातावरण से प्रभावित रही। ईंधन की ऊंची लागत और पश्चिम एशिया में नेटवर्क से जुड़ी बाधाओं का हमारे मुनाफे पर असर पड़ा। इसके बावजूद, मांग मजबूत बनी रही और हमारे राजस्व प्रदर्शन में वर्ष-दर-वर्ष सुधार हुआ। हालांकि, ईंधन की बढ़ती कीमतों और कमजोर रुपये के दबाव के कारण इस तिमाही में घाटा दर्ज किया गया। आलोच्य तिमाही के दौरान विमान ईंधन के मद में इंडिगो का व्यय 85.7 प्रतिशत बढ़कर 10,832.9 करोड़ रुपये हो गया जो कुल व्यय का करीब 42 प्रतिशत है।

लगातार चौथे दिन टूटे शेयर बाजार

सेंसेक्स एक महीने के निचले स्तर पर

मुंबई, 23 जुलाई (वार्ता) कच्चे तेल की कीमतों में जारी उछाल के दबाव में घरेलू शेयर बाजारों में गुरुवार को लगातार चौथे दिन गिरावट रही और बीएसई का 30 शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स एक महीने के निचले स्तर पर बंद हुआ।

सेंसेक्स शुरू से ही दबाव में रहा। यह 240 अंक नीचे खुला और पूरे दिन लाल निशान में रहा। अंत में 363.66 अंक (0.47 प्रतिशत) लुढ़ककर 76,391.39 अंक पर बंद हुआ। यह 23 जून के बाद का इसका निचला स्तर है। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी-50 सूचकांक 126.65 अंक यानी 0.53 प्रतिशत गिरकर 23,869.60 अंक पर आ गया जो 30 जून के बाद का निचला स्तर है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चा तेल छह प्रतिशत से ज्यादा उछलकर 100 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। इससे शेयर बाजार में निवेश धारणा कमजोर हुई है। वृहत बाजार में भी बिकवाली का जोर रहा। निफ्टी मिडकैप-50 सूचकांक 1.08 प्रतिशत और स्मॉलकैप-100 सूचकांक 1.01 प्रतिशत नीचे बंद हुआ।

ऑटो और मीडिया सेक्टरों को छोड़कर अन्य सभी समूहों के सूचकांक फिसल गये। तेल एवं गैस, रसायन, रियल्टी, बैंकिंग, वित्त और धातु सेक्टरों में ज्यादा

गिरावट देखी गयी। एनएसई में जिन 3,387 कंपनियों के शेयरों में कारोबार हुआ उनमें से 2,099 के शेयरों में गिरावट और 1,155 में तेजी रही। अन्य 133 कंपनियों के शेयर दिनभर के उतार-चढ़ाव के बाद अंततः अपरिवर्तित बंद हुए। सेंसेक्स की 30 कंपनियों में से 19 कंपनियों के शेयर नीचे बंद हुए। अडानी पोर्ट्स का शेयर 2.26 प्रतिशत टूट गया। बजाज फाइनेंस में 1.96 फीसदी, इंडिगो में 1.89, एक्सिस बैंक में 1.36, भारतीय स्टेट बैंक में 1.22, टाटा स्टील में 1.21, मारुति सुजुकी में 1.11, रिलायंस इंडस्ट्रीज में 1.05 और भारती एयरटेल में 0.97 प्रतिशत की गिरावट रही। एशियन पेंट्स, एचडीएफसी बैंक, एलएंडटी, आईसीआईसीआई बैंक, एनटीपीसी, टेक महिंद्रा, ट्रेंट, बीईएल और टाइटन के शेयर भी लाल निशान में रहे। महिंद्रा एंड महिंद्रा का शेयर सबसे अधिक 1.70 प्रतिशत चढ़ा। टीसीएस में 1.51 प्रतिशत और इटरनल में 1.16 प्रतिशत की तेजी रही। बजाज फिनसर्व, एचसीएल टेक्नोलॉजीज, कोटक महिंद्रा बैंक और सन फार्मा के शेयर भी हरे निशान में रहे। वैश्विक स्तर पर एशियाई बाजारों में तेजी रही। हांगकांग का हैंग सेंग 1.28 प्रतिशत, जापान का निक्केई 0.46 प्रतिशत और चीन का शंघाई कंपोजिट 0.25 प्रतिशत ऊपर बंद हुआ। यूरोपीय बाजारों में शुरुआती कारोबार में जर्मनी का डैक्स 1.17 प्रतिशत और ब्रिटेन का एफटीएसई 0.65 प्रतिशत की गिरावट में था।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अमर शहीद चंद्रशेखर आजाद को जन्मजयंती पर किया नमन

चंद्रशेखर उद्यान से निकाली आजाद प्रेरणा मशाल यात्रा, आजाद कुटिया पहुंचकर अर्पित की श्रद्धांजलि

भोपाल (स्वतंत्र मत)।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव आज अमर शहीद चंद्रशेखर आजाद की जन्मस्थली, आलीराजपुर जिले के चंद्रशेखर आजाद नगर पहुंचे। उन्होंने अमर शहीद चंद्रशेखर आजाद की प्रतिमा पर उनकी पावन जन्मजयंती के अवसर पर माल्यार्पण कर श्रद्धासुमन अर्पित किए। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि अमर शहीद चंद्रशेखर आजाद का त्याग, अदम्य साहस, राष्ट्रभक्ति और बलिदान प्रत्येक भारतीय के लिए प्रेरणा का स्रोत है। उनके आदर्श नई पीढ़ी को राष्ट्रसेवा, आत्मसम्मान और देशभक्ति का संदेश देते रहेंगे। इसके बाद मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने चंद्रशेखर उद्यान से आजाद प्रेरणा मशाल यात्रा का शुभारंभ किया। मशाल यात्रा में बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों, युवाओं एवं नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। यात्रा आजाद कुटिया (आजाद स्मृति मंदिर) तक पहुंची, जहां मुख्यमंत्री ने अमर शहीद चंद्रशेखर आजाद की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की।

अमर शहीद चंद्रशेखर आजाद का जीवन राष्ट्रभक्ति का उदाहरण

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने आजाद स्मृति मंदिर में प्रदर्शित अमर शहीद चंद्रशेखर आजाद के जीवन वृत्तांत का अवलोकन किया। उन्होंने उनके जन्म, बाल्यकाल, स्वतंत्रता संग्राम में योगदान तथा राष्ट्र के लिए किए गए सर्वोच्च बलिदान से जुड़ी ऐतिहासिक जानकारी का अवलोकन करते हुए कहा कि चंद्रशेखर आजाद का संपूर्ण जीवन साहस, स्वाभिमान और राष्ट्रभक्ति का अनुपम उदाहरण है। उनके आदर्श सदैव देशवासियों, विशेषकर युवाओं को राष्ट्रसेवा के लिए प्रेरित करते रहेंगे। मुख्यमंत्री ने वहां प्रदर्शित आज़ाद कथा का भी अवलोकन किया। उन्होंने अमर शहीद चंद्रशेखर आजाद के जीवन, क्रांतिकारी गतिविधियों, हिंदुस्तान सोशलिस्ट रिपब्लिकन आर्मी में उनके नेतृत्व तथा मातृभूमि की रक्षा के लिए दिए गए सर्वोच्च बलिदान की गौरवगाथा को श्रद्धापूर्वक देखा।

अर्पित की भावभीनी श्रद्धांजलि

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने आजाद कुटिया में अमर शहीद चंद्रशेखर आजाद के जीवन, संघर्ष और राष्ट्र के प्रति उनके सर्वोच्च बलिदान का स्मरण करते हुए कहा कि उनका जीवन देशवासियों, विशेषकर युवाओं के लिए सदैव प्रेरणादायी रहेगा। उन्होंने युवाओं से राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भागीदारी निभाने और महान क्रांतिकारियों के आदर्शों को अपने जीवन में अपनाने का आह्वान किया।

यह कार्यक्रम अमर शहीद चंद्रशेखर आजाद की जन्मजयंती एवं बलराम कृषि महोत्सव के अंतर्गत गरिमामय वातावरण में आयोजित किया गया, जिसमें जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों एवं बड़ी संख्या में नागरिकों की सहभागिता रही। इस अवसर पर पूरा वातावरण देशभक्ति गीतों से गुंजायमान रहा। आजाद प्रेरणा मशाल यात्रा के दौरान भारत माता की जय, वंदे मातरम् एवं अमर शहीद चंद्रशेखर आजाद अमर रहें के गगनभेदी उद्घोषों से पूरा क्षेत्र राष्ट्रभक्ति के रंग में रंग गया। उपस्थित जनसमूह ने उत्साह और श्रद्धा के साथ मशाल यात्रा में सहभागिता करते हुए अमर शहीद चंद्रशेखर आजाद को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। देशभक्ति और राष्ट्रप्रेम से ओतप्रोत वातावरण ने कार्यक्रम को और अधिक भव्य, गरिमामय एवं प्रेरणादायी बना दिया। इस अवसर पर मंत्री नागर सिंह चौहान, सांसद श्रीमती अनीता चौहान और जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।

कल्याण मंत्री सारंग ने किया नाथुबरखेड़ा अंतरराष्ट्रीय स्पोर्ट्स कॉम्पलेक्स का निरीक्षण

फेस-1 का जल्द होगा लोकार्पण, एथलेटिक्स, हॉकी और फुटबॉल की गतिविधियां होंगी प्रारंभ

भोपाल (स्वतंत्र मत)। खेल एवं युवा कल्याण मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने गुरुवार को नाथुबरखेड़ा स्थित निर्माणाधीन अंतरराष्ट्रीय स्पोर्ट्स कॉम्पलेक्स का निरीक्षण कर निर्माण कार्यों एवं प्रस्तावित महिला एशियन चैंपियनशिप की तैयारियों का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों एवं निर्माण एजेंसी के प्रतिनिधियों के साथ परिसर का विस्तृत भ्रमण कर खेल अधोसंरचना, सुरक्षा व्यवस्था, खिलाड़ियों के लिए विकसित की जा रही सुविधाओं तथा निर्माण कार्यों की प्रगति की समीक्षा की और सभी कार्य निर्धारित समय-सीमा में उच्च गुणवत्ता एवं अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप पूर्ण करने के निर्देश दिए। मंत्री श्री सारंग ने कहा कि नाथुबरखेड़ा अंतरराष्ट्रीय स्पोर्ट्स कॉम्पलेक्स के फेस-1 का लोकार्पण शीघ्र किया जाएगा। फेस-1 के प्रारंभ होने के साथ ही यहां एथलेटिक्स, हॉकी एवं फुटबॉल की खेल गतिविधियां शुरू कर दी जाएंगी। इन खेलों के लिए अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप तैयार किए गए मैदान एवं अत्याधुनिक सुविधाएं प्रदेश के खिलाड़ियों को विश्वस्तरीय प्रशिक्षण और राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं की तैयारी का अवसर उपलब्ध कराएंगी। मंत्री श्री सारंग ने कहा कि सरकार का उद्देश्य मध्यप्रदेश में ऐसी खेल अधोसंरचना विकसित करना है, जहां प्रदेश के खिलाड़ियों को विश्वस्तरीय सुविधाएं अपने ही राज्य में उपलब्ध हों। यह परिसर भविष्य में राष्ट्रीय प्रशिक्षण शिविरों, अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं और बड़े खेल आयोजनों का प्रमुख केंद्र बनेगा तथा मध्यप्रदेश को देश के अग्रणी खेल राज्यों में स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

तैयारियों की समीक्षा कर दिए निर्देश-मंत्री श्री सारंग ने महिला एशियन चैंपियनशिप की तैयारियों की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि प्रतियोगिता के आयोजन से पूर्व एथलेटिक्स ट्रैक, हॉकी टर्फ, फुटबॉल मैदान, खिलाड़ियों के चेंजिंग रूम, मेडिकल सुविधाएं, दर्शक दीर्घा, प्रकाश व्यवस्था, पेयजल, पार्किंग, सुरक्षा व्यवस्था, आईटी नेटवर्क तथा अन्य सभी आवश्यक कार्य समय पर पूर्ण किए जाएं। उन्होंने कहा कि प्रतियोगिता के दौरान खिलाड़ियों, प्रशिक्षकों, अधिकारियों एवं दर्शकों को किसी प्रकार की असुविधा नहीं होनी चाहिए और प्रत्येक व्यवस्था का पूर्व परीक्षण सुनिश्चित किया जाए।

ओम की हास्य सभा कॉमेडी शो का शुभारंभ

हटा (स्वतंत्र मत)। नगर के गौरीशंकर मंदिर प्रांगण स्थित दद्दा कला मंच पर मंगलवार शाम ओम की हास्य सभा कॉमेडी शो की ओपनिंग हुई। कार्यक्रम में बुंदेलखंड के 100 से अधिक कलाकारों ने भाग लेकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलन के साथ किया गया। इस अवसर पर पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष डॉ. रामकृष्ण कुसमरिया उपस्थित रहे। कार्यक्रम में कलाकारों ने हास्य, कविता और लोक संस्कृति की मनमोहक प्रस्तुतियों से दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया। जित्तू खरे बादल ने राई नृत्य की आकर्षक प्रस्तुति देकर समां बांधा, जबकि हल्ले दाऊ ने बुंदेली कविता पाठ से खूब वाहवाही बटोरी। वहीं आशीष उपाध्याय ने अपनी दमदार कॉमेडी से दर्शकों को हंसी से लोटपोट कर दिया। कार्यक्रम के संयोजक ओम साहू ने बताया कि ओम की हास्य सभा का उद्देश्य बुंदेलखंड के प्रतिभाशाली कलाकारों को एक साझा मंच उपलब्ध कराना है जहां वे अपनी कला का प्रदर्शन कर सकें और हास्य के माध्यम से लोगों का स्वस्थ मनोरंजन कर सकें। उन्होंने कहा कि आगामी एपिसोड में भी क्षेत्र के विभिन्न कलाकारों को शामिल किया जाएगा।

अव्यवस्थाओं के बीच संपन्न हुआ दिव्यांग शिविर

तीन घंटे देरी से पहुंची डॉक्टरों की टीम, स्ट्रेचर-व्हीलचेयर के अभाव में परिजन गोद में उठाकर लाए मरीज

हटा (स्वतंत्र मत)। जनपद पंचायत हटा के आजीविका मिशन परिसर में राष्ट्रीय वयोश्री एवं एडीप योजना के अंतर्गत दिव्यांगजनों के चिन्हांकन एवं सहायक उपकरण वितरण के लिए आयोजित शिविर अव्यवस्थाओं की भेंट चढ़ गया। सुबह 10 बजे से दिव्यांगजनों को बुला लिया गयाए लेकिन चिकित्सकों की टीम दोपहर करीब 1 बजे पहुंची। तीन घंटे तक दिव्यांगजन और उनके परिजन डॉक्टरों के इंतजार में बैठे रहे। बारिश के कारण फिसलन भरे मार्ग और जनपद पंचायत के नवीन भवन निर्माण कार्य के चलते शिविर तक पहुंचना भी चुनौतीपूर्ण रहा। कई परिजनों ने दिव्यांगों को गोद में उठाकर या कुर्सी पर बैठाकर शिविर तक पहुंचाया। मौके पर न तो व्हीलचेयर उपलब्ध थी और न ही स्ट्रेचर की व्यवस्था की गई थी। शिविर में केवल पेयजल की व्यवस्था थी। भोजन, विश्राम और अन्य मूलभूत सुविधाओं के अभाव में दिव्यांगजन व उनके परिजन दिनभर परेशान होते रहे। दोपहर में बिजली गुल होने से चिकित्सकों को अंधेरे में ही परीक्षण करना पड़ा। शिविर में एक चिकित्सक द्वारा कथित रूप से दिव्यांगता प्रतिशत कम होने संबंधी टिप्पणी किए जाने से भी दिव्यांगजन असहज नजर आए।

दिव्यांगों ने सुनाई अपनी पीड़ा

फूलबाई तिगरा निवासी ने बताया कि वह सुबह 11:30 बजे शिविर पहुंच गई थीं लेकिन देर शाम तक इंतजार करना पड़ा। मड़ियादो निवासी रामनाथ आदिवासी ने बताया कि सुबह से शिविर में मौजूद रहने के बावजूद भोजन की कोई व्यवस्था नहीं थी जिससे उन्हें दिनभर भूखे रहना पड़ा। वहीं भैंसा निवासी कल्लू रजक और गौरीशंकर वार्ड निवासी कविता वाल्मीकि ने कहा कि दिनभर उन्हें कभी रजिस्ट्रेशन तो कभी जांच के लिए इधर-उधर भटकना पड़ा। उन्होंने नाराजगी जताते हुए कहा जब व्यवस्था ही नहीं करनी थी तो हम लोगों को बुलाया ही क्यों गया। दिव्यांग जिला अध्यक्ष शारदा प्रसाद अहिरवार ने कहा कि भविष्य में ऐसे शिविरों में समय पर चिकित्सकों की उपस्थिति, व्हीलचेयर व स्ट्रेचर, भोजन, पेयजल, बिजली बैकअप तथा दिव्यांगजनों के लिए समुचित सुविधाएं सुनिश्चित की जाए ताकि उन्हें अनावश्यक परेशानियों का सामना न करना पड़े। शिविर में करीब 200 से अधिक दिव्यांगजन पहुंचे। अव्यवस्थाओं को लेकर दिव्यांगों और उनके परिजनों में नाराजगी देखने को मिली।

खाद्य विभाग की टीम ने दुकानों का किया निरीक्षण

दमोह (स्वतंत्र मत)।

खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम अंतर्गत खाद्य सुरक्षा जांच दल द्वारा बटियागढ़ स्थित मिठाई एवं खोवा पनीर विक्रय दुकानों का औचक निरीक्षण किया गया। बटियागढ़ में बांके बिहारी स्वीट्स का निरीक्षण कर विक्रय हेतु संग्रहित खोवा के नमूने जांच हेतु लिए गए। इसी तरह दमोह रोड स्थित बाला जी बीकानेर स्वीट्स का निरीक्षण किया गया। परिसर में विक्रय हेतु संग्रहित पनीर के नमूने जांच हेतु लिए गए। इसी तारतम्य में दमोह रोड स्थित गणेश स्वीट्स का निरीक्षण किया गया। परिसर में विक्रय हेतु संग्रहित दही एवं पनीर के नमूने जांच हेतु लिए गए। मौके पर मैजिक बॉक्स की सहायता से दही, पनीर, खोवा की गुणवत्ता की ऑन द स्पॉट जांच की गई। इन दुग्ध पदार्थों के नमूनों को जांच हेतु राज्य खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला भेजा गया।

भारतीय मजदूर संघ जिला शाखा दमोह ने मनाया स्थापना दिवस

दमोह (स्वतंत्र मत)। गुरुवार को भारतीय मजदूर संघ एवं समस्त अनुसांगिक संगठनों की उपस्थिति में कार्यक्रम की शुरुआत मुख्य अतिथि, अनिल एडमिन प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष मप्र राज्य कर्मचारी संघ, विशिष्ट अतिथि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ राजू भाई विभाग प्रचारक, भैयन भाई जिला प्रचारक राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, दमोह धर्मेंद्र चौबे विभाग प्रमुख सागर, प्रवीण तिवारी जिला अध्यक्ष, मुख्य अतिथियों द्वारा माल्यार्पण कर शुभारंभ हुआ। जिला मंत्री देवेंद्र चौबे श्रमिक गीत का गायन कर कार्यक्रम का शुभारंभ कियाउ राजू भाई साहब विभाग प्रचारक सागर द्वारा अपने बौद्धिक उद्बोधन में संघ की रीति नीति से अवगत कराया। भारतीय मजदूर संघ विभाग प्रमुख धर्मेंद्र चौबे ने संगठन आत्मक गतिविधियों को आगे बढ़ाने के लिए कहा। मुख्य अतिथि अनिल एडमिन कार्यकारी अध्यक्ष मप्र राज्य कर्मचारी ने भारतीय मजदूर संघ की रीति नीति से अवगत कराया। पर्यावरण हरित क्रांति को बढ़ावा देने के लिए, मोहिनी राजपूत, देवेंद्र चौबे, पहले लीगल वालंटियर द्वारा नेचुरल सीड बॉल, आवला, चिरौंजी, बहेड़ा फैलाने का संगठन द्वारा उपस्थित पदाधिकारी किया गया। समापन आभार भारतीय मजदूर संघ के जिला अध्यक्ष प्रवीण तिवारी द्वारा किया गया।

बसिया गांव पहुंचे बटियागढ़ तहसीलदार

दमोह (स्वतंत्र मत)। बटियागढ़ तहसीलदार योगेंद्र चौधरी गुरुवार दोपहर बसिया गांव पहुंचे यहां प्राथमिक शाला में छात्रों की क्लास लेकर उनसे शैक्षणिक व्यवस्थाओं व्यवस्था, मध्यान्ह भोजन, शिक्षकों की उपस्थिति आदि पर बातचीत की। तहसीलदार श्री चौधरी ने अपनी ओर से छात्रो को स्लेट, पेंसिल और पाठ्य सामग्री वितरित की जिससे छात्र-छात्राएं उत्साहित नजर आए।

जिले में कीटनाशी विक्रेताओं पर प्रशासन की बड़ी कार्रवाई

दमोह (स्वतंत्र मत)। जिले में किसानों के हितों की सुरक्षा तथा गुणवत्ता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से जिला प्रशासन ने कीटनाशी विक्रय प्रतिष्ठानों के विरुद्ध व्यापक निरीक्षण अभियान चलाया। कलेक्टर प्रताप नारायण यादव के निर्देश पर जिलेभर में कीटनाशी विक्रय दुकानों का निरीक्षण किया गया जिसमें कई प्रकार की अनियमितताएं सामने आईं।

आजाद भारत पार्टी द्वारा किया गया पौधारोपण

पथरिया (स्वतंत्र मत)।

जहां एक ओर संपूर्ण भारत में 23 जुलाई को अमर शहीद चन्द्रशेखर आजाद की जयंती पर विभिन्न कार्यक्रम कर उन्हें याद किया जाता है और उनके द्वारा भारत को जो बलिदान दिया गया उसे याद रखा जाता है। उसी तत्वाधान में पथरिया के रामरतन यादव द्वारा जोकि आजाद भारत पार्टी के अध्यक्ष है। उन्होंने फलदार वृक्षों का रोपण किया गया एवं लोगों को वृक्ष लगाने प्रेरित किया। इसके साथ ही प्रदेश की जनहित समस्याओं को लेकर राज्यपाल महोदय के नाम अनुविगीय अधिकारी पथरिया के माध्यम से आठ सूत्रीय मांगों का ज्ञापन दिया गया। ज्ञापन में विधान सभा सदस्यों के वेतन, ओवर ब्रिजों की मूलभूत आवश्यकताओं एवं सुरक्षाए वृद्ध लोगों की समय अवधि अनुसार पेंशन, महिला सुरक्षा, रोजगार संबंधी सरकार का विचार विमर्शए शौचालय ठेकदारों ने शौचालय बनाते समय जो घपले किए है उनकी जांच संबंधी एवं 112 वाहन से हूटर हटाने क्योंकि गस्त के दौरान हूटर बजने से अपराधी वास्तविक जगह से भाग जाते है। ज्ञापन सौंपने वालो में राष्ट्रीय संयोजक रामरतन यादव, महासचिव सगीर खान, प्रदेश अध्यक्ष पंडित सरला चौबे, श्यामलाल पटेल, रामप्रसाद पटेल, धर्म सिंह एडवोकेट, कालूराम यादव, सीताराम उम्मेद पटेल, छोटेलाल अहिरवार इत्यादि की उपस्थिति रही।

पश्चिम मध्य रेल

ई-निविदा सूचना

विद्युत विभाग (कर्षण-वितरण शाखा), जबलपुर

वरि.मंडल विद्युत इंजीनियर/कर्षण-वितरण/पश्चिम मध्य रेल, जबलपुर भारत संघ के राष्ट्रपति के लिये एवं उनकी ओर से निम्नलिखित कार्य करने के लिए अनुभवी ठेकेदारों से मुहरबन्द निविदायें आमंत्रित करते हैं। ठेकेदारों के पास राज्य सरकार द्वारा जारी विद्युतीय लायसेन्स (फर्म के नाम से या फर्म के किसी पार्टनर के नाम से या स्वयं के नाम में यदि सोल प्रोपराइटर हो, आई.ई. नियम 1956 के अनुसार होना चाहिए। **मापदंड : (1) एन.आई.टी नं जबल-टीआरडी-निविदा-2026-10 दिनांक 18.07.2026, कार्य का नाम :** कटनी-बीना सेक्शन (फेज-1) में ओवरहेड उपकरण प्रोफाइल को बेहतर बनाने के लिए कर्षण वितरण का काम, ऑक्सिलरी ट्रांसफॉर्मर (फेज-1) के लिए अलग से स्पेयर केबल की व्यवस्था, मौजूदा अप और डाउन मेन लाइनों और नई तीसरी लाइन पर हरदुआ नया मजगावां फाटक के बीच इंटरमीडिएट ब्लॉक सिग्नलिंग की व्यवस्था, पुराने इंटरलॉकिंग सिस्टम को इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग से बदलने के लिए स्टोना पर सहायक ट्रांसफॉर्मर सप्लाई की व्यवस्था और जबलपुर डिवीजन में नॉन-इंटरलॉकिंग गेट्स पर सीसीटीवी के लिए सहायक ट्रांसफॉर्मर सप्लाई की व्यवस्था। **कार्य स्थल :** जबलपुर मण्डल । **कार्य की अवधि :** 12 माह, **कार्य की कीमत (टेंडर वेल्यू) :** रुपये 8,79,81,898.87/- (रुपये आठ करोड़ उन्यासी लाख इक्यासी हजार आठ सौ अट्ठानवे एवं सत्तासी पैसे मात्र), **बयाना राशि :** रुपये-17,59,600.00/-, **निविदा जमा करने/खुलने की अंतिम तिथि एवं समय :** 10.08.2026 15:00 बजे/10.08.2026 15:30 बजे, **मापदंड : (2) एन.आई.टी नं. जबल टीआरडी-निविदा-2026-09 दिनांक 17.07.2026, कार्य का नाम :** जबलपुर डिवीजन के विद्युतीकृत सेक्शन में ऊंचे तटबंधों और ढलानों पर झुके हुए मास्ट को बदलना और सीधा करना तथा ओवरहेड उपकरण फाउंडेशन को मजबूत करना । **कार्य स्थल :** जबलपुर मण्डल । **कार्य की अवधि :** 12 माह, **कार्य की कीमत (टेंडर वेल्यू) :** रुपये 8,41,47,677.18/-(रुपये आठ करोड़ इकतालीस लाख सैंतालीस हजारछह सौ सतहत्तर एवं अठारह पैसे मात्र), **बयाना राशि :** रुपये-16,83,000.00/-. **निविदा जमा करने/खुलने की अंतिम तिथि एवं समय :** 10.08.2026, 15:00 बजे/10.08.2026 15:30 बजे निविदा सूचना की पूर्ण जानकारी रेल्वे बेब साईट https/www.ireps.gov.in निविदाकर्ता अपनी निविदाऐं आई आर ई पी एस की माध्यम से https://www.ireps.gov.in पर ऑन लाइन निविदा करें । निविदाकर्ताओं से अनुरोध है कि वे समय समय पर बदलाव व शुद्धि पत्रों हेतु IREPS की व्यवसाइट https://www.ireps.gov.in देखते रहें न्यूनतम पात्रता मान दण्ड टेण्डर फार्म के अनुसार और ज्वांइन्ट वेन्चर व साझेदारी इस निविदा के लिए लागू होगा।

(हस्ता)
वरि. मं.वि.इंजी./क.वि.
पश्चिम मध्य रेल, जबलपुर

स्वच्छ भारत अभियान एक कदम स्वच्छता की ओर

समयबद्ध रूप से सभी व्यवस्थाएं सुनिश्चित कर गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा शिक्षा एवं स्वास्थ्य सेवाएं हो उपलब्ध

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने श्योपुर एवं सिंगरौली मेडिकल कॉलेज के संचालन की वृहद समीक्षा की

भोपाल (स्वतंत्र मत)। भोपाल उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने श्योपुर एवं सिंगरौली शासकीय चिकित्सा महाविद्यालयों की शैक्षणिक एवं चिकित्सीय व्यवस्थाओं की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने निर्देश दिए कि दोनों महाविद्यालयों में सभी आवश्यक व्यवस्थाएं निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण कर संचालन को उच्च गुणवत्ता एवं दक्षता के साथ सुनिश्चित किया जाए। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने नवीन शासकीय चिकित्सा महाविद्यालयों में फैकल्टी की उपलब्धता, तृतीय श्रेणी (नॉन-गजेटेड) कर्मचारियों के रिक्त पदों पर भर्ती, चिकित्सा उपकरणों एवं फर्नीचर की उपलब्धता, आवश्यक प्रोक्योरमेंट कार्यों की प्रगति, विद्युत एवं अन्य आधारभूत सुविधाओं और आउटसोर्स मानव संसाधन की व्यवस्था की विस्तार से समीक्षा की। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने निर्देश दिए कि फैकल्टी सहित सभी आवश्यक पदों पर भर्ती की प्रक्रिया में तेजी लाई जाए। चिकित्सा उपकरणों, फर्नीचर और अन्य संसाधनों की उपलब्धता समय पर सुनिश्चित की जाए और आउटसोर्स कर्मचारियों की नियुक्ति, वेतन भुगतान एवं अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं को शीघ्र पूर्ण किया जाए।

उन्होंने कहा कि दोनों चिकित्सा महाविद्यालयों के संचालन में सभी कार्य निर्धारित समय-सीमा के भीतर पूर्ण किए जाएं।उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि श्योपुर एवं सिंगरौली जैसे आकांक्षी क्षेत्रों में स्थापित शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय स्थानीय युवाओं को गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा शिक्षा उपलब्ध कराने के साथ-साथ क्षेत्रीय स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

उन्होंने दोनों महाविद्यालयों के निर्माण एवं विकास कार्यों की नियमित मॉनिटरिंग करने और विद्यार्थियों एवं मरीजों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए सभी आवश्यक कार्य प्राथमिकता के आधार पर पूर्ण करने के निर्देश दिए। बैठक में आयुक्त, लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा धनराजू एस, संचालक चिकित्सा शिक्षा डॉ. अरुणा कुमार, अपर संचालक स्वास्थ्य मनोज कुमार सरयाम, प्रभारी अधिष्ठाता (डीन) शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय श्योपुर सहित विभागीय वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

कार्यालय म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल भेड़ाघाट रोड, धनवंतरी नगर, जबलपुर म.प्र. पिन-482003

भवन लीज हस्तांतरण/नामांतरण हेतु सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि पुरवा कॉलोनी जबलपुर में भवन क्रमांक LIG-502 श्रीमति सुधा दुबे पति स्व.श्री महेन्द्र कुमार दुबे के नाम आवंटित है. जिसका विक्रय विलेख दिनांक 08.08.2018 को आवंटी के पक्ष में निष्पादित हो चुका है। उक्त भवन श्रीमति सुधा दुबे पति स्व.श्री महेन्द्र कुमार दुबे ने पंजीकृत विक्रय विलेख दिनांक 25.06.2026 के माध्यम से श्री संतोष ठाकुर पिता श्री रमाशंकर ठाकुर को विक्रय किया है। अतः श्री संतोष ठाकुर पिता श्री रमाशंकर ठाकुर द्वारा उक्त भवन उनके नाम लीज हस्तांतरण हेतु दस्तावेज / आवेदन इस कार्यालय में प्रस्तुत किये गये है। यदि किसी व्यक्ति, संस्था आदि को उपरोक्त लीज हस्तांतरण (भवन/भूखण्ड) बावत् आपत्ति हो तो इस सूचना के प्रकाशित होने से 15 दिवस के अंदर लिखित में वैद्य आपत्ति सप्रमाण प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित अवधि के पश्चात् लीज हस्तांतरण की कार्यवाही कर दी जावेगी। जिस पर किसी की कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी।

संपदा अधिकारी म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल, प्रक्षेत्र जबलपुर

महापौर ने दिए गुणवत्ता और समय सीमा के निर्देश

प्राथमिकता से होंगे शहर में विकास के काम

जबलपुर। महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू की अध्यक्षता में जबलपुर नगर निगम के लोककर्म विभाग की एक उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई जिसमें शहर के चहुंमुखी विकास और नागरिक सुविधाओं को सुदृढ़ करने के लिए कई अहम निर्णय लिए गए। संस्कारधानी की जनता को बेहतर और आधुनिक सुविधाएं समय पर मिल सकें इसके लिए महापौर ने चल रहे तथा प्रस्तावित विकास कार्यों की गति को और अधिक तेज करने के निर्देश दिए। इस महत्वपूर्ण बैठक में एमआईसी सदस्य विवेक राम सोनकर अपर आयुक्त व्हीएन बाजपेयी उपायुक्त शिवांगी महाजन और अधीक्षण यंत्री कमलेश श्रीवास्तव समेत लोककर्म विभाग के सभी कार्यपालन यंत्री और सहायक यंत्री उपस्थित रहे।

स्थाई एवं अस्थाई 20 अवैध अतिक्रमणों को हटाया

झुग्गी हटाने की कार्रवाई पर भारी विरोध प्रदर्शन

जबलपुर। जे.डी.ए. की योजना क्रमांक 11 शताब्दीपुरम में जिला प्रशासन, नगर निगम और पुलिस के संयुक्त अमले ने जबलपुर विकास प्राधिकरण की करीब 1 एकड़ भूमि से अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई शुरू की। इस दौरान एसडीएम पंकज मिश्रा की मौजूदगी में हाई कोर्ट के आदेश के पालन में 75 परिवारों द्वारा बनाई गईं झुग्गियों को हटाने का काम किया गया, जिस पर स्थानीय रहवासियों ने जोरदार विरोध प्रदर्शन किया और मौके पर तनावपूर्ण स्थिति उत्पन्न हो गई। लोगों ने प्रशासन पर बिना किसी वैकल्पिक व्यवस्था के बारिश के मौसम में बेघर करने का गंभीर आरोप लगाया।

रविवार को पिटी स्मार्ट सिटी!

क्योंकि इस दिन वार्डों में नजर नहीं आती कचरा गाड़ी

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सपनों की स्मार्ट सिटी योजना में शामिल जबलपुर शहर में स्वच्छता व्यवस्था इन दिनों न केवल बदहाल हो गई है बल्कि स्वच्छता के दावों की पोल खोलती नजर आ रही है। एक तरफ नगर निगम शहर को स्वच्छ और सुंदर बनाने के लिए नित-नित नए दावे कर रहा है, वहीं दूसरी ओर मैदानी हकीकत इन दावों पर पानी फेरती दिख रही है। पं. भवानी प्रसाद तिवारी वार्ड के रहवासियों ने बताया कि उनके वार्ड में कचरा उठाने वाली गाड़ी अक्सर दो-तीन दिनों तक नजर नहीं आतीं, जिससे स्थानीय रहवासियों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। शहर के विभिन्न वार्डों और कॉलोनियों से लगातार शिकायतें मिल रही हैं कि स्वच्छता के नाम पर घर-घर कचरा संग्रहण करने वाले वाहन नियमित रूप से नहीं पहुंच रहे हैं। स्थिति यह है कि कई क्षेत्रों में लगातार दो से तीन दिनों तक कचरा गाड़ी का

पता ही नहीं चलता। मजबूरन नागरिकों को अपने घरों में कचरा जमा करके रखना पड़ता है या फिर मजबूरी में इधर-उधर फेंकना पड़ता है, जिससे शहर की स्वच्छता व्यवस्था पर सवालिया निशान लग रहे हैं।

रविवार यानी परमानेंट छुट्टी

स्थानीय नागरिकों का कहना है कि स्थिति तब और बदतर हो जाती है जब बात रविवार की आती है। लोगों का आरोप है कि रविवार के दिन नगर निगम की कचरा गाड़ियां मानों 'परमानेंट छुट्टी' पर चली जाती हैं। इस व्यवस्था पर तीखा कटाक्ष करते हुए एक स्थानीय नागरिक ने व्यंग्य करते हुए कहा- क्या रविवार के दिन घरों में कचरा नहीं निकलता? यदि नगर निगम की दृष्टि में ऐसा है, तो फिर रविवार को शहर का सबसे स्वच्छ दिन घोषित कर देना चाहिए।

स्वच्छता सर्वेक्षण और दावों की पोल

जबलपुर नगर निगम द्वारा स्वच्छता सर्वेक्षण में बेहतर रैंकिंग हासिल करने के लिए तमाम प्रयास किए जाते हैं, बड़े-बड़े विज्ञापन छपवाए जाते हैं और जागरूकता अभियान चलाए जाते हैं। लेकिन जमीनी स्तर पर कचरा संग्रहण जैसी बुनियादी सेवा के पटरी से उतर जाने के कारण आम जनता में भारी आक्रोश है। रहवासियों का कहना है कि यदि कचरा गाड़ियां नियमित रूप से नहीं आएंगी, तो लोग खुले में कचरा फेंकने को मजबूर होंगे, जिससे शहर में गंदगी फैलेगी और बीमारियां फैलने का खतरा भी बढ़ जाएगा।

जिम्मेदार अधिकारियों की चुप्पी

इस मामले को लेकर जब जमीनी हालात का जायजा लिया गया, तो जनता में नगर निगम प्रशासन के प्रति गहरी नाराजगी देखने को मिली। नागरिकों ने नगर निगम कमिश्नर और संबंधित स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों से मांग की है कि कचरा संग्रहण वाहनों की रूट मॉनिटरिंग सख्त की जाए और संडे (रविवार) समेत हर दिन समय पर घरों से कचरा उठाया जाना सुनिश्चित किया जाए, ताकि जबलपुर वास्तव में एक 'स्मार्ट और स्वच्छ सिटी' बन सके।

पौधारोपण एवं गीत-संगीत समारोह आज

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। चन्द्रोत्सव समारोह के अंतर्गत आज शुक्रवार दोपहर 12 बजे शहीद स्मारक प्रांगण में औषधीय पौधों का रोपण किया जाएगा। संध्या 7 बजे से शहीद स्मारक प्रेक्षागृह में बबलू मैथ्यूज के संगीत निर्देशन में गीत गायन कार्यक्रम एवं नीलांगी कथक ग्रुप द्वारा गणेश वंदना आयोजित की जाएगी। इस अवसर पर इशिता विश्वकर्मा मुम्बई से ऑनलाइन एक गीत प्रस्तुत करेंगी। महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू, पं. नित्यनिरंजन खम्परिया, डॉ. राजेश धीरावानी, डॉ. वी.के. भारद्वाज, मीना भट्ट कार्यक्रम का आतिथ्य करेंगे। आयोजन समिति के जादूगर एस के निगम, विजय जायसवाल, राजेश पाठक, राजीव गुप्ता, योगेन्द्र भार्गव, युवराज गढ़वाल आदि ने उपस्थिति की अपील की है।

घर में घुसे खूंखार सियार ने सो रहे 7 लोगों को नोचा, गांव में दहशत

सिहोरा (स्वतंत्र मत)। जिले के सिहोरा क्षेत्र के कन्हाई देवरी गांव की इंदिरा कॉलोनी में गुरुवार तड़के उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब एक जंगली सियार घर में घुस आया और सो रहे लोगों पर हमला कर दिया। इस हमले में सात लोग घायल हो गए। घायलों को तत्काल सिहोरा के सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका उपचार जारी है। घटना के बाद पूरे गांव में दहशत का माहौल है और ग्रामीणों ने वन विभाग से सियार को जल्द पकड़ने की मांग की है। जानकारी के अनुसार गुरुवार सुबह करीब 3:30 बजे एक खूंखार सियार इंदिरा कॉलोनी के एक घर में घुस गया। उस समय परिवार के सदस्य गहरी नींद में थे। अचानक सियार ने सो रहे लोगों पर हमला शुरू कर दिया। हमले में पुरुषोत्तम चौधरी (35), मंजू चौधरी (46), सुदर्शन चौधरी (45), रमित्री चौधरी (50), प्रीति चौधरी (30), रूपलाल चौधरी (50) और त्रिवेणी चौधरी (40) घायल हो गए। हमले के दौरान सभी के हाथ,

सिहोरा के कन्हाई देवरी में सियार का तांडव, वन विभाग से गश्त बढ़ाने की मांग

कलाई, उंगलियों तथा शरीर के अन्य हिस्सों पर गंभीर चोटें आई. एक घायल की आंख के पास भी गहरा जख्म बताया गया है।

घर से चीख-पुकार सुनकर आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे और लाठी-डंडों की मदद से सियार को खदेड़कर गांव से बाहर भगाया। इसके बाद तत्काल 108 एंबुलेंस को सूचना दी गई और सभी घायलों को सिहोरा सिविल अस्पताल पहुंचाया गया। चिकित्सकों के अनुसार सभी घायलों का प्राथमिक उपचार किया गया है और उनकी स्थिति पर लगातार निगरानी रखी जा रही है। वन्य जीव के हमले को देखते हुए आवश्यक चिकित्सकीय प्रोटोकॉल के तहत उपचार भी किया जा रहा है।

ग्रामीणों में सुरक्षा को लेकर भय का माहौल - घटना के बाद पूरे गांव में भय का माहौल है। ग्रामीणों का कहना है कि पहली बार किसी जंगली जानवर ने घर के भीतर घुसकर इस तरह हमला किया है। इससे लोगों में रात के समय सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई है। कई परिवार पूरी रात जागकर पहरा देने को मजबूर हैं। ग्रामीणों ने वन विभाग से मांग की है कि हमलावर सियार को जल्द से जल्द पकड़ने के लिए विशेष अभियान चलाया जाए। साथ ही गांव और आसपास के क्षेत्रों में नियमित गश्त बढ़ाई जाए, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो।

नर्मदा तट पर मिला दो दिनों से गायब वृद्ध महिला का शव

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। भेड़ाघाट के चौकी ताल की एक 76 वर्षीय महिला का शव नर्मदा नदी के तट पर मिला। पुलिस ने मृतिका की पहचान ए कुसुम बाई के रूप में की है। पुलिस ने शव पीएम के लिए मेडिकल भेजा है। भेड़ाघाट पुलिस ने बताया कि मृतिका कुसुम बाई अक्सर नर्मदा नदी में स्नान करने जाया करती थीं। दो दिन पहले भी वह घर से स्नान के लिए निकली थीं। उसके बाद वह वापस नहीं लौटी थी। परिजनों ने काफी खोजबीन की, लेकिन उनका कोई पता नहीं चलने पर भेड़ाघाट में गुमशुदगी दर्ज कराई थी। भेड़ाघाट में श्रद्धालुओं ने महिला के शव को देखकर पुलिस को दी सूचना थी। शाम करीब 6 बजे सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची थी और

परिजनों को बुलवाकर शव की शिनाख्त कराई थी। भेड़ाघाट थाने के सहायक उपनिरीक्षक फूलकुमार कौरव ने बताया कि शव का गुरूवार को मेडिकल अस्पताल पीएम किया गया है। पीएम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

स्व-सहायता समूहों के लंबित कार्य समय सीमा में पूरे करें: सीईओ

जबलपुर, (स्वतंत्र मत)। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी (सीईओ) अभिषेक गहलोत ने स्व-सहायता समूहों से जुड़े सभी लंबित कार्य निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि वित्तीय वर्ष 2026-27 के लक्ष्यों की समयबद्ध पूर्ति सुनिश्चित की जाए। जिला पंचायत सभाकक्ष में आयोजित बैठक में राज्य इकाई दल के 8 जुलाई के भ्रमण के निष्कर्षों और विकासखंडवार प्रगति की समीक्षा की गई। बैठक में जिला परियोजना प्रबंधक अंजुला झा भी उपस्थित रहीं।

समूहों के सत्यापन और पोर्टल अपडेट के निर्देश - सीईओ ने मझौली और सिहोरा की शेष ग्राम पंचायतों में दो दिन के भीतर उद्यम आधार पंजीयन पूरा करने तथा बैंक लिंकेज के प्रथम चरण के प्रकरणों का शीघ्र निराकरण करने के निर्देश दिए। साथ ही शेष आरएफ और सीआईएफ के प्रस्ताव 15 दिनों के भीतर भेजने को कहा। उन्होंने स्व-सहायता समूहों का भौतिक सत्यापन कराने, सार्थक ऐप पर बैठकों की फोटो सहित जानकारी अपलोड करने, नियमित बैठकें आयोजित कराने तथा लोकोस पोर्टल पर ई-केवाईसी, फेस ऑथेंटिकेशन, मोबाइल नंबर और बैंक खातों की जानकारी अद्यतन करने के निर्देश दिए।

31 जुलाई तक लक्ष्य पूरे करने के निर्देश - बैठक में कुंडम, शहपुरा और सिहोरा के पात्र परिवारों को स्व-सहायता समूहों से जोड़ने, लंबित बैंक खाते शीघ्र खुलवाने तथा मध्याह्न भोजन योजना के शेष समूहों को दीनदयाल अंत्योदय योजना-राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन से समय-सीमा में जोड़ने पर जोर दिया गया। सीईओ श्री गहलोत ने मॉडल संकुल स्तरीय संघों में सभी गतिविधियों का प्रभावी संचालन, लखपति इनिशिएटिव योजना के अंतर्गत लंबित डिजिटल आजीविका रजिस्टर की प्रविष्टियां 31 जुलाई तक पूर्ण करने तथा सभी मिशन कर्मियों की सार्थक ऐप के माध्यम से नियमित उपस्थिति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

फर्जी आयुष्मान कार्ड से कराया लाखों का इलाज

पॉलिटेक्निक कॉलेज के बाबू पर एफआईआर की तैयारी

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। शासकीय पॉलिटेक्निक कॉलेज में पदस्थ एक कर्मचारी पर फर्जी आयुष्मान कार्ड बनवाकर निजी अस्पताल में लाखों रुपये का इलाज कराने का आरोप सही पाया गया है। कलेक्टर राघवेंद्र सिंह के निर्देश पर हुई जांच में सामने आया कि कर्मचारी ने फर्जी दस्तावेजों के आधार पर आयुष्मान योजना का लाभ लिया। स्वास्थ्य विभाग ने जांच रिपोर्ट कलेक्टर को सौंप दी है और अब वैधानिक कार्रवाई की तैयारी की जा रही है। जानकारी अनुसार मामले में सुमित कुमार ने 7 जुलाई 2026 को कलेक्टर राघवेंद्र सिंह को शिकायत देकर बताया था कि शासकीय कला निकेतन पॉलिटेक्निक कॉलेज में पदस्थ यूडीसी सुनील कुमार जाट विवाहित हैं और उनके दो बेटे, दो बेटियां व पत्नी हैं। इसके बावजूद उन्होंने खुद को अविवाहित बताकर फर्जी तरीके से आयुष्मान योजना का लाभ लिया। शिकायत में आरोप लगाया गया कि सुनील कुमार ने दो समग्र आईडी बनवाई। एक आईडी में पूरा परिवार दर्ज है, जबकि दूसरी आईडी में उन्होंने खुद को पात्र व्यक्ति का दत्तक सदस्य (अडॉप्टेड) दिखाकर नाम जुड़वाया। इसी आधार पर आयुष्मान कार्ड बनवाकर योजना का लाभ लिया।

शासन को पहुंचाया आर्थिक नुकसान

शिकायतकर्ता ने समग्र आईडी और आयुष्मान योजना से जुड़े दस्तावेज भी सौंपे। जांच में प्रथम दृष्टया पाया गया कि फर्जी दस्तावेजों के जरिए आयुष्मान कार्ड बनवाकर वर्ष 2023 से शहर के एक निजी अस्पताल में डायलिसिस और अन्य इलाज कराया गया, जिससे शासन को आर्थिक नुकसान हुआ। सीएमएचओ डॉ. नवीन कोठारी ने बताया कि आयुष्मान योजना से जुड़े अधिकारियों की जांच में शिकायत सही पाई गई है। शुरुआती जांच में यह भी सामने आया कि समग्र आईडी में हेरफेर कर योजना का लाभ लिया गया। जांच रिपोर्ट कलेक्टर को भेज दी गई है. शिकायतकर्ता ने मांग की है कि मामले में दोषी पाए जाने पर सुनील कुमार जाट के खिलाफ एफआईआर दर्ज की जाए. सीएमएचओ ने कहा कि आगे की वैधानिक कार्रवाई कलेक्टर के स्तर से की जाएगी।

युवकों पर चाकू से हमला एक की मौत, दूसरा गंभीर

बरगी के ग्राम सालीवाड़ा में घर के सामने चौराहे में बैठने को लेकर वारदात

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। बरगी थानातंर्गत ग्राम सालीवाड़ा में घर के सामने चौराहे में बैठने को लेकर हुए विवाद पर एक युवक ने दो युवकों पर चाकू से जानलेवा हमला कर दिया। जिसमें एक युवक की मौत हो गई, वहीं दूसरा युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। जिसे उपचार के लिये मेडिकल अस्पताल में भर्ती कराया गया है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने आवश्यक कार्रवाई करते हुए हत्यारें आरोपी की सरगर्मी से तलाश शुरु कर दी है। पुलिस ने बताया कि बीती रात करीब साढ़े आठ बजे सालीवाड़ा चौराहे पर नम्मीलाल उर्फ छोटू व उसका रिश्ते का भाई संतोष यादव बैठकर बाते कर रहे थे। उसी समय घनश्याम केवट पहुंचा और कहने लगा कि हमारे घर के सामने क्यों बैठे हो, कई बार मना करने पर तुम लोग मानते नहीं हो। जिस पर नम्मी उर्फ छोटू ने कहा कि गांव का चौगड्डा है, यहां दुकान भी है, इसलिये बैठे हैं। इसी बात से नाराज होकर घनश्याम केवट गालीगलौज करने लगा। नम्मी व उसके भाई संतोष ने विरोध किया तो घनश्याम ने चाकू निकालकर उन पर दनादन वार करना शुरु कर दिया। जिनकी चीख पुकार सुन परिजन व आसपास के लोग पहुंचे आरोपी मौके से भाग निकला। जिसके बाद दोनों घायलों को बरगी के शासकीय अस्पताल ले जाया गया, जहां से उन्हें मेडिकल अस्पताल रेफर किया गया। जहां गंभीर रूप से घायल 40 वर्षीय संतोष यादव को उपचार के लिये भर्ती कर लिया गया, वहीं 30 वर्षीय नम्मी यादव को चिकित्सकों ने परीक्षण उपरांत मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने मामले में हत्या व हत्या के प्रयास का प्रकरण दर्ज कर आरोपी की गिरफ्तारी के प्रयास शुरु कर दिये है।

छावनी की दुकानों में एससी एसटी और ओबीसी किसानों को आरक्षण देने की मांग

भारतीय किसान संघ ने रक्षा विभाग को भेजे 11 सूत्रीय सुझाव,

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

छावनी परिषद जबलपुर द्वारा सार्वजनिक बाजारों में प्रस्तावित दुकानों के आवंटन को लेकर भारतीय किसान संघ ने रक्षा विभाग के समक्ष महत्वपूर्ण सुझाव प्रस्तुत किए हैं। संघ ने मांग की है कि छावनी क्षेत्र के अनुसूचित जाति (एससी), अनुसूचित जनजाति (एसटी) एवं अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के किसानों को दुकान आवंटन में आरक्षण दिया जाए, ताकि वर्षों से वंचित किसानों को भी समान अवसर मिल सके।

भारतीय किसान संघ तहसील कैंट एवं रांझी के अध्यक्ष तथा रक्षा विभाग के सेवानिवृत्त अधिकारी एडवोकेट राजेश कुशवाहा ने बताया कि छावनी परिषद द्वारा वर्ष 2026 के लिए तैयार किए जा रहे दुकान आवंटन नियमों में 11 सूत्रीय सुझाव रक्षा मंत्रालय, सेना भवन नई दिल्ली तथा छावनी परिषद जबलपुर को भेजे गए हैं।

संघ ने अपने प्रस्ताव में कहा है कि एससी, एसटी एवं ओबीसी वर्ग के किसानों के लिए 50 प्रतिशत दुकानों का आरक्षण राज्य सरकार और स्थानीय निकायों की आरक्षण नीति के अनुरूप किया जाए। साथ ही दुकानों का आवंटन केवल ऊंची बोली के आधार पर न होकर पारदर्शी एवं सामाजिक न्याय के सिद्धांतों पर आधारित हो।

संघ ने यह भी सुझाव दिया है कि 18वीं सदी से छावनी क्षेत्र में कृषि कर रहे किसानों को उनकी कृषि भूमि पर जैविक एवं प्राकृतिक खेती से जुड़े उत्पादों की बिक्री के लिए स्वयं की दुकानें बनाने की अनुमति दी जाए। इसके अलावा छोटे एवं सीमांत किसानों को रियायती किराया तथा महिला किसानों को दुकान आवंटन में प्राथमिकता देने की मांग भी की गई है।

कॉर्न एक्टिविटी से नन्हे विद्यार्थियों ने निखारी रचनात्मकता

हितकारिणी चिल्ड्रन एकेडमी, डुमना में बच्चों ने रंगों और कल्पनाशीलता से बनाया आकर्षक कॉर्न आर्ट

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

हितकारिणी चिल्ड्रन एकेडमी, डुमना में प्री-प्राइमरी कक्षाओं के विद्यार्थियों के लिए रचनात्मक कॉर्न एक्टिविटी का आयोजन किया गया। इस गतिविधि का उद्देश्य बच्चों की रचनात्मक सोच, कल्पनाशक्ति और कलात्मक अभिव्यक्ति को प्रोत्साहित करना था। कार्यक्रम में बच्चों ने रंगों का उपयोग करते हुए फिंगर प्रिंट तकनीक से मक्के (कॉर्न) का सुंदर चित्र तैयार किया। नन्हे विद्यार्थियों ने पूरे उत्साह और आनंद के साथ गतिविधि में भाग लेते हुए अपनी कलात्मक प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया।

कॉर्न दानों को दिया सेप

गतिविधि के दौरान शिक्षिकाओं ने बच्चों को कॉर्न की आकृति, उसके रंग और संरचना के बारे में सरल एवं रोचक तरीके से जानकारी दी। इसके बाद बच्चों ने अपनी उंगलियों की मदद से पीले रंग के बिंदुओं द्वारा कॉर्न के दानों को आकर्षक रूप दिया। बच्चों की

बनाई गई रंग-बिरंगी कलाकृतियाँ उनकी कल्पनाशीलता और सृजनात्मक सोच की झलक प्रस्तुत कर रही थीं।

बच्चों में बढ़ती है एकाग्रता

विद्यालय की प्राचार्य रीना जस्टिन ने कहा कि प्रारंभिक शिक्षा में इस प्रकार की रचनात्मक गतिविधियाँ बच्चों के बौद्धिक, मानसिक और शारीरिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। फिंगर पेंटिंग जैसी गतिविधियों से बच्चों के हाथों की पकड़ मजबूत होती है, सूक्ष्म मोटर कौशल का विकास होता है तथा एकाग्रता, आत्मविश्वास और सीखने की रुचि भी बढ़ती है।

उन्होंने कहा कि विद्यालय में नियमित रूप से ऐसी गतिविधियों का आयोजन किया जाता है, जिससे बच्चे खेल-खेल में नई बातें सीख सकें और उनकी रचनात्मक क्षमता का समुचित विकास हो।

गिफ्ट पाकर हुए खुश

कार्यक्रम के अंत में बच्चों की तैयार की गई आकर्षक कलाकृतियों की सभी ने सराहना की। पूरे आयोजन के दौरान विद्यालय परिसर बच्चों की मुस्कान, उत्साह और रचनात्मक ऊर्जा से सराबोर दिखाई दिया। कार्यक्रम के अंत में सभी बच्चों को छोटे छोटे गिफ्ट भी दिए गए।

हितकारिणी प्रकाशन प्रायवेट लिमिटेड के लिए **प्रकाशक एवं मुद्रक- राम असरानी** द्वारा प्रेस काम्पलेक्स सिविक सेंटर जबलपुर से प्रकाशित एवं हितकारिणी प्रिंटिंग प्रेस, सिविक सेंटर जबलपुर से मुद्रित. **प्रबंध सम्पादक- सुबोध दुबे, सम्पादक- राजेन्द्र मिश्रा,** *पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयनार्थ उत्तरदायी।
ई-मेल-**smatjbp1@ gmail.com,** फोन- 0761-2411414, 4032436 समस्त विवाद जबलपुर न्यायालयाधीन. पोस्टल रजि. नं. एसएसपी जबलपुर/13/2026-28, **RNI No. 64561/96.**